रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित * * रांची, रविवार 09 जून 2024 ● ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष 03 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 61 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

टी-20 वर्ल्ड कप

भारत-पाकिस्तान महामुकाबला आज

न्यूयॉर्क। आत्मविश्वास से ओतप्रोत और हालात के अनुकूल ढल चुकी भारतीय टीम नासाउ काउंटी की पेचीदा पिच पर टी 20 वर्ल्ड कप के बहुचर्चित मुकाबले में रविवार को चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से भिड़ेगी. अमेरिका से मिली अप्रत्याशित हार ने पाकिस्तान टीम का मनोबल पहले ही मैच में तोड़ दिया है. मुकाबला 34000 दर्शक क्षमता वाले नासाउ काउंटी इंटरनेशनल स्टेडियम पर खेला जायेगा.

टी-20 में हेड टू हेड

भारत जीता 09 | कुल मैच 12 | पाक जीता 03

टी20 वर्ल्ड कप में भी भारत आगे

टी20 वर्ल्ड कप की बात करें तो दोनों टीमों के बीच अभी तक 6 मुकाबले हुए हैं. इसमें पाकिस्तान को सिर्फ एक जीत मिली है. 2021 में यूएई में हुए टूर्नामेंट में पाकिस्तान ने 10 विकेट से जीत हासिल की थी. वहीं भारत बॉल आउट समेत 5 मैच जीत चुका है.

समय : रात 8 बजे

राष्ट्रपति भवन में आज लेंगे पीएम पद की शपथ, सभी तैयारियां पूरी

मोदी की ताजपोशी

लगातार न्यूज नेटवर्क। दिल्ली

नरेंद्र मोदी तीसरी बार पीएम के रूप में रविवार को शपथ लेंगे. सभी तैयारियां राष्ट्रपति भवन में पूरी हो चुकी हैं. शपथ ग्रहण समारोह शाम 7.15 बजे होगा. इन सब के बीच मोदी 3.0 की कैबिनेट को लेकर बड़ी खबर सामने आई है. सूत्रों के मुताबिक, नरेंद्र मोदी के साथ करीब 52 से 55 मंत्री शपथ ले सकते हैं. जिसमें 19- 22 कैबिनेट और करीब 33 से 35 राज्यमंत्री हो सकते हैं. खबर है कि टीडीपी, जेडीयू, एलजेपी समेत आरएलडी, जनसेना, जेडीएस और अपना दल एनडीए के घटक दल के रूप में सरकार में शामिल हो सकते हैं. नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार शपथ लेकर प्रथम पीएम जवाहरलाल नेहरू के बाद यह उपलब्धि हासिल करने वाले दूसरे राजनेता बन जाएंगे. राष्ट्रपति भवन में मनोनीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पद और गोपनीयता की शपथ दिलाएंगी.

दिन भर चला बैठकों का दौर: इस बीच, सरकार में एनडीए के विभिन्न घटकों के लिए मंत्रिपरिषद में हिस्सेदारी को लेकर भाजपा नेतृत्व और सहयोगी दलों के बीच सहमति बन गई है. अमित शाह और राजनाथ सिंह के अलावा पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा जैसे वरिष्ठ भाजपा नेता सरकार में प्रतिनिधित्व को लेकर तेलुगु देशम पार्टी के एन चंद्रबाबू नायडू, जदयू के नीतीश कुमार और शिवसेना के एकनाथ शिंदे सहित सहयोगी दलों से शनिवार को दिन भर परामर्श करते रहे.

महत्वपूर्ण रहेंगे भाजपा के पास: ऐसा माना जा रहा है कि गृह, वित्त, रक्षा और विदेश जैसे महत्वपूर्ण विभागों के अलावा शिक्षा और संस्कृति जैसे दो वैचारिक पहलुओं वाले मंत्रालय भाजपा के पास रहेंगे, जबकि उसके सहयोगियों को पांच से आठ कैबिनेट पद मिल सकते हैं. इसके लोकसभा अध्यक्ष का पद भी भाजपा के पास ही रहेगा. भाजपा एनडीए के साथियों के साथ फूंक-फूंक कर बढ़ रही है.

कैबिनेट में क्षेत्रीय संतुलन पर होगा जोर: इसके साथ ही मोदी सरकार की कैबिनेट में जाति से ज्यादा क्षेत्रीय संतुलन पर ज्यादा जोर दिए जाने की संभावना है. उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम को साधने वाला मंत्रिमंडल होगा. मंत्रियों के चयन में उनके अनुभव और शिक्षा दीक्षा का भी ख्याल रखा जा रहा है.

नेहरू के बाद मोदी लगातार तीसरी बार पीएम बनने वाले दूसरे नेता

▪ पीएम के साथ अमित शाह, राजनाथ सिंह समेत कई नेता भी लेंगे मंत्री पद की शपथ

सुरक्षा ऐसी कि परिंदा भी नहीं मार पाएगा पर

मोदी का शपथ ग्रहण कार्यक्रम राष्ट्रपति भवन में होगा. जिसको लेकर दिल्ली पुलिस ने मुकम्मल तैयारियां की हैं. राष्ट्रपति भवन और उसके आस पास सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम हैं. पुलिस के अधिकारियों की मानें तो कई लेयर सुरक्षा के इंतजाम हैं. राष्ट्रपति भवन की सुरक्षा के लिए अर्धसैनिक बलों की पांच कंपनियां तैनात हैं. इसके अलावा एनएसजी कमांडो, ड्रोन और स्नाइपर भी ऊंची इमारतों पर तैनात हो चुके हैं. शपथ ग्रहण समारोह में कई विदेशी मेहमान भी शिरकत करेंगे. ऐसे में पूरी राजधानी हाई अलर्ट पर है. खुफिया एजेंसियों के कंधों पर विदेशी मेहमानों की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी है. हर हेड ऑफ स्टेट के हिसाब से प्रोटोकॉल का मुताबिक सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए है. इसके अलावा विदेशी मेहमान जिन होटल में रुकेंगे उन होटल की भी सुरक्षा बढ़ा दी गई है. दिल्ली को नो फ्लाइंग जोन घोषित कर दिया गया है. इस दौरान पूरी दिल्ली में पैराग्लाइडर, पैरा मोटर्स, हैंग ग्लाइडर, यूएवी, यूएएस, माइक्रोलाइट एयरक्राफ्ट, रिमोट से संचालित एयरक्राफ्ट जैसे उप पारंपरिक हवाई प्लेटफार्मों की उड़ान पर प्रतिबंध लगा दिया है. इसको लेकर दिल्ली पुलिस ने एक एडवाइजरी भी जारी की है.

मोदी सरकार के ये हो सकते हैं संभावित चेहरे

- **यूपी से:** राजनाथ सिंह, जितिन प्रसाद, एसपी सिंह बघेल, पंकज चौधरी.
- **गुजरात से:** अमित शाह, मनसुख मंडाविया.
- **एमपी से:** ज्योतिरादित्य सिंधिया, शिवराज चौहान.
- **झारखंड से:** अन्नपूर्णा देवी, निशिकांत या विद्युत वरण महतो.
- **हरियाणा से:** राव इंद्रजीत, कृष्णपाल गुर्जर, मनोहर लाल खट्टर.
- **राजस्थान से:** अर्जुन मेघवाल, भूपेंद्र यादव
- **महाराष्ट्र से:** नितिन गडकरी, पीयूष गोयल, नारायण राणे
- **ओडिशा से:** वैजयंत पांडा, अपराजिता सारंगी
- **इनके नाम पर भी है चर्चा:** एस जयशंकर, जेपी नड्डा, डॉ जितेन्द्र सिंह, अश्वनी वैष्णव, शांतनु ठाकुर, सुरेश गोपी, विप्लव देब, सर्वानंद सोनेवाल, हरदीप पुरी, तापिर गांव, संजय बंडी/ जी किशन रेड्डी, प्रह्लाद जोशी, शोभा करंदजले, पीसी मोहन, राजीव चंद्रशेखर.

बना फॉर्मूला : टीडीपी से 4 व जदयू से दो मंत्री

सूत्रों ने बताया कि तेलुगु देशम पार्टी के राम मोहन नायडू, जदयू के ललन सिंह, संजय झा और राम नाथ ठाकुर तथा लोजपा (आर) के चिराग पासवान उन सहयोगियों में शामिल हैं, जो नयी सरकार का हिस्सा हो सकते हैं. महाराष्ट्र, जहां भाजपा-शिवसेना-राकांपा गठबंधन का प्रदर्शन खराब रहा है, और बिहार, जहां विपक्ष ने वापसी के संकेत दिए हैं, सरकार गठन की कवायद के दौरान फोकस में हो सकते हैं. महाराष्ट्र में अक्टूबर में विधानसभा चुनाव होने हैं, जबकि बिहार में अगले साल चुनाव होंगे. भाजपा के संगठन में होने वाले बदलाव भी पार्टी के मंत्रियों के नामों को अंतिम रूप देते समय चयनकर्ताओं के मन में होंगे. सूत्रों ने बताया कि बिहार से केंद्रीय मंत्रिमंडल में कौन-कौन शामिल होगा इसका फॉर्मूला एनडीए के स्थानीय नेताओं ने तैयार कर लिया है. इसके मुताबिक बिहार सरकार में जिस फॉर्मूले पर मंत्रिपरिषद का गठन हुआ है, केंद्र में भी उसी तर्ज पर मंत्री बनाए जाएंगे. यानी बिहार बीजेपी के जितने सांसद मंत्री बनेंगे, उतने ही जदयू के सांसद भी मंत्री बनेंगे. जेडीयू और बीजेपी अलग-अलग जातीय समीकरण के हिसाब से मंत्री पद के लिए अपने सांसदों का चयन करेंगे. उदाहरण के तौर पर यदि बीजेपी कोटे से यादव जाति का कोई सांसद मंत्री बनाया जाएगा तो जेडीयू का कोई यादव सांसद मंत्री नहीं बनेगा. एलजेपी और हम को 1-1 मंत्री पद मिलेगा. सूत्रों के अनुसार नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली नई कैबिनेट में चंद्रबाबू नायडू की तेलुगु देशम पार्टी को चार विभाग मिलेंगे, जबकि नीतीश कुमार की जेडीयू को दो पद मिलेंगे.

सहयोगी दल के ये नेता बन सकते हैं मंत्री

जयंत चौधरी- आरएलडी, जदयू से लल्लन सिंह या संजय झा में से कोई एक, रामनाथ ठाकुर, शिवसेना - प्रताप राव जाधव, लोजपा से चिराग पासवान, जदसे से कुमार स्वामी, टीडीपी से राम मोहन नायडू, के रविंद्रन, एनसीपी से प्रफुल्ल पटेल, अपना दल से अनुप्रिया पटेल, आरएलडी से जयंत चौधरी.

सात पड़ोसी देशों के मेहमान मौजूद रहेंगे

मोदी के नेतृत्व में एनडीए की सरकार के तीसरे कार्यकाल के लिए शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के लिए पड़ोस के सात देशों के नेता पहुंच रहे हैं. नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, श्रीलंका, मालदीव, सेशेल्स और मॉरीशस के नेताओं को रविवार शाम सात बजे राष्ट्रपति भवन में मोदी के तीसरे कार्यकाल के लिए शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के निमंत्रण पत्र भेजा गया है. बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना शनिवार को ही दिल्ली पहुंच चुकी हैं. नेपाल के पीएम पुष्प कमल दहल प्रचंड, भूटान के पीएम शेरिंग तोब्गे, श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे, मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू, सेशेल्स के उप राष्ट्रपति अहमद अफीफ और मॉरीशस के पीएम प्रविन्द जगन्नाथ कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे.

सीडब्ल्यूसी में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित, राहुल बोले- विचार करेंगे

सोनिया गांधी सीपीपी चेयरपर्सन और राहुल बनेंगे नेता प्रतिपक्ष

कांग्रेस संसदीय दल की बैठक में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, सोनिया गांधी और राहुल गांधी.

लगातार न्यूज नेटवर्क। नयी दिल्ली

सोनिया गांधी को शनिवार को एक बार फिर से कांग्रेस संसदीय दल (सीपीपी) का चेयरपर्सन चुना गया. इस मौके पर उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी पर करारा प्रहार किया और कहा कि चुनाव में मोदी की राजनीतिक और नैतिक हार हुई है तथा उन्होंने नेतृत्व करने का हक खो दिया है. संविधान सदन (पुराने संसद भवन) के केंद्रीय कक्ष में हुई कांग्रेस संसदीय दल की बैठक में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोनिया गांधी को सीपीपी प्रमुख नियुक्त करने का प्रस्ताव पेश किया, जिसका पार्टी के सांसदों गौरव गोगोई, तारिक अनवर और के. सुधाकरन ने अनुमोदन किया.

सोनिया ने कहा, जनता ने विभाजन की राजनीति और तानाशाही को खारिज करने के लिए निर्णायक वोट दिया है. उन्होंने संसदीय राजनीति को मजबूत करने और संविधान की रक्षा के लिए मतदान किया. उन्होंने कहा कि भारत जोड़ो यात्रा और भारत जोड़ो न्याय यात्रा ऐतिहासिक आंदोलन थे, जिन्होंने पार्टी में हर स्तर पर नयी जान फूंकी. सोनिया ने कहा कि राहुल अभूतपूर्व व्यक्तिगत व राजनीतिक हमलों का मुकाबला करने की अपनी प्रतिबद्धता के लिए विशेष धन्यवाद के पात्र हैं.

इससे पहले पार्टी की कार्य समिति की बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर राहुल गांधी से आग्रह किया गया कि वह लोकसभा में नेता विपक्ष की जिम्मेदारी संभालें. इस लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने 101 सीट जीती हैं. हालांकि राहुल गांधी ने इस प्रस्ताव पर तत्काल कुछ कहने के बजाय सोच कर बताने का फैसला सुनाया. खरगे की अध्यक्षता में हुई विस्तारित कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में प्रस्ताव पारित किया गया, जिसमें चुनाव में खरगे, सोनिया गांधी, राहुल गांधी और महासचिव प्रियंका गांधी के जोरदार प्रचार अभियान के लिए उनकी सराहना की गई. -शेष पेज 7 पर

जनता ने संविधान विरोधियों को जवाब दिया : खरगे

खरगे ने कहा, चुनाव में जनता ने तानाशाही शक्तियों और संविधान विरोधी लोगों को करारा जवाब दिया है तथा भाजपा के 10 साल की विभाजनकारी, नफरत और ध्रुवीकरण की राजनीति को खारिज कर दिया. खरगे ने संबोधन में चुनाव में पार्टी के बेहतर प्रदर्शन के लिए सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका, इंडिया गठबंधन के घटक दलों के नेताओं तथा अपने नेताओं-कार्यकर्ताओं का आभार जताया साथ ही कहा कि इस साल के अंत में विभिन्न राज्यों में होने वाले विस चुनावों में हर क़ीमत पर विरोधी दलों को परास्त कर अपनी सरकार बनानी है. खरगे ने कहा , जहां हम कुछ राज्यों में कांग्रेस पार्टी के अच्छे प्रदर्शन पर खुश हैं, तो वहीं उन राज्यों पर भी खास तौर से गौर करना होगा, जहां कांग्रेस पार्टी की संभावनाओं और अपेक्षाओं के विपरीत परिणाम आए. जहां हमने विधानसभा में अच्छा प्रदर्शन कर सरकार बनाई लेकिन लोकसभा में उस प्रदर्शन को दोहरा नहीं पाए. उन्होंने इस बात पर जोर दिया, हमारा काम निरंतर जारी रहेगा, चाहे हम सत्ता में हों या नहीं. हमें 24 घंटे, 365 दिन लोगों के बीच रहना होगा, जनता के मुद्दों को उठाना होगा.

जदयू नेता का बड़ा दावा, बोले- लेकिन हम एनडीए के साथ बने रहेंगे

नीतीश को 'इंडिया' ने दिया पीएम पद का ऑफर!

लगातार न्यूज नेटवर्क। नयी दिल्ली

जदयू के बड़े नेता केसी त्यागी ने बड़ा खुलासा किया है. उन्होंने कहा, इंडिया ब्लॉक की तरफ से हमारे नेता नीतीश कुमार को बड़े ऑफर दिये गए, लेकिन उन्होंने इन्हें सिरे से नकार दिया. त्यागी ने कहा, हमारे नेता को तो पीएम पद देने तक का ऑफर आया है. और ऐसे ऑफर उनकी ओर से आए, जिन्होंने नीतीश को इंडिया ब्लॉक का संयोजक बनाने तक से इनकार कर दिया था. हम इसके जन्मदाता थे. हमने कांग्रेस की पॉलिटिकल अनटचेबिलिटी खत्म की. अखिलेश, केजरीवाल, ममता बनर्जी... ये कांग्रेस के साथ मंच शेयर करने को तैयार नहीं थे. त्यागी ने कहा, जो व्यवहार हमारे नेता और पार्टी के साथ हुआ, उसी का नतीजा था कि हम गठबंधन से बाहर आए. एनडीए ज्वॉइन किया. इतिहास गवाह है कि उस दिन से ही फिजा बननी शुरू हो गई. जब त्यागी से पूछा गया कि विपक्ष के किन नेताओं ने नीतीश को अपने पाले में लाने के लिए उनसे संपर्क किया था, तो उन्होंने कहा, राजनीति में नाम बताना ठीक नहीं रहता है. लेकिन मैं बहुत जिम्मेदारी से कहता हूं कि ऐसे प्रपोजल नीतीश के पास आए . विपक्ष के कई शीर्ष नेता नीतीश कुमार से बात करना चाहते थे. लेकिन पार्टी ने तय किया है कि पीछे झांकने का प्रश्न ही पैदा नहीं होता.

कांग्रेस बोली- ये तो त्यागी ही जानते होंगे

कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल से जब इस संबंध में पूछा गया कि जेडीयू नेता केसी त्यागी ने दावा किया है कि इंडिया गठबंधन की ओर से नीतीश कुमार को पीएम पद ऑफर किया गया, तो उन्होंने कहा कि इस तरह की कोई जानकारी उनके पास नहीं है. कांग्रेस महासचिव वेणुगोपाल ने कहा कि हमें ऐसे किसी ऑफर की जानकारी नहीं है. अगर केसी त्यागी ऐसा कुछ रहे हैं, तो ये जानकारी सिर्फ उन्हें ही होगी.

बवाल जारी सरकार ने किया दखल, ग्रेस मार्क पाने वाले 1500 से अधिक अभ्यर्थियों के अंकों की होगी पुन: जांच

पूरे विवाद पर एनटीए ने बनाई कमेटी, एक हफ्ते में रिपोर्ट

एजेंसी। नयी दिल्ली

नीट रिजल्ट में कथित गड़बड़ी के बाद मचे हंगामे और सीबीआई जांच की मांग के बीच एनटीए ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि स्टूडेंट्स को ग्रेस अंक देने से नतीजों में फर्क नहीं पड़ा है. एनटीए ने पेपर लीक होने के आरोपों को भी खारिज कर दिया.

एनटीए डीजी सुबोध सिंह ने कहा, यह मसला सिर्फ 1600 स्टूडेंट्स का है. पेपर 23 लाख बच्चों ने दिया था.4750 नहीं सिर्फ 6 सेंटर का मामला है. बच्चों के ग्रेस मार्क्स व टॉइम लॉस से जुड़ी आपत्तियों पर विचार करने के लिए एक कमेटी बनाई गई है, इस कमेटी की जो सिफारिशें होंगी, हम फैसला लेंगे. एक सप्ताह में इसकी सिफारिशें आ जाएंगी. कमेटी में यूपीएससी के पूर्व सदस्य व कई शिक्षाविदों को शामिल किया गया है.पेपर लीक के आरोपों पर कहा, सोशल मीडिया पर जो पेपर आया, वह पेपर शुरू होने के बाद आया. हम अपने प्रोटोकॉल व स्टैंडर्ड को और मजबूत करेंगे, ताकि फिर से ऐसी गलती न हो. सुबोध सिंह ने कहा, टॉइम लॉस होने के मामले पर हमारी समिति ने बैठक की थी और उन्होंने केंद्रों और सीसीटीवी के विवरणों का अध्ययन किया. पता चला कि कुछ केंद्रों पर समय की बर्बादी हुई और छात्रों की भरपाई होनी चाहिए. इसलिए कुछ छात्रों के अंक ग्रेस मार्क्स देकर बढ़ा दिए गए. इससे, कुछ छात्रों की चिंताएं सामने आईं क्योंकि कुछ को 718-719 अंक मिले और 6 टॉपर बन गए. हमने सावधानीपूर्वक विश्लेषण किया और परिणाम जारी किए.

-पेज 7 भी देखें

एनटीए ने सरकार के दखल के बाद की प्रेस कांफ्रेंस, पेपर लीक के दावा खारिज

क्यों हो रहा हंगामा, छात्र लगातार पूछे रहे ये सवाल

1. एक ही एग्जाम सेंटर से छह टॉपर कैसे हो सकतेहैं ?
2. **छात्र, पेरेंट्स व कोचिंग संचालकों ने पूछा है कि एनटीए बताए कि कितनों को ग्रेस मार्क्स मिले हैं? किसे कितने कितने मार्क्स दिए गए हैं? नीट की ऑरिजनल मेरिट लिस्ट जारी हो.**
3. ग्रेस मार्क्स पर नोटिफिकेशन में कोई जानकारी नहीं दी. फिर रिजल्ट में किस आधार पर लागू किया गया?
4. **किन सेंटरों पर टाइम लॉस हुआ और किस आधार पर ग्रेस मार्क्स मिले.**
5. एनटीए नॉर्मलाइजेशन पर बताए, इसका क्या फॉर्मूला रहा.
6. **कहां पर नॉर्मलाइजेशन लागू हुआ.**
7. 718 और 719 मार्क्स कैसे आए, जबकि यह असंभव है. हर सवाल चार नंबर का होता और गलत उत्तर पर एक अंक की नेगेटिव मार्किंग होती है. कोई छात्र अगर सभी सवाल सही करता है तो उसके पूरे 720 में से 720 आते हैं और अगर एक सवाल छोड़ देता है तो उसके 716 अंक आएंगे. वहीं एक सवाल गलत करता है तो उसके 715 अंक रह जाएंगे.
8. **नीट की टाइ ब्रेकिंग पॉलिसी रिजल्ट के समय क्यों बदली गई है?**
9. टाइम लॉस पर कितने ग्रेस मार्क्स ?
10. **लोकसभा चुनाव परिणाम के दिन ही नीट रिजल्ट क्यों जारी किया गया?**

महाराष्ट्र सरकार ने नीट परीक्षा को रद्द करने की मांग की

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने भी नीट-यूजी को तत्काल रद्द करने की मांग करते हुए आरोप लगाया कि नतीजों में राज्य के छात्रों के साथ अन्याय हुआ है. महाराष्ट्र के चिकित्सा शिक्षा मंत्री हसन मुश्रीफ ने इस मुद्दे पर बात करते हुए कहा, शायद नीट की परीक्षाएं पैसे लेकर आयोजित की गई थीं. उन्होंने कहा, इसमें महाराष्ट्र के छात्रों के साथ अन्याय हुआ है और इसे तुरंत रद्द किया जाना चाहिए. हम राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग के समक्ष यह मुद्दा उठाएंगे. मुश्रीफ ने कहा कि सरकार इस मुद्दे पर अदालत का दरवाजा खटखटाने पर भी विचार कर रही है.

उद्धव की शिवसेना में फिर सेंध लगाएंगे एकनाथ शिंदे?

एजेंसी। मुंबई

शिवसेना ने शनिवार को दावा किया कि शिवसेना (यूबीटी) के दो नवनिर्वाचित सांसद सीएम एकनाथ शिंदे के संपर्क में हैं. शिवसेना के प्रवक्ता नरेश म्हस्के ने दलबदल विरोधी कानून का हवाला देते हुए दोनों सदस्यों का नाम बताने से इन्कार किया, लेकिन साथ ही यह भी कहा कि चार अन्य सांसद भी जल्द ही इन दोनों के साथ मिल कर शिंदे के नेतृत्व वाली पार्टी में शामिल हो जाएंगे. दोनों सदस्य नाखुश हैं.

म्हस्के ने कहा कि उद्धव ठाकरे की शिवसेना के दो सांसद संपर्क में हैं तथा चार अन्य उनसे जुड़ेंगे और मनोनीत पीएम मोदी का समर्थन करेंगे. उनकी टिप्पणी शिवसेना नेता संजय राउत के इस दावे की पृष्ठभूमि में आई है कि शिंदे गुट के कुछ विधायक और सांसद ठाकरे के साथ फिर से जुड़ने के इच्छुक हैं. शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने राज्य की सात सीट जीतीं, जबकि ठाकरे गुट नौ सीट पर विजयी रहा. एकनाथ शिंदे के समर्थक इससे पहले शिवसेना के विधायक संजय शिरसाट ने भी दावा किया कि कुछ दिनों में उद्धव गुट के कुछ नेता उनकी पार्टी में शामिल होंगे. संजय राउत ही उद्धव के धड़े में गिरावट की बड़ी वजह बन गए हैं.

छह सांसदों के संपर्क में होने का दावा

बिरसा की कई अनछुई यादों का गवाह है

पोड़ाहाट का शंकरा, रोगतो हलमत गांव

प्रवीण कुमार की रिपोर्ट

09 जून बिरसा शहादत दिवस पर खास

देश दुनिया जब भी बिरसा मुंडा को याद करतीहै, तो उलिहातू,चलकद और डोंबारीबुरू का उल्लेख जरूर होता है. आमतौर पर इतिहासकार हों या बिरसा मुंडा के क्रांतिदर्शी विचारों के अनुयायी उन दिनों के बारे में बात नहीं करते, जिसने बिरसा मुंडा के जीवन को परिपक्वता दिया और अपने लोगों को सिखाया उलगुलान का अंत नहीं और मुंडाओं का यह भरोसा पक्का हो गया कि बिरसा फिर लौटेंगे और सूर्य की तरह चमकते हुए आदिवासियों के हर संघर्ष में विचारों के रूप में मार्गदर्शन करेंगे.

आज भी रोगतो में मौजूद है वह घर जिसमें अपनी पत्नी के साथ बिरसा मुंडा रहते थे : 9 जनवरी 1900 को सइलरकब के डोंबारीबुरू पर हजारों आदिवासी जमा हुए थे. औरतें और बच्चे भी थे. तीन दिनों से आदिवासियों का काफिला डोंबारीबुरू पर जमा हो रहा था. लोग नाच और गा रहे थे. साथ ही उलगुलान की रणनीति भी बन रही थी. लेकिन 9 जनवरी की सुबह सब पूरा सइलरकब कोहरे के आगोश में था. अंग्रेज पुलिस ने धावा बोल दिया. बिना किसी सूचना के गोलीबारी शुरू कर दी गयी. इस घटना में कितने लोग मरे इसे लेकर अलग- अलग दावे हैं. यदि आदिवासियों के विवरण को देखा जाए तो उसमें कहा गया था कि पूरा डोंबारीबुरू रक्त से नहा उठा था और इसमें नवजात बच्चों और उनकी माताओं को भी नहीं बख्शा गया था. आदिवासियों के बीच माना जाता है कि बिरसा मुंडा को पहले ही डोंबारी से सुरक्षित भेज दिया गया था. बिरसा ने गिरफ्तारी से दो साल पहले से ही अपना नया ठिकना पोड़ाहाट के जंगलों को बनाया था. रोगतो के ग्रामीणों ने बिरसा मुंडा को खेती के लिए जमीन भी दी थी. जिस घर में बिरसा मुंडा रहते थे वह घर आज भी रोगतो में मौजूद है.

बिरसा मुंडा अपनी पत्नी के साथ रोगतो में रहते थे. पोड़ाहाट में ही बिरसाइत धर्म संहिता और अपने शिष्यों को दिक्षा देने का काम बिरसा मुंडा ने किया था.इसके बाद बिरसा मुंडा के इतिहास की चर्चा कम की जाती है. उस पर लिखा भी कम गया है. यही कारण है कि पोड़ाहाट के घने जंगलों के बीच रोगतो की ज्यादा चर्चा नहीं होती है. बस इतना उल्लेख मिलता है कि पांच-पांच रूपये की लालच में सात मुंडाओं की मुखबरी के बाद बिरसा मुंडा को इसी रोगतो के निकट शंकरा से गिरफ्तार कर लिया गया. रोगतो गांव में बिरसा मुंडा ने क्या किया और लोगों को फिर से संगठित करने के लिए क्या प्रयास किए इस पर ज्यादा शोध नहीं हुआ है.

रोगतो दुनुब के नाम से जानी जाती है बिरसा की आखिरी बड़ी बैठक

रोगतो की चर्चा बिरसा मुंडा के प्रसिद्ध जीवनीकार डॉ. कुमार सुरेश सिंह ने अपनी पुस्तक बिरसा मुंडा और उनका उलगुलान में भी किया है. इसमें रोगतो दुनुब यानी रोगतो में आदिवासियों की बड़ी प्रतिनिधि सभा का उल्लेख किया गया है. जिसमें बिरसाइत पंथ को लेकर विस्तार से दिशा निर्देश दिए जाने का उल्लेख है. साथ ही आगे की लड़ाइयों के लिए भी आदिवासियों को बड़ी तैयार करने की बात कही गयी है. आज रोगतो किस हालत में है और बिरसा मुंडा की याद किस तरह जीवंत है यह जानना दिलचस्प है .साथ ही बिरसा की जिंदगी में रोगतो के महत्व को जानना काफी रोचक है. इन इलाकों में बिरसा मुंडा अपनी पत्नी के साथ गिरफ्तारी के आखिरी दिनों में रहे थे.

हजारीबाग जेल से छूटने के बाद अपना नया ठिकना बनाया था पोड़ाहाट को

रोगतो के टीपरू मुंडा बताते हैं कि बिरसा जब हजारीबाग जेल से लौटे थे, तब अपने रहने का ठिकाना रोगतो को बनाया था. बिरसा मुंडा के साथ उनकी पत्नी भी रोगतो में ही रहती थी. रोगतो में बिरसा मुंडा को जमीन भी मिली था. पुलिस बिरसा मुंडा की गिरफ्तारी से पहले गांव के मलकू मुंडा को गिरफ्तार करके ले गयी थी. रोगतो गांव में रहने वाले सभी परिवार बिरसा धर्म मानते हैं. गांव के विकास के बारे में पूछने पर टिपरू कहते हैं कि गांव के किसी भी लोग के पास राशन कार्ड नहीं है. गांव में चापाकल नहीं है. सड़क भी नहीं बना हुआ है. गांव में बिजली नहीं पहुंची है. सोलर सिस्टम का समान गांव लाकर 5 साल पहले फेंक दिया गया लेकिन उसे चालू नहीं किया गया.

बिरसा मुंडा ने इन गांव वालों के पुरखों के साथ अंतिम समय बिताये थे.

यही वही घर है, जहां से अंग्रेजों ने उन्हें गिरफ्तार किया था.

बिरसा की गिरफ्तारी के पहले इलाके में अंग्रेजों ने किया था दमन

शंकरा के ग्रामप्रधान कहते हैं कि बिरसा मुंडा रात के समय शंकरा में रहते थे. जब पुलिस उनको खोजने आती थी, तब वह मांदर के पिछे छुप जाते थे. दिन के वक्त वह रोगतो चले जाते थे. जब अंग्रेज कैप्टन रोसे को इस बात की जानकारी मिली, तब अंग्रेज सैनिकों को बिरसा को खोजने में लगाया गया. इस खोज कार्य में चक्रधरपुर मिलिट्री पुलिस भी लगी हुई थी. पूर्वजों से मिली जानकारी के अनुसार, बिरसा अपना धर्मिक उपदेश शंकरा और रोगतो में दिया करते थे. उस दौर में इलाके में अंग्रेजी फौजों के द्वारा काफी दमन किया गया. गांव को खाली कर के शंकरा और रोगतो के लोगों को शिविर में रखा गया. आज भी हमलोग बिरसा भगवान के उपदेश का अनुसरण करते हैं.

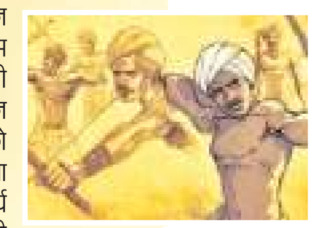

2 फरवरी के पहले हफ्ते में हुई थी बिरसा मुंडा की गिरफ्तारी

बिरसा मुंडा ने अपनी गिरफ्तारी से पहले दो साल पहले से ही अपना ठिकाना रोगतो को बनाया था. यह इलाका पोराहाट जंगल में पड़ता है. जरीकेल,हलमत,मानमारू,शंकरा में रोगतो जैसे दर्जनों गांव में बिरसा समर्थक मौजूद थे. इन इलाकों में आंदोलन को पूरी तरह कुचल डालने के लिए बिरसा–अनुयायियों पर भयानक आंतक बरपा गया. ग्रामीणों के मुताबिक, फरवरी के पहले हफ्ते में शंकरा के पश्चिम स्थित जंगल से मानमारू गांव के सात लोभी लोग ने बिरसा मुंडा को अपने कब्जे में ले लिया. वहां से बिरसा को बंदगांव लाया गया .बिरसा को पकड़वाने वाले लोगों को 500 रूपये का नकद इनाम दिया गया था.

ब्रीफ खबरें

सीएम ने हेमंत सोरेन से जेल में की मुलाकात

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने शनिवार को रांची के होटवार स्थित बिरसा मुंडा सेंट्रल जेल में हेमंत सोरेन से मुलाकात की. बताया जा रहा है कि चंपाई सोरेन लोकसभा चुनाव के परिणाम के बाद की परिस्थितियों पर चर्चा के लिए हेमंत सोरेन से मिले. जानकारी के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने हेमंत को लोकसभा चुनाव की प्रतिक्रियाओं के बारे में बताया.

सीता सोरेन का इस्तीफा अब तक स्वीकार नहीं

रांची। दुमका लोकसभा सीट से बीजेपी के टिकट पर चुनाव लड़ीं सीता सोरेन का इस्तीफा विधानसभा ने अब तक स्वीकार नहीं किया है. जानकारी के अनुसार स्पीकर ने कहा है कि नियम के अनुसार उन्हें खुद या अपने विशेष दूत के माध्यम से त्यागपत्र भेजना होगा. बताते चलें कि सीता सोरेन ने अपनी बेटी के ई-मेल से इस्तीफा स्पीकर को सौंपा था, जिसे स्वीकार नहीं किया गया है. उन्हें नियम के अनुसार इस्तीफा देने को कहा गया है. बताते चलें कि सीता सोरेन झामुमो से तीन बार विधायक रही हैं.

चार्ज न देना पड़े, तभी कुर्सी प्रेमी सीओ फोन ऑफ कर गायब हैं..

विनीत आभा उपाध्याय ।रांची

अपसरों को कुर्सी प्यारी होती है. खास कर कमाई वाली कुर्सी और मलाईदार पोस्टिंग हो तो अफसर कुर्सी से ऐसे चिपक जाते हैं कि ट्रांसफर होने के बावजूद कुर्सी छोड़ना नहीं चाहते हैं. राजधानी रांची के ओरमांझी में अंचलाधिकारी की पोस्टिंग थी. सीओ साहब का नाम नीतीन गुप्ता बताया जाता है. आचार संहिता लागू होने से पहले मार्च में साहेब का ट्रांसफर दूसरी जगह हो गया था. उनकी जगह दुमका से आये उज्जवल सोरेन को तचार्ज लेना था. सोरेन तत्काल चार्ज लेने नहीं पहुंच पाये थे. चुनाव आचार संहिता समाप्त होने के बाद चार्ज लेने आये, तो निर्वतमान सीओ साहेब गायब हो गये. नीतीन बाबू ने सोरेन जी को चार्ज देने में इस भीषण गर्मी में पसीना छुड़ा दिया. नहीं ही दिया, कार्यालय से ऐसा गायब हुए कि कुछ पता ही नहीं चला. फोन भी स्विच ऑफ. देर शाम तक लुकाछुपी होने के बाद नए सीओ साहब ने स्वतः चार्ज ले लिया और उपायुक्त को इसकी सूचना दी.

नए वाले सीओ साहब तपती धूप में करीब 250 किलोमीटर से ज्यादा दूर से चार्ज लेने पहुंचे थे. लेकिन रांची से सटे ओरमांझी के पुराने सीओ साहब ने उन्हें चार्ज नहीं ही दिया. बेचारे चार्ज लेने के लिए गर्मी में दिनभर हांफते रहे. आखिरकार खुद ही चार्ज लिया. दरअसल आचार संहिता लगने से ठीक पहले राज्य सरकार ने कई सीओ की ट्रांसफर पोस्टिंग की थी. ट्रांसफर पोस्टिंग की अधिसूचना जारी होने के बाद आचार संहिता के कारण कुछ सीओ चार्ज नहीं ले पाए थे. गुरुवार को जब आचार संहिता खत्म होने की अधिसूचना जारी हुई तो वैसे अफसर अपना चार्ज लेने लगे, जिनकी ट्रांसफर -पोस्टिंग आचार संहिता लगने से पहले हुई थी.

सीओ साहेब फोन ऑफ कर ऑफिस से गायब हो गये, इसको लेकर चर्चा जोरों पर है

भूमि घोटाला : अंतु तिर्की, प्रियरंजन सहाय समेत 10 के खिलाफ ईडी की चार्जशीट दाखिल

लीगल रिपोर्टर।रांची

पूर्व सीएम हेमंत सोरेन से जुड़े भूमि घोटाला और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में इन्फोर्समेंट डायरेक्टोरेट (ईडी) ने 10 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है. जिन आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गयी है, उनमें झामुमो नेता अंतु तिर्की, राजस्व विभाग के कर्मचारी मनोज कुमार यादव, कोलकाता के रजिस्ट्रार ऑफ एश्योरेंस के दो कर्मचारी तापस घोष व संजीत कुमार, हजारीबाग कोर्ट में डीड राइटर मो. इरशाद के अलावा प्रियरंजन सहाय, विपिन सिंह, इरशाद अख्तर, अफसर अली उर्फ अफसू खान और सद्दाम हुसैन शामिल हैं.

बड़गाई में 8.86 एकड़ जमीन के दो प्लॉट के बनाये गये थे फर्जी दस्तावेज : भूमि घोटाला और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में ईडी इससे पहले 30 मार्च को पहली चार्जशीट दाखिल कर चुकी है. इसमें पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और बड़गाईं अंचल के राजस्व उपनिरीक्षक भानु प्रताप प्रसाद समेत अन्य लोगों का नाम है. ईडी ने अपनी चार्जशीट में इस बात का उल्लेख किया है कि बड़गाईं में हेमंत सोरेन के कब्जे वाली 8.86 एकड़ जमीन के दो प्लॉट के फर्जी दस्तावेज बनाये गये थे. फोरेंसिक रिपोर्ट में भी इसकी पुष्टि हुई है. इसके अलावा अफसर खान, प्रियरंजन सहाय, विपिन सिंह व अन्य आरोपियों ने कोलकाता के रजिस्ट्रार ऑफ एश्योरेंस के कर्मचारी तापस घोष व संजीत कुमार के साथ मिलकर दस्तावेज जुटाये. इसके बाद हजारीबाग के डीड राइटर मोहम्मद इरशाद की मदद से फर्जी दस्तावेज तैयार कर चेशायर होम रोड स्थित 4.83 एकड़ जमीन हड़पने की साजिश रची गई.

धनबाद पुलिस की हिरासत में मृत युवक के परिजनों को मिलेगा पांच लाख मुआवजा

संवाददाता ।रांची

धनबाद पुलिस की हिरासत में मृत युवक के परिजनों को मुआवजा मिलेगा. गृह कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने इसकी स्वीकृति दे दी है. मानवाधिकार आयोग की अनुशंशा पर निरसा थाना में मृतक प्रकाश गोराई के पिता को पांच लाख की मुआवजा राशि दी जाएगी. गौरतलब है कि निरसा थाना क्षेत्र के कालूबथान ओपी पुलिस ने प्रकाश को मोबाइल चोरी के आरोप में गिरफ्तार किया था और उसे ओपी में ही रखा था. आरोप है पुलिस ने उसे लाठी-डंडे और लात-घूसों से पीटा था. नौ अक्टूबर 2020 को युवक के परिजनों को जानकारी मिली कि प्रकाश गोराई कालूबथान ओपी के शौचालय का वेंटीलेटर तोड़कर भाग चुका है. इसके बाद उसका शव नग्न अवस्था में पीएनके हाई स्कूल कलियासोल के पास पेड़ से लटका मिला था. परिवार के लोगों ने जब शव देखा तो शरीर पर जख्म के निशान थे. घटना के बाद क्षेत्र में लोगों ने काफी हंगामा किया और जांच की मांग भी की. लेकिन इस पर कोई कार्रवाई नहीं की गयी थी.

निशिकांत दुबे ने फिर बढ़ाया सियासी पारा

चंपाई सरकार के लिए अगले सात दिन अहम : निशिकांत

संवाददाता ।रांची

गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे ने एक बार फिर से सियासी पारा बढ़ा दिया है. उन्होंने शनिवार ट्वीट कर कहा है कि चंपाई दा होशियार, कल्पना भाभी आ गई हैं, झारखंड की वर्तमान सरकार के लिए आने वाला 7 दिन बहुत ही महत्वपूर्ण होने वाला है. इस ट्वीट के बाद कयासों का बाजार गर्म हो गया है. इससे पहले भी उन्होंने ट्वीट कर कई भविष्यवाणी की है। निशिकांत दुबे का इसपर कहना है कि वह जो भी कहे हैं वह सच हुआ है. उन्होंने राज्य के तत्कालीन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की जेल जाने की बात कही थी, वह सच साबित हुआ. निशिकांत दुबे ने गोड्डा लोकसभा से चौथी बार सांसद का चुनाव जीता है.

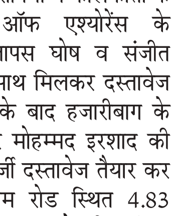

क्लासिफाइड

मुकेश ज्वेलर्स एंड संस
मुकेश जेम्स एंड ज्वेलरी
सोने-चांदी हीरे जवाहरात और नव रत्नों के विशेषज्ञ
ज्योतिष परामर्श केंद्र
शेरे पंजाब चौक (दयाल ट्रेड सेंटर के बगल में), आदित्यपुर
मो. 9431342548/8789502278

उत्कर्ष साइंस इंटर कॉलेज
SCIENCE • ARTS
नामांकन जारी है।
सत्र: 2024–2026
OUR SPECIAL FEATURES
* No Need For Private Tuition
* Free English Spoken Classes
* Extra Classes For Weak Students
* Scholarship is available
Lal Mohan Kumar
Secretary
सम्पर्क सूत्र :- 7991141963, 7209563687, 7970724567

GEETA INTER COLLEGE, H.BAG
SCIENCE | ARTS | COMMERCE
Admission is Going On
Session : 2024-2026
Girls Campus : With Hostel
Boys Campus : Without Hostel Facility
Zabra, Korrah, Hazaribagh
9835486174, 99054 84481, 8210363904

आयोजन

मोटर वाहन दुर्घटना से संबंधित विशेष लोक अदालत लगी

115 केस निष्पादित, 4.87 करोड़ का सेटलमेंट

संवाददाता।रांची

मोटर वाहन दुर्घटना से संबंधित विशेष लोक अदालत में 115 केसों को निष्पादन कर 4.87 करोड़ की राशि प्राप्त की गयी. इस राशि को पीड़ितों और पीड़ितों के आश्रितों के बीच बांटा गया. न्यायायुक्त के हाथों भी पक्षकारों के बीच चेकों का वितरण किया गया. बता दें कि झारखंड हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस और झालसा के कार्यपालक अध्यक्ष सुजीत नारायण प्रसाद के दिशा-निर्देश और रांची सिविल कोर्ट के प्रधान न्याययुक्त दिवाकर पांडे के मार्गदर्शन पर मोटर वाहन दुर्घटना से संबंधित विशेष लोक अदालत लगायी गयी. तीन जून से सात जून 2024 तक रांची के व्यवहार न्यायालय परिसर में पक्षकारों के साथ मोटर वाहन दुर्घटना के मामलों पर समझौते के लिए प्री-लोक अदालत की बैठक आयोजित की गयी. इस विशेष लोक अदालत (मोटर दुर्घटना दावा मामले) के लिए एक बैंच का गठन किया गया था. इस विशेष लोक अदालत में कुल 500 चिन्हित वादों को निष्पादन के लिए बेंच के समक्ष रखा गया, जिनमें से कुल 115 वादों का आज निष्पादन किया गया और 4,87,45,000 की राशि प्राप्त की गयी.

विशेष लोक अदालत में वादी के साथ न्यायाधीश व अन्य.

खास बातें

- 4,87,45,000 की राशि का सेटलमेंट किया गया
- न्यायायुक्त के हाथों चेक का किया गया वितरण

मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन विधि व्यवस्था की भी समीक्षा करेंगे

संवाददाता।रांची

रांची स्थित प्रोजेक्ट भवन में 11 जून को दिन के 11 बजे से आयोजित बैठक की प्रथम पाली में विधि व्यवस्था, न वारंट की तामील, अपराध नियंत्रण, वन एवं भू- राज्सव से संबंधित मामले जो पुलिस गतिविधियों को प्रभावित करती है. वहीं दूसरी पाली में ग्रामीण विकास विभाग के अबुआ आवास योजना. वीर शहीद पोटो हो खोल विकास योजना, बिरसा सिंचाई कूप संवर्धन योजना के साथ-साथ मनरेगा योजना की समीक्षा करेंगे.

इसके अलावा भी सीएम अन्य विभागों के कार्यों की भी समीक्षा करेंगे. जिन विभाग के कामकाज की होनी है समीक्षा : पंचायती राज्य विभाग, अनुसूचित जनजाति अनुसूचित जाति अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, महिला बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग, कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, खान एवं भूतत्व विभाग, ऊर्जा विभाग, राजस्व निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग, कार्मिक प्रशासनिक सुधार तथा राजभाषा विभाग, स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, परिवहन विभाग, श्रम नियोजन प्रशिक्षण एवं कौशल विकास विभाग, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग.

राज्यभर की खबरों के लिए स्कैन करें

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रांची, रविवार 09 जून 2024 ● ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष 03 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ● वर्ष : 2, अंक : 61 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

आदित्यपुर : सरायकेला अंचल का गड़बड़झाला -जमीन फर्जी डीड मामले की मालगुजारी रसीद देर रात काटी

60 सालों से बकाया मालगुजारी एक साथ जमा, मामला पहुंचा डीसी दफ्तर

- जितेन्द्र गर्ग के नाम बनाया गया है डीड

संवाददाता। आदित्यपुर

सरायकेला जिले के मुड़िया पंचायत में भू-माफिया का फर्जीवाड़ा सामने आया है. भू-माफिया ने फर्जीवाड़ा करते हुए 5 एकड़ भूमि की फर्जी डीड तैयार कर रजिस्ट्री और म्यूटेशन करा लिया है. इस मामले में सरायकेला अंचल कार्यालय की भी संदिग्ध भूमिका सामने आई है. बताया जाता है कि शुक्रवार की देर रात अंचल कार्यालय में एक साथ 60 साल का बकाया जमीन के रेंट की रसीद काटी गई है. यह मामला जिस प्लॉट का है वह मुड़िया मौजा अंतर्गत खाता नंबर 63, प्लॉट संख्या 235, कुल रकवा 5 एकड़ 11 डिसमिल की है. इसे भू-माफिया ने सरायकेला रजिस्ट्री कार्यालय में दाखिल कर 9 अप्रैल को रजिस्ट्री करायी है. अब इस मामले में अंचल कार्यालय ने भी खेला किया है. दो दिन पूर्व देर रात 10 बजे उक्त जमीन का 60 वर्षों का गलत तरीके से बकाया मालगुजारी एक साथ एक रात में ही अंचल कार्यालय द्वारा काटकर जमा कर लिया गया है.

पांच एकड़ भूमि की फर्जी डीड तैयार कर कराई रजिस्ट्री व म्यूटेशन

डीसी कार्यालय शिकायत करने पहुंचीं अनिता देवी.

जमीन की रैयतदार अनीता देवी प्रतिवर्ष चुका रही है लगान

जमीन की रैयतदार अनीता देवी ने दावा किया है कि वह प्रतिवर्ष जमीन का रेंट लगान चुका रही है. इसके दस्तावेज भी उनके पास हैं. यह मामला पूर्व से ही सरायकेला डीसी के पास पहुंचा हुआ है. शनिवार को फिर गम्हरिया प्रखंड उप-प्रमुख कियाम हुसैन ने सरायकेला अंचल के गड़बड़झाला को डीसी के समक्ष उठाया है. रैयतदार अनीता देवी के माध्यम से डीसी को फिर से लिखित शिकायत की गई है. उसने बताया है कि जमीन माफियाओं ने फर्जी डीड, रेंट लगान तैयार कर जमीन का जितेंद्र गर्ग के नाम डीड तैयार करवाया है. इसमें रणजीत सिंह एवं कौशल अग्रवाल नामक दो व्यक्तियों को भी शामिल किया गया है. ये दोनों सहयोगी हैं. जमीन की रैयतदार अनीता देवी ने बताया कि उनकी बहनों ने मिलकर जमीन का नामांतरण अपने नाम करने का आवेदन अंचल कार्यालय सरायकेला में दिया है. जमीन माफियाओं द्वारा जबरन उनकी जमीन को अपने नाम पर फर्जी कागजात बनाकर किया जा रहा है.

इस जमीन पर लगने वाली है बड़ी फैक्ट्री, इसलिए हो रहा फर्जीवाड़ा

उन्होंने बताया कि इस भूखंड में पंजी 2 में इनके दादा स्वर्गीय जसवंत सिंह का नाम आज भी अंकित है. ये सभी बहनें मिलकर जमीन की मालगुजारी जमा कर रही हैं. इसके बावजूद फर्जीवाड़ा कर जमीन हड़पने का प्रयास किया जा रहा है. इधर इस मामले को लेकर गम्हरिया प्रखंड उप प्रमुख कियाम हुसैन ने सरायकेला अंचल अधिकारी प्रवीण कुमार सिंह पर जमीन दलालों के साथ मिलकर फर्जी दस्तावेज तैयार कर जमीन जबरन बेचने का आरोप लगाया है. इन्होंने कहा कि 60 साल की मालगुजारी रसीद एक रात में अचानक सीओ कार्यालय द्वारा काटकर जमा लिया गया है, जो पूरे राज्य भर में अपने आप में एक अनोखा मामला है. भूखंड पर एक बड़ी फैक्ट्री लगने वाली है, जिसके एवज में इस तरह का खेला किया जा रहा है.

संदिग्ध हालत में स्कूल में मिला शिक्षक का शव

संवाददाता। छतरपुर(पलामू)

छतरपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत तेलारी पंचायत स्थित नव प्राथमिक विद्यालय चुरवाही के प्रभारी सह सचिव जीतन सिंह का शौक संदिग्ध स्थिति में स्कूल परिसर से ही बरामद किया गया है. घटना की सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंचकर छानबीन में जुट गई है. बता दें कि मृतक जीतन सिंह का घर स्कूल से कुछ ही दूरी पर है, लेकिन वे पास स्थित अपने खेत की रखवाली को लेकर स्कूल में ही सोते थे.

ग्रामीणों के अनुसार शुक्रवार की रात जीतन सिंह खाना खाने के बाद स्कूल में सोने चले गए. पीछे से उनकी पत्नी वहां गईं तो देखा कि वे वहां नहीं हैं. काफी देर तक इंतजार करने के बाद पत्नी स्कूल में ही सो गईं. सुबह जब पत्नी उठीं तो देखा कि जीतन सिंह का शव स्कूल में संदिग्ध हालत में पड़ा हुआ है. पत्नी के रोने और चीखने की आवाज सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे तो देखा कि जतन सिंह का शव रस्सी के सहारे टंगा है. छतरपुर थाना प्रभारी राजेश रंजन ने बताया कि विद्यालय प्रभारी जीतन सिंह का शव स्कूल के बरामदे में पड़ा हुआ था. उन्होंने बताया कि प्रिंसिपल और उनकी पत्नी प्रतिदिन स्कूल में ही सोते थे. परिजनों ने फिलहाल किसी पर शक जाहिर नहीं किया है. पुलिस सभी बिंदुओं की जांच कर रही है. तरह-तरह की चर्चा है.

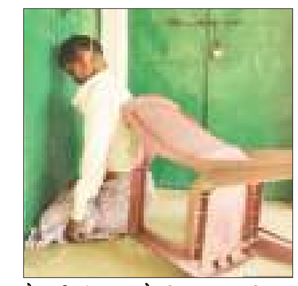

तेलारी पंचायत के विद्यालय परिसर में बरामद शिक्षक का शव.

आचार संहिता के खत्म होने के बाद अफसरों की संपत्ति का विवरण हुआ जारी

झारखंड कैडर के आईएएस अफसरों के पास करोड़ों के फ्लैट और जमीन

- पेट्रोल पंप से लेकर धन संपत्ति से 17 लाख रुपये तक का सालाना इनकम
- सचिव रैंक के दो और डीसी रैंक के 11 अफसरों के पास कोई संपत्ति नहीं

रवि भारती/ प्रवीण कुमार। रांची

झारखंड कैडर के अफसरों के पास करोड़ों के फ्लैट और जमीन है. पेट्रोल पंप से लेकर धन संपत्ति से सालाना इनकम 17 लाख रुपये तक की है. आचार संहिता समाप्त होने के बाद आईएएस अफसरों की संपत्ति का विवरण जारी किया गया है. इसमें खास बात यह है कि सचिव रैंक के दो और डीसी रैंक के 11 अफसरों के पास कोई संपत्ति नहीं है. अब तक 142 अफसरों ने कार्मिक को संपत्ति का ब्योरा सौंपा है. अफसरों की धन संपत्ति देश के कोने-कोने में है. मिजोरम, राजस्थान, देहरादून, पश्चमबंगाल, बिहार, राजस्थान, कर्नाटक सहित अन्य राज्य में इन्होंने धन सपत्ति बनाई है.

गिरिडीह, धनबाद, बोकारो सहित 11 डीसी रैंक के अफसरों के पास संपत्ति नहीं : गिरिडीह, धनबाद, बोकारो सहित 11 डीसी रैंक के अफसरों के पास कोई संपत्ति नहीं है. इमनें से नमन प्रियेश लकड़ा, माधवी मिश्रा,जाधव विजया नारायण राव, अंजली यादव, अनन्य मित्तल, वरूण रंजन, नैंसी सहाय, भोर सिंह यादव, आदित्य कुमार आनंद, नेहा अरोड़ा और अबु इमरान शामिल हैं. वहीं सचिव रैंक के दो अफसर के श्रीनिवासन और राजेश सिंह के पास कोई संपत्ति नहीं है.

47 आईएएस अफसरों के पास कोई संपत्ति नहीं : झारखंड कैडर के 47 आईएएस अफसरों के पास कोई धन संपत्ति नहीं है. इनमें केश्रीनिवासन, राजेश सिंह, लोकेश बारंगे, अर्नव मिश्रा, अभिनव प्रकाश,सुलोचना मीणा, प्रांजल, दीपेश कुमारी, कृष्णाकांत, उत्कर्ष कुमार, सन्नी राज, ओमप्रकाश गुप्ता, अनिमेष रंजन, शताब्दी मजूमदार, सरीना हांसदा,रवि जैन, पियुष सिन्हा, अनिकेत संचन, आशीष अग्रवाल, सौरभ कुमार, संदीप मीणा व अन्य शामिल हैं.

एन एन सिन्हा
- पटना, लोहिया नगर में फ्लैट, कीमत- 6,64270, सालाना इनकम 1.20 लाख
- **रांची सांगा में 18 डिसमिल जमीन, कीमत 8 .51 लाख**
- कांके तुडहुली में 97 डिसमिल जमीन, कीमत, 305000 रुपये
- **रांची बोड़या में 2880 वर्गफीट जमीन, कीमत 8 .51 लाख**
- रांची ओन्या में फ्लैट, कीमत 22 .45 लाख
- **यूपी, खजूरा में जमीन 1.545 हेक्टेयर, कीमत 74 लाख**
- गौतमबुद्धानगर, यूपी में घर, कीमत1 .40 करोड़

अलका तिवारी
- फतेहपुर में कृषि जमीन 1.44 हेक्टेयर, कीमत 15 लाख
- **नोएडा में 416 वर्गमीटर में घर, कीमत 16 .50 लाख**
- रांची सांगा में 724 मीटर जमीन, कीमत 67 हजार
- **देहरादून में 800 यार्ड में घर**

एल खियांग्यते
- मिजोरम आइजॉल में 1150 वर्ग मीटर में घर,कीमत एक करोड़ 10 लाख पांच हजार रुपये
- **मिजोरम आइजॉल में 225 .15 वर्ग मीटर में घर, कीमत 14,43,500 रुपये**
- मिजोरम आइजॉल में 225 .15 वर्गमीटर में घर, कीमत, 27,70,500 रुपये

एमएस भाटिया
- हरियाणा, पंचकुला में 180 वर्गमीटर जमीन, कीमत 1.40 करोड़,
- **कांके रांची में 7820 वर्गफीट जमीन, कीमत 1,94,500 रुपये**
- हरियाणा पंचकुला में 293 .75 वर्गमीटर का फ्लैट, कीमत 2 .50 करोड़

सुनील वर्णवाल
- नोएडा में 500 वर्गमीटर में घर, कीमत 34,08,125 रुपये
- **रांची कांके में 7820 वर्गफीट जमीन**
- खेल गांव होटवार में फ्लैट,
- खूंटी में 58 डिसमिल जमीन

अधारना पटनायक
- कांके में 7820 वर्गफीट जमीन,कीमत 11,66,976 रुपये
- **बरियातू रांची में घर, 1766 वर्गफीट, 75,48,812 रुपए, सालाना इनकम 35 हजार रुपये**
- पुडूचेरी में 1200 वर्गमीटर में घर, कीमत 15 लाख रुपये

राहुल पुरवार
- शिकारपुर, नॉर्थ परगना, 2450 वर्गफीट में घर
- **गुड़गांव में 1165 वर्गफीट जमीन**
- **बांदा में कृषि भूमि 2 .78 हेक्टेयर**
- रांची सांगा में 7820 वर्गफीट जमीन

सुनील कुमार
- रांची में जमीन कीमत 2,07,000 रुपये
- **रांची में घर, कीमत, 2 करोड़23 लाख 60 हजार रुपये (लोन लेकर बनाया)**
- हजारीबाज में पेट्रोल पंप, कीमत- 2 करोड़, 37 लाख 12 हजार रुपये
- **कानपुर में घर, कीमत, 11,45,000 रुपये**

निधि खरे
- यूपी के गौतम बुद्धानगर में 2000 वर्गफीट जमीन, कीमत एक करोड़ 19 लाख
- **रांचा में घर, 343,74 वर्गमीटर, कीमत एक करोड़**
- रांची में जमीन 7820 वर्गफीट, कीमत 9 .19 लाख

सुरेंद्र सिंह
- राजस्थान अलवार में दो बीघा 19 विश्वा जमीन, पिता से गिफ्ट
- अलवार राजस्थान में दो बीघा पांच विश्वा जमीन, पिता से गिफ्ट
- **रांची कांके में फ्लैट, 2619 वर्गफीट, कीमत 23,57,100 रुपए**

अजय सिंह
- 7883 वर्गफीट जमीन, कीमत 2 .10 लाख

नितिन मदन कुलकर्णी
- अरगोड़ा रांची में घर, कीमत 70 लाख रुपये
- **अशोक नगर में घर, कीमत, एक करोड़ रुपए, पत्नी के नाम**

मस्त राम मीणा
- जयपुर में 400 वर्गयाद जमीन, कीमत 30 लाख रुपये, पत्नी के नाम
- **बुंदी में 2 .27 हेक्टेयर जमीन, कीमत 7 .50 लाख, पत्नी के नाम**
- नई दिल्ली द्वारका में फ्लैट, कीमत 2 करोड़,41 लाख 60 हजार 136 रुपये, पत्नी के नाम, सालाना इनकम 17 लाख रुपये

वंदना दादेल
- बरियातू रांची में घर, 700 वर्गफीट, कीमत 1 .55 करोड़, पति के नाम
- **खेल गांव होटवार में 1600 वर्गफीट का फ्लैट, कीमत 28,79,800 रुपये, सालाना इनकम 1.92 लाख**

विनय चौबे
- कांके में जमीन-7820 वर्गफीट
- **इंद्रपूरी, पटना में फ्लैट, 1121 वर्गफीट, कीमत 60 लाख रुपये**

मनोज कुमार
- रांची पुंदाग में घर, कीमत 1 .2 करोड़ पत्नी के नाम,3 .3 लाख सालाना इनकम
- **अशोक नगर में जमीन, कीमत 2 .6 करोड़, 9 .24 लाख** सालाना इनकम
- पटना दानापुर में फ्लैट, कीमत 65 .62 लाख, सालाना इनकम 4 .80 लाख

मंजूनाथ भजंत्री
- कर्नाटक में घर, कीमत 95 लाख, सालाना इनकम 2,4 लाख
- **रांची पिठोरिया में फ्लैट, कीमत 48 .69 लाख**
- कर्नाटक में जमीन, कीमत 2 .35 करोड़, पत्नी के नाम

राहुल कुमार सिन्हा
- अशोक नगर में थ्री बीएचके फ्लैट, कीमत 95 .80 लाख, पत्नी के नाम

पॉक्सो के 2.4 लाख मुकदमे लंबित

बाल विवाह व दुष्कर्म मामले में 49 वर्षीय मुजरिम को 10 साल की सजा

- दिल्ली की विशेष पॉक्सो अदालत ने दोषी को 10 साल का सश्रम कारावास व पीड़िता को 10 .5 लाख रुपये के मुआवजे का फैसला सुनाया

रिजवान शम्स। धनबाद

दिल्ली की एक विशेष पॉक्सो अदालत ने 13 वर्ष की बच्ची से बाल विवाह और बलात्कार के मामले में 49 वर्षीय आरोपी को 10 साल के सश्रम कारावास और पीड़िता को 10.5 लाख रुपए के मुआवजे का आदेश दिया है. इसके बाद देश में पॉक्सो के तहत लंबित 2.4 लाख मामलों को तेजी से निपटाने और इसी तरह के कड़े फैसलों की उम्मीद जगी है. गैरसरकारी संगठनों ने इस फैसले पर खुशी जताते हुए पूरे देश में इसी तरह के सख्त फैसलों की अपील की है.

दिल्ली की तीस हजारी की विशेष पोक्सो अदालत ने 13 साल की एक नाबालिग बच्ची से विवाह के मामले में शुक्रवार को ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए 49 वर्षीय आरोपी को बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 (पीसीएमए), बलात्कार व पॉक्सो की धाराओं के तहत दोषी ठहराते हुए दस साल के सश्रम कारावास और 15 हजार रुपए के जुर्माने की सजा सुनाई. साथ ही अदालत ने पीड़िता को 10.5 लाख रुपए का मुआवजा देने का भी आदेश दिया है. झारखंड ग्रामीण ट्रस्ट के अध्यक्ष शंकर रवानी ने फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि बाल विवाह के मामले में यह ऐतिहासिक फैसला समाज में कानूनों की अवहेलना के प्रति डर का भाव सुनिश्चित करेगा.

हम पूरे देश की अदालतों से अपील करते हैं कि वे बाल विवाह और बलात्कार के मामलों के निपटारे में तेजी लाएं और जघन्य अपराधों के दोषियों को सजा दें. हालांकि हम राज्य सरकारों के साथ समन्वय और हरसंभव सहयोग कर रहे हैं और सरकार व प्रशासन बाल विवाह के खिलाफ जमीनी स्तर पर जागरूकता अभियान और बाल विवाह करने वाले अभिभावकों को समझाने-बुझाने के प्रयासों में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं, फिर भी अपराधियों को सख्त सजा देने वाले इस तरह के फैसलों से एक मजबूत और प्रभावी संदेश जाता है.

धनबाद में पॉक्सो में लगातार सजाएं

धनबाद में पॉक्सो के न्यायाधीश प्रभाकर सिंह भी इस मामले में सख्त हैं. पॉक्सो के मुकदमे में इनकी कोर्ट से लगातार सजाएं हो रही है. सजा के साथ-साथ जुर्माना भी लगाया जा रहा है. पिछले छह माह में शायद ही कोई दिन ऐसा गुजरा होगा कि उन्होंने पॉक्सो के मामले में सजा नहीं सुनाई होगी. उन्होंने नाबालिग का अपहरण व दुराचार करने के मामले में न सिर्फ आरोपी बल्कि उसे सपोर्ट करने वाली महिला को भी उम्रकैद की सजा सुनाई है. इसी सप्ताह धनबाद की अदालत ने ये फैसला दिया है. धड़ाधड़ सजाओं के कारण हाल ये है कि धनबाद के अधिवक्ता अब पॉक्सो का मुकदमा लड़ने से भी परहेज करने लगे हैं.

22 राज्यों में बाल विवाह के खिलाफ अभियान

बाल विवाह के खात्मे के लिए 2022 में शुरू हुए बाल विवाह मुक्त भारत अभियान ने तब से अपनी पहुंच, प्रभाव और सहयोगियों के नेटवर्क में उल्लेखनीय विस्तार किया है.पिछले वर्ष तक इस अभियान के 17 राज्यों में 161 गठबंधन सहयोगी थे. जो अब बढ़कर 200 हो गए हैं और अभियान देश के 22 राज्यों तक पहुंच गया है.

पावर प्लांटों को डस्ट-चारकोल मिलाकर भेजा जा रहा कोयला

- पुलिस मुख्यालय की टीम ने दुग्धा साइडिंग पर की थी 29 अप्रैल को छापेमारी.
- कोयला जब्त कर जांच के लिए भेजा गया. खबर दबाने की पुरजोर कोशिश की गयी

संवाददाता ।धनबाद

झारखंड में स्थित रेलवे कोल साइडिंग से पावर प्लांटों को कोयला भेजा जाता है. इस कोयले में बड़े पैमाने पर डस्ट, चारकोल व पत्थर मिलाकर रेलवे रैक के जरिए पावर प्लांटों में पहुंचा दिया जाता है. यह काम सालों से चल रहा है.

अमूमन हर कोल ट्रांसपोर्टर इस अवैध धंधे में शामिल है. स्थानीय पुलिस, रेल पुलिस या दूसरी एजेंसियां आंख बंद किए रहती हैं.गड़बड़ी की सूचना मिलने पर 28 अप्रैल को पुलिस मुख्यालय की टीम ने बोकारो के दुग्धा रेलवे साइडिंग पर छापामारी की. 29 अप्रैल को दुग्धा थाना में कांड संख्य-23/2024 दर्ज किया गया. पुलिस ने जब्त कोयले के नमूने को जांच के लिए भेजा है. यह खबर कम लोगों को ही पता चल सकी, अखबारों में खबरें छपी. जानकारी के मुताबिक कोयला कंपनियां सब्सिडी पर पावर प्लांटों को कोयला उपलब्ध कराती है. पावर प्लांट खुद कोयला ट्रांसपोर्ट नहीं करते. ये कंपनियों को आउटसोर्स कर दिया जाता है. रेड के बाद दोनों कंपनियों के मालिकों पर केस दर्ज हुआ है. सूत्रों से पता चला है कि मामले में कोई कठोर कार्रवाई ना हो और मिलावटखोरी का धंधा चलता रहे, इसके लिए शीर्ष स्तर पर मैनेज करने की कोशिश जारी है. कोयला कंपनियां अच्छी क्वालिटी का कोयला पावर प्लांटों को देती हैं ताकि ज्यादा बिजली पैदा हो और धुआं कम निकले. लेकिन ट्रांसपोर्ट करने वाली कंपनियां रेलवे साइडिंग पर अच्छी क्वालिटी के कोयले में डस्ट, चारकोल या पत्थर मिला देती हैं.

मिसाल 702 अंक लाकर सफलता की ऊंचाइयों को छुआ, एक साल की थी, तभी सिर से पिता का साया उठ गया था

मां की हिम्मत व खुद की मेहनत से हजारीबाग की हेमा ने नीट में किया कमाल

आकर्ष अनिकेत। रांची

नीट 2024 में हजारीबाग की हेमा मेहता ने 720 में 702 अंक प्राप्त कर सफलता हासिल की. खुद की मेहनत के साथ-साथ मां वीणा मेहता की हिम्मत से हेमा ने सफलता की इस ऊंचाई को छुआ. हेमा जब एक साल की दुधमुंही बच्ची थी, तभी उसके सिर से पिता का साया उठ गया.

मां के कंधों पर दो बच्चियों की परवरिश की जिम्मेवारी आ गयी. लेकिन वीणा भी ज्यादा पढ़ी-लिखी नहीं थीं. लेकिन बच्चियों के लालन-पालन के लिए कुछ तो करना ही था. पति के निधन के बाद उन्होंने हिम्मत नहीं हारीं. खुद पढ़ाई करने के साथ दोनों बेटियों को पढ़ाने की ठानी. ससुरालवालों से बहुत सपोर्ट नहीं मिला, लेकिन पिता बिरजू प्रसाद ने साथ दिया. पिता खुद भी शिक्षक थे. उन्होंने वीणा का हौसला बढ़ाया. दोनों बेटियों को अच्छी शिक्षा मिले, इसलिए वीणा ने भी मेहनत कर पिता की देखरेख में पढ़ाई शुरू की. उसे समाज और ससुरालवालों से ताने भी सुनने पड़े, लेकिन वे हिम्मत नहीं हारीं. वीणा ने पहले मैट्रिक की परीक्षा पास की, फिर इंटरमीडिएट और स्नातक की पढ़ाई की. फिर आंगनबाड़ी सेविका के रूप में काम कर दोनों बेटियों हेमा और अनुराधा को पढ़ा लिखा कर डॉक्टर बनाया.

मां वीणा ने खुद पढ़ाई की और दोनों बेटियों को बनाया डॉक्टर

लक्ष्य तय कर आगे बढ़ें, तो सफलता कदम चूमती है

हेमा बताती हैं कि उसकी इस सफलता में गोल इंस्टीट्यूट में मिला पारिवारिक माहौल का बड़ा योगदान है. कहती है कि लक्ष्य तय कर आगे बढ़ें, तो सफलता कदम चूमती है. वैसे गोल इंस्टीट्यूट के शिक्षकों के साथ ही साथ वे अपनी इस सफलता का श्रेय मां वीणा मेहता और नाना बिरजू प्रसाद को भी देती हैं, जिनके संघर्ष की वजह से वह सफल हो सकीं.

पांचवीं में थी, तो स्कॉलरशिप मिली, देहरादून से 12वीं की परीक्षा पास की

हेमा बताती हैं कि मां वीणा के सपनों को साकार करने के लिए उन्होंने भी खूब मेहनत की. जब पांचवीं क्लास में थीं, तो स्कॉलरशिप मिली और वे पढ़ाई के लिए देहरादून चलीं गईं. देहरादून से ही 12वीं की परीक्षा 94 प्रतिशत अंक से पास कर मेडिकल की तैयारी में पूरी तरह जुट गईं. बताती हैं कि दीदी अनुराधा मेहता ने 2022 में ही नीट क्वालीफाई कर लिया था. दीदी को रिम्स में दाखिला मिल गया था. इससे उसका भी उत्साह बढ़ा. हेमा बताती हैं कि उसने भी तय किया कि चाहे कुछ भी हो जाए, सरकारी मेडिकल कॉलेज में ही एडमिशन लेना है. इसी सोच के साथ तैयारी की और परिणाम सामने है.

दोनों बेटियों ने दिखाया जज्बा

वीणा मेहता बताती हैं कि यदि कोई लक्ष्य तय कर से हासिल करने की ठान ले, तो सफलता कदम चूमती है. समाज का ताना सुना, पर वे मेहनत करती रहीं. दोनों बेटियों को डॉक्टर बनाने का लक्ष्य तय किया. लेकिन इसके लिए खुद पर पढ़ा-लिखा होना जरूरी था. सो उन्होंने भी पढ़ाई शुरू की. खुद पढ़ीं और बेटियों को भी पढ़ाया. कहती हैं बेटियों को नाना और ननिहाल से भी पूरा समर्थन मिला. उन्होंने दोनों बेटियों को बचपन में ही बताया दिया था कि वे दोनों को डॉक्टर बनाना चाहती हैं. दोनों बेटियों ने भी मां की इच्छा के अनुरूप लक्ष्य तय करने के लिए नीट क्वालिफाई करने की ठानी और उसके अनुसार ही तैयारी में जुट गईं. हेमा व अनुराधा को पढ़ाई के सिलसिले में कहीं आना-जाना होता था, तो नाना और मामा का साथ मिलता था.

निर्माणाधीन अपार्टमेंट से गिरकर गार्ड की मौत

नामकुम। नामकुम में निर्माणाधीन एक अपार्टमेंट से गिरने से शनिवार को पलामू जिले के गार्ड पुरुषोत्तम तिवारी की मौत हो गई. वह वीएसएफ सिक्योरिटी कंपनी में नौकरी करते थे. वह अपार्टमेंट के सबसे ऊपरी माले की छत पर सो हुए थे. तभी यह हादसा हुआ. उनके परिजनों ने मामले को संदेहास्पद बताया है. वहीं, हीं बिल्डर और पुलिस हादसा मान रहे हैं. नामकुम थाना प्रभारी ब्रह्मदेव प्रसाद ने बताया कि शुरुआती जांच में पता चला है कि सोते समय असंतुलित होने से वह नीचे गिरे और मौत हो गई. थाना प्रभारी ने बताया कि सुलोचना कृपा गार्डन के ऊपरी माले की छत की घेराबंदी नहीं थी. हालांकि जांच जारी है. वहीं, हीं पुलिस की सूचना पर परिजन रिम्स पहुंच गए.

ब्रीफ खबरें

बढ़ती गर्मी के कारण 17 तक विद्यालय बंद

गढ़वा। जिला पब्लिक स्कूल समन्वय समिति की बैठक शनिवार को आरकेवीएस संस्थान में आयोजित की गई. बैठक में बच्चों के स्वास्थ्य एवं बढ़ती गर्मी के मद्देनजर सर्वसम्मति से जूनियर सेक्शन कक्षा नर्सरी से लेकर कक्षा 5वीं तक अध्यापन कार्य 17 जून तक स्थगित करने का निर्णय लिया गया. समिति के अध्यक्ष अलखनाथ पांडेय ने बताया कि कक्षा छठी से 12वीं तक निर्धारित तिथि 10 जून (सोमवार) से अध्यापन कार्य संचालित होगा. सभी विद्यालय का अध्यापन कार्य सुबह 6::30 से पूर्वाह्न 10 बजे तक होगा. बैठक में अभिभावकों से अपील की गई है .

विद्यालयों में छुट्टी की अवधि बढ़ाने की मांग

मेदिनीनगर। झारखंड राज्य सहयोगी शिक्षक संघ ने झारखंड के विद्यालयों में छुट्टी की अवधि बढ़ाने की मांग की है. संघ के प्रदेश अध्यक्ष विनोद तिवारी ने सीएम चंपाई सोरेन, शिक्षा सचिव व परियोजना निदेशक से एक सप्ताह के लिए विद्यालय में छुट्टी बढ़ाने का अनुरोध किया है. जारी प्रेस बयान में श्री तिवारी ने कहा है कि गर्मी छुट्टी के बाद विद्यालय खुल गया है और प्रतिदिन शिक्षक तथा बच्चों को विद्यालय आना जाना है. पलामू, गढ़वा व लातेहार जिला समेत झारखंड के कई जिले हीट वेव की चपेट में है.

जेठ ने छोटे भाई की पत्नी के साथ की मारपीट

मझिआंव। बरडीहा थाना क्षेत्र के वरछाबांध गांव में डायन बिसाही का आरोप लगाकर भसुर ने भवह की जमकर पिटाई कर दी. जिसमे बरछा बांध गांव निवासी बुद्धि यादव के 45 वर्षीय पत्नी लालती देवी बुरी तरह घायल हो गई. जिसके बाद परिजनों ने घायलावस्था में लालती देवी को मझिआंव रेफरल अस्पताल लाया. जहां से महिला के पैर के अलावे शरीर की अन्य अंगों में गंभीर चोट को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए गढ़वा सदर अस्पताल रेफर कर दिया. घटना के संबंध में घायल लालती ने बताई कि मेरे भसुर विक्रमा यादव के बैल का तबियत पिछले लगभग दो माह पहले से खराब था.

डीडीसी से पंचायत सचिव को प्रभार दिलाने की मांग

भवनाथपुर। प्रखंड के मकरी पंचायत के मुखिया सरिता देवी ने उप विकास आयुक्त को आवेदन देकर पंचायत सचिव को प्रभार दिलाने की मांग की है. मुखिया ने दिए आवेदन में उल्लेख किया है कि महीना पूर्व भवनाथपुर प्रखण्ड अंतर्गत मकरी पंचायत के पंचायत सचिव भुनेश्वर सिंह का स्थानांतरण हो गया है. स्थानांतरण उपरान्त वर्तमान पंचायत सचिव को प्रभार नहीं देने से पंचायत स्तरीय सभी विकास कार्य प्रभावित हो रहा है. साथ ही 15वीं वित्त से दर्जनों कार्य कराया गया है जिसका भुगतान नहीं होने से आगे का कार्य काफी प्रभावित है.

लोगों के मनोरंजन के लिए नगर निगम ने की व्यवस्था

मेदिनीनगर। टी-20 वर्ल्ड कप 2024 के तहत रविवार को शाम 8 बजे से भारत व पाकिस्तान के बीच क्रिकेट मैच खेला जाएगा.मेदिनीनगरवासी भारत-पाकिस्तान के इस मैच का भरपूर आनंद ले सकें इसे लेकर मेदिनीनगर नगर निगम व जिला प्रशासन न्यू टाउन हॉल में बड़े स्क्रीन पर लाइव मैच देखने की व्यवस्था की है. सभी क्रिकेट फैंस इस मैच को देखने आ सकते हैं. पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर 250 पास का भी वितरण.किया जायेगा. वहीं 100 रुपये के शुल्क पर कॉम्प्लिमेंटरी ड्रिंक्स भी उपलब्ध रहेंगे.

गारू प्रखंड की छह पंचायतों में लगे 60 से अधिक सोलर जलमीनार हुई बेकार,लोग परेशान

हर घर जल-नल योजना फेल, पेयजल के लिए भटक रहे लोग

उमेश यादव। गारू (लातेहार)

गारू प्रखंड में हर घर नल-जल योजना फेल हो गयी है. इस गर्मी में लोगों को पेयजल नहीं मिल पा रहा है. प्रखंड की छह पंचायत में 60 से अधिक सोलर जलमीनार बेकार हो गया है. कहीं सोलर जलमीनार लगाया गया है तो पाइप लाइन नहीं बिछाया गया है.

कहीं पाइप लाइन बिछाया गया तो लोगों को पानी मयस्सर नहीं हो पा रहा है. वहीं ग्रामीणों के अनुमति बगैर उनक खेतों में छह इंच से भी कम गहराई में पाइप लाइन बिछा दिया गया है. इस कारण किसानों को हल चलाने में भी काफी परेशानी हो रही है. ग्रामीण क्षेत्रों में पहले से

खराब जलमीनार और चापानल.

लगा दर्जनों चापानल ख़राब हो चुका है.

ग्रामीणों नें बताया की इस वर्ष अभी तक कोई भी मिस्त्री चापानल बनाने नहीं आया है. तापमान में लगातार वृद्धि से जल स्तर काफी नीचे चला गया है. कई बार पंप करने के बाद चापाकलों में पानी आ रहा है. वह भी एक आध बाल्टी पानी दे कर हांपने लग रहा है.

क्या कहती हैं जिप सदस्य

जिला परिषद सदस्य जीरा देवी नें कहा की पेजयल आपूर्ति के प्रति अधिकारियों की उदासीनता की मार प्रखंड वासी झेल रहे हैं. संबंधित विभाग के अधिकारी मुखिया और पंचायत सचिव से आंकड़ा प्राप्त कर पानी टंकी और चापाकल की मरम्मत करायें. हालांकि पूर्व में खराब चापाकल व जलमीनार की सूची भेजी जा चुकी है.

ग्रामीणों ने कहा

चापाकल ख़राब होने पर ग्रामीणों नें कहा कि प्रत्येक वर्ष पेयजल एवं स्वच्छता विभाग द्वारा चापाकलों की गर्मियों में मरम्मत कराया जाता था, लेकिन इस वर्ष नहीं हुआ है.

क्या कहते हैं अधिकारी

पेयजल व स्वच्छता विभाग के कार्यपालक अभियंता दीपक महतो ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में खराब पड़े सोलर जलमीनार एवं चापाकलों की सूची मंगा कर उसे दुरूस्त कराया जा रहा है.

मोटर दुर्घटना मामले के विशेष लोक अदालत का आयोजन

वाद निष्पादन का सबसे सुगम मार्ग है लोक अदालत: पीडीजे

संवाददाता। लातेहार

झारखंड विधिक सेवा प्राधिकार के आदेशानुसार एवं जिला के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश मनोज कुमार सिंह के मार्गदर्शन में व्यावहार न्यायालय लातेहार में विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया. इस लोक अदालत में मोटर दुर्घटना दावा वाद से संबंधित वादों का निपटारा किया गया. कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने कहा कि वादों के निपटारा के लिए सबसे सुगम मार्ग है लोक अदालत है.

उन्होंने कहा कि लोक अदालत आपसी सुलह या बातचीत की एक प्रणाली है. यह एक ऐसा मंच है जहां अदालत में लंबित मामलों, विवादों या जो मुकदमेबाजी से पहले के चरण में हैं, उन दो पक्षों में समझौता किया जाता है या सौहार्दपूर्ण तरीके से निपटाया जाता है. उन्होंने बताया कि लोक अदालत में कोई न्यायालय शुल्क नहीं लगता है और यदि न्यायालय शुल्क का भुगतान पहले ही कर दिया गया है तो लोक अदालत में विवाद का निपटारा होने पर राशि वापस कर दी जाती है.

उन्होंने लोक अदालत के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा वादों का निपटारा करने की अपील की. इस मौके पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव शिवम चौरसिया, एसडीजेएक प्रणव कुमार, और अधिवक्ता बिरसा मुंडा सहित बार एसोसिएशन लातेहार के सदस्य, व्यवहार न्यायालय के कर्मचारीगण, एलएडीसी सहायक दीपक कुमार मिश्रा, राहुल कुमार एवं पीएलवी के सदस्य मौजूद थे।

25 लाख 50 हजार रुपये का हुआ सेटलमेंट

लोक अदालत में शामिल जज व अन्य लोग.

खास बातें

- लोक अदालत न्याय का सुगम साधन है इसका लाभ उठायें
- कोई न्यायालय शुल्क लोक अदालत में नहीं लगता है
- विवाद का निपटारा होने पर राशि वापस कर दी जाती है

एक करोड़ 49 लाख 82 हजार 600 रुपये के मामले सेटल

विशेष लोक अदालत में 21 मामलों का निबटारा हुआ

मेदिनीनगर। झालसा के निर्देश पर आठ जून को पलामू जिला व्यवहार न्यायालय परिसर में एमएसीटी केस के निस्तारण को लेकर विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया.

मामले निस्तारण को लेकर जिला व अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश चतुर्थ अभिमन्यु कुमार व अधिवक्ता कुमार शिवाजी सिंह की पीठ ने सुलह समझौता के आधार पर कुल 21 मामले का निस्तारण किया. वहीं एक करोड़ 49 लाख 82 हजार 600 रुपये के मामला सेटल हुआ. जिला व अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश प्रथम विनोद कुमार सिंह के कोर्ट में चल रहे एमएसीसी 40/2018 में नीलू देवी को 12 लाख 83 हजार 155 रुपये का चेक व जिला व अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश द्वितीय अखिलेश कुमार की अदालत में चल रहे एमएसीसी 23/2017 में मीणा देवी को छह लाख तीन हजार 922 रुपये का चेक पीडीजे नीरज कुमार श्रीवास्तव ने दिया. मौके पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार के प्रभारी सचिव आनंद सिंह, रजिस्ट्रार कमल प्रकाश आदि शामिल थे.

लोक अदालत में चेक सौंपते जज व अन्य लोग.

शिक्षण संस्थानों के सौ मीटर के दायरे में धारा 144 लागू

मेदिनीनगर। पलामू उपायुक्त शशि रंजन के निर्देश पर सदर एसडीओ अनुराग कुमार तिवारी ने युवाओं को नशे की लत से बचाने और पलामू जिले के स्कूलों समेत सभी शैक्षणिक संस्थानों के 100 मीटर के दायरे में धारा 144 लागू किया है. यह निषेधाज्ञा दिनांक 07 जून 2024 के पूर्वाह्न 06 बजे से अगले 60 दिनों तक के लिए प्रभावी रहेगा. यह निर्देश राज्य सरकार से मिली गाइडलाइन के आलोक में दिया गया है. इस आदेश के साथ ही जिले के सभी सरकारी, गैर सरकारी स्कूल-कॉलेजों में मादक पदार्थों के इस्तेमाल पर रोक के लिए जागरुकता अभियान चलाने का भी निर्देश दिया गया है. इसकी रोकथाम के लिए जिले के सभी शैक्षणिक संस्थानों के 100 गज की परिधि में धारा 144 लगाने के आदेश पर एसडीओ ने कोटपा एक्ट के कंडिका-06 में वर्णित निषेधाज्ञा के तहत यह आदेश जारी करते हुए कहा कि कोई भी व्यक्ति सिगरेट या अन्य तम्बाकू उत्पाद नहीं बेचेगा या बिक्री के लिए पेश नहीं करेगा.

हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर में कर्मी की प्रतिनियुक्ति

भवनाथपुर। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा बहाल करने के उद्देश्य से हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर में कर्मी की प्रतिनियुक्ति की है. हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर अरंगी में एएनएम सविता कुमारी, बंखेता में एएनएम सरोज देवी, एमपीडब्लू पिंटू कुमार गुप्ता, मकरी में सीएचओ इंद्रकिशोर विश्वकर्मा, एएनएम सीमा कुमारी, एमपीडब्लू उपेंद्र साह, बिजडीह में एएनएम राजकुमारी, कधवन में सीएचओ विपिन कुमार शर्मा, खरौंधी में सीएचओ रेणु बैजंती खलखो, हरिहरपुर में सीएचओ कमल सिंह सैनी, कैलान में सीएचओ अंकित कुमार त्रिवेदी, एमपीडब्लू मनोज राम, एएनएम मीना कुमारी, रोहिनियां में सीएचओ जितेंद्र कुमार वर्मा, एमपीडब्लू सत्यनारायण सिंह, एएनएम सुषमा कुमारी आदि शामिल थे.

न्यूज अपडेट

विद्यालय का समय परिवर्तित करने की मांग

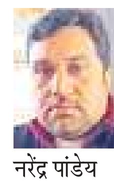

नरेंद्र पांडेय

लातेहार। माध्यमिक शिक्षक संघ, लातेहार ने जिले के सरकारी स्कूलों का समय परिवर्तित करने की मांग की है. संघ के अध्यक्ष नरेंद्र पांडेय ने बताया कि ग्रीष्म अवकाश के बाद विद्यालय खुल गए हैं, लेकिन विद्यालयों का समय सुबह 7:00 से अपराह्न 1:00 बजे तक रखा गया है.श्री पांडेय ने कहा कि अभी भी गर्मी और लू का प्रकोप जारी है. ऐसे में विद्यालयों में समय परिवर्तन करने की आवश्यकता है. श्री पांडेय ने उपायुक्त एवं जिला शिक्षा पदाधिकारी से विद्यालयों का समय प्रातः 6:30 बजे से पूर्वाह्न 11:30 बजे तक करने की मांग की है. उन्होंने कहा कि अपराह्न 1:00 बजे छुट्टी होने से छात्रों को इस भीषण गर्मी में अपने-अपने घरों में जाने में परेशानी हो रही है.

पलामू डालसा ने कराया पानी व ओआरएस का वितरण

वितरित पानी और ओआरएस घोल

मेदिनीनगर। पलामू मैं इन दोनों काफी गर्मी पड़ रही है. हीट वेव के कारण लोग परेशान हैं. इस बीच भीषण गर्मी को देखते हुए प्रधान जिला व सत्र न्यायाधीश नीरज कुमार श्रीवास्तव के निर्देश पर पलामू डालसा की टीम ने शनिवार को सदिक चौक, स्टेशन रोड, अस्पताल चौक, बस पड़ाव, रेलवे स्टेशन आदि क्षेत्र में राहगीरों के बीच पानी और ओआरएस का वितरण किया. मौके पर पीएलवी मुनेश्वर राम व भागीरथी दुबे ने लोगों को शुद्ध पानी व ओआरएस के पैकेट दिया. पलामू जिला विधिक सेवा प्राधिकार के प्रभारी सचिव सह सीजेएम आनंद सिंह ने बताया कि पलामू में काफी गर्मी पड़ रही है.

आज सम्मानित किये जाएंगे उर्दू के छात्र

बालूमाथ (लातेहार)। मौलाना डॉ इकबाल नैयर कासमी की स्मृति में 2024 में मैट्रिक और इंटरमीडिएट की परीक्षा में सफल छात्रों को रविवार को होटल कजारिया में सम्मानित किया जायेगा. लातेहार जिला के वैसे सफल छात्र जिनका मैट्रिक या इंटरमीडिएट मे उर्दू विषय में 60 प्रतिशत या उससे अधिक अंक आया हो उन्हें छात्रों को अंजुमन फरोग़-ए-उर्दू के द्वारा सम्मानित किया जाएगा. जानकारी देते हुए अंजुमन फरोग़-ए-उर्दू बलूमाथ के इंचार्ज हाफिज अल्फातेह इक़बाल ने बताया कि प्रतिभा सम्मान समारोह में राज्य के प्रतिष्ठित उर्दू अदब के विद्वान भाग लेगें और उनके द्वारा छात्रों का करियर काउंसलिंग किया जायेगा. उन्होंने जिले के उर्दू तहजीब के चाहने वालों से रविवार के कार्यक्रम में शिरकत की भी गुज़ारिश की है.

कुटुदेरी में विधिक जागरुकता अभियान चलाया

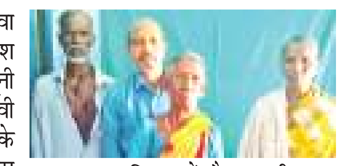

जागरुकता अभियान में मौजूद ग्रामीण.

लातेहार। जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव के निर्देश पर महुआडांड़ के कानूनी सहायता केंद्र के पीएलवी इंद्रनाथ प्रसाद ने प्रखंड के दुरूप पंचायत के कुटुदेरी ग्राम में विधिक जागरुकता अभियान चलाया. इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों को शिक्षा का अधिकार कानून की जानकारी दी. उन्होंने कहा कि बिना शिक्षा के मनुष्य पशु के समान है. प्रसाद ने बताया कि शिक्षा का अधिकार कानून के तहत छह से 14 वर्ष के बच्चों के लिए सरकार निःशुल्क व अनिवार्य शिक्षा की व्यवस्था की है. उन्होंने कहा कि सरकार के द्वारा विद्यालय में मध्याह्न भोजन योजना से ले कर छात्रवृति, साइकिल, पोशाक व किताबें आदि दी जाती है. इसके अलावा श्री प्रसाद ने सूचना का अधिकार समेत अन्य कई कानूनों की बुनियादी जानकारी दी. उन्होंने बाल श्रम व बाल विवाह को एक दंडनीय अपराध बताया.

सदर अस्पताल में झामुमो जिलाध्यक्ष को मिली अनियमितता

मेदिनीनगर। पलामू प्रमंडलीय मुख्यालय स्थित सदर अस्पताल में अव्यवस्था चरम पर है. पलामू झामुमो अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद सिन्हा जब अपनी पुत्री का इलाज कराने सदर अस्पताल पहुंचे तो अव्यवस्था देख उन्होंने उपायुक्त और अस्पताल अधीक्षक से दूरभाष पर बात की और मरीजों को हो रही परेशानियों से अवगत कराया. इससे पहले श्री सिन्हा ने अस्पताल के मरीजों से बात कर उन्हें हो रही परेशानियों से अवगत हुए. जिलाध्यक्ष श्री सिन्हा ने कहा कि सदर अस्पताल के इमरजेंसी में तीन डाक्टरों की बैठने की व्यवस्था है, परंतु वहां सिर्फ एसओडी व पीओडी मौजूद थे. उन्होंने कहा कि मरीजों की शिकायत कुछ वार्ड की साफ सफाई और पानी को लेकर सबसे ज्यादा है. वहां पानी के टैंकर की व्यवस्था कर दी गई है. साथ ही दो दिनों में नई बोरिंग कर पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा. साफ सफाई भी अस्पताल में शुरू की जा चुकी है. मरीजों ने बताया कि अस्पताल में सांसद मद से लगाया गया आर-ओ प्लांट भी बेकार पड़ा है. उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य के मामले में अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी.

नाबालिग को न्याय मिले और दोषियों पर कार्रवाई हो : भाकपा

भाकपा के जिला सचिव सहित अन्य.

संवाददाता। मेदिनीनगर

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के जिला सचिव रूचिर तिवारी, निरंजन प्रसाद, जमालुद्दीन खलीफा ने रामगढ़ प्रखंड के ग्राम नावाडीह में पिछले दिनों 13 साल की बच्ची की माता जीरा देवी एवं उनके परिजनों से मुलाकात किया . उन्होंने कहा कि रामगढ़ प्रखंड के नवाडीह इलाका आदिम जनजातियों का बहुल इलाका है . इस इलाके में बराबर आदिम जनजातियों एवं आदिवासियों के साथ शोषण होता रहा है. आदिम जनजातियों के पास रोजी रोजगार नहीं है और सरकार के द्वारा मिलने वाला राशन भी समय पर नहीं मिलता . जिसके अभाव में पेट भरने के लिए दलालों के चक्कर में पड़कर ये दिल्ली, पंजाब, बिहार ठेकेदार के हाथों कठपुतली बनकर चले जाते हैं और बाद में उनके साथ दुष्कर्म और हत्या जैसी घटनाएं होती हैं . पुनः ऐसी घटना की पुनरावृत्ति ना हो जिसके लिए कड़े कदम उठाना होगा . रामगढ़ के प्रखंड पदाधिकारी ने अभी तक सरकार के तहत मिलने वाला मुआवजा मृतक के परिजनों को नहीं दिया है .

पिकअप व एंबुलेंस में भिड़ंत चालक की मौत व दो जख्मी

संवाददाता। चंदवा (लातेहार)

चंदवा थाना क्षेत्र के सिसकरिया के समीप शनिवार को एक पिकअप वैन और एक ओमनी वैन एंबुलेंस के बीच भीषण टक्कर हो गयी. इस टक्कर में एंबुलेंस चालक रिजवान अंसारी, पिता स्व हसमुद्दीन अंसारी, बड़गाई नूर मोहल्ला, रांची की मौत हो गयी. जबकि एंबुलेंस में सवार रोगी सदेश साहू (रांची) और सुनील कुमार सिंह (छतरपुर) घायल हो गए. दुर्घटना इतनी जबरदस्त थी कि एंबुलेंस के परखच्चे उड़ गये. सूचना मिलते ही चंदवा पुलिस घटनास्थल पहुंची. उन्होंने घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चंदवा पहुंचाया. यहां डॉ नीलिमा कुमारी ने गंभीर रूप से घायल रिजवान अंसारी को मृत घोषित कर दिया. जबकि सदेश साहू और सुनील सिंह को प्राथमिक उपचार के बाद छोड़ दिया गया. चिकित्सक ने बताया कि रिजवान के सिर में गहरी चोट लगी थी और उससे अत्यधिक रक्तस्त्राव होने के कारण उसकी जान चली गई. पुलिस ने परिजनों को दुर्घटना की सूचना दे दी है. घटना के बाद पिकअप वैन फरार हो गया.

दुर्घटनाग्रस्त एंबुलेंस

पांकी में मिला युवक का शव

पांकी । पांकी पुलिस ने शनिवार को डाक बंगला के समीप एक युवक का शव बरामद किया . शव की पहचान पुरानी गांव निवासी सोनू ठाकुर, पिता रघुनाथ ठाकुर, सैलून संचालक, उम्र लगभग 22 वर्ष, के रूप में की गई है . घटना की जानकारी होने के बाद पांकी थाना पुलिस पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेते हुए आगे की कार्रवाई में जुट गई . मृतक के गले में गहरे निशान होने की वजह से उसकी मौत को लेकर तरह-तरह के कयास लगाये जा रहे हैं . इधर पांकी पुलिस घटना की छानबीन में जुट गई है .

विश्व मासिक धर्म दिवस पर हुआ कार्यशाला का आयोजन

संवाददाता। चंदवा (लातेहार)

प्रखंड के चकला पंचायत भवन में हिंडालको कोल माइंस के तत्वावधान में विश्व मासिक धर्म दिवस के अवसर पर एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया और ग्रामीण महिला व किशोरियों के बीच स्वच्छता जागरूकता को ले कर कई जानकारियां दी गयी.

कार्यक्रम में एशियन इंस्टीट्यूट पर सस्टेनेबल के प्रतिनिधियों के द्वारा ग्रामीण महिलाओं व किशोरीयों के बीच प्रजनन स्वास्थ्य व स्वच्छता विषय पर कई जानकारियां दी गयी. उन्होंने कहा कि किशोरियों को गलतफहमियों से सावधान रहना चाहिए. स्वच्छता जागरूकता ही बचाव है. इससे हम कई बीमारी से दूर रह सकते हैं. मौके पर हिंडालको कर्मी अनुमा बासु व एथेलरीडा के अलावा नीरज उपाध्याय रेखा देवी, बबीता, पूनम मंजू व चकला पंचायत की मुखिया पूनम एक्का समेत कई ग्रामीण महिला एवं किशोरियां उपस्थित थी. कार्यक्रम में पुरस्कार का भी वितरण किया गया.

कार्यशाला में शामिल लोग.

जागरूकता: बाजार परिसर में आयोजित रात्रि चौपाल में दी गई बचाव की जानकारी

नहीं चेते तो 10 वर्षों में फाइलेरिया जोन बन जाएगा नावाबाजार

संवाददाता। मेदिनीनगर

फाइलेरिया रात्रि रक्तपट संग्रह को लेकर नावाबाजार प्रखंड मुख्यालय स्थित संकट मोचन सिद्धि धाम महावीर मंदिर के निकट साप्ताहिक बाजार परिसर में रात्रि चौपाल का आयोजन किया गया. फाइलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम के तहत स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित रात्रि चौपाल में लोगों को प्रोजेक्टर के माध्यम से फालेरिया बीमारी के विषय में जानकारी दी गई. मौके पर स्वास्थ्यकर्मियों ने बताया कि विगत तीन वर्षों से नावाबाजार में फाइलेरिया का प्रकोप बढ़ रहा है बावजूद लोग इसकी जांच के प्रति जागरूक नहीं दिख रहे हैं. उन्होंने संभावना व्यक्त की आगामी 10 वर्षों में इस क्षेत्र को फाइलेरिया जून के रूप में जाना जाएगा. इससे निजात पाने के लिए नावाबाजारवासियों को 300 स्लाइड देकर रक्त संग्रह का जांच अनिवार्य है. मौके पर एमटीएस पंकज कुमार, आईटी संतोष कुमार, एमपीडब्ल्यू रमेश कुमार, एमपीडब्ल्यू उपेंद्र पासवान, एमपीडब्ल्यू अजय कुमार मेहता, सहिया बसंती देवी, मुजफ्फर अंसारी, सफिर आलम सुरेश प्रसाद गुप्ता परमहंस अग्रवाल, प्रदीप जायसवाल, नरेश गुप्ता, अनूप कुमार, सुदामा प्रसाद, दिनेश कुमार आदि मौजूद थे.

बीमारी की जानकारी दी गई.

खास बातें

- रक्तपट संग्रह को लेकर दी गयी 300 स्लाइड
- ग्रामीणों को बीमारी को लेकर किया गया जागरुक

फाइलेरिया उन्मूलन के लिए रात्रि रक्त पट्ट का हुआ संग्रह

लातेहार। सिविल सर्जन डा अवधेश कुमार सिंह के निर्देश पर जिले में फाइलेरिया उन्मूलन के लिए कार्यक्रम चलाया जा रहा है. जिले के मनिका प्रखंड के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में माइक्रो फाइलेरिया रोगियों का पता लगाने के उद्देश्य से शुक्रवार रात्रि रक्त पट्ट संग्रहण कार्य किया गया. पूर्व विधायक हरिकृष्णा सिंह के अलावा पूर्व जिला परिषद सदस्य महेश सिंह, छोटू राजा और जेएसएलपीएस सदस्य रंभा देवी समेंत कई लोगों ने अपना रक्त पट्ट संग्रहण कराया. पूर्व विधायक ने कहा कि फाइलेरिया रोग से आदमी अपंग हो सकता है. फाइलेरिया बीमारी क्यूलेक्स मच्छर के काटने से होती है. मच्छर से बचाव के लिए नियमित मच्छरदानी का प्रयोग आवश्यक है. घर एवं आसपास के क्षेत्रों में साफ सफाई बहुत जरूरी है. मच्छरों को पनपने से रोकने के लिए पानी का जमाव नहीं होने देना आवश्यक है. उपयोग में लाए गए उपयोग डिस्पोजल गिलास, ट्यूब व टायर आदि को इधर उधर नही फेकना चाहिए. इनमें पानी जमता है और मच्छर पनपते हैं. शुक्रवार की रात्रि 110 लोगों का रक्त पट्ट संग्रह किया गया.

मगध के अधिकारी संजय कुमार बेहरा को दी गई विदाई

विदाई समारोह में शामिल लोग.

संवाददाता। बालूमाथ (लातेहार)

मगध परियोजना कार्यालय के परिसर में मगध-संघमित्रा क्षेत्र, सीसीएल से महानदी कोलफील्ड लिमिटेड में स्थानांतरित किए गए अधिकारी संजय कुमार बेहरा को विदायी दी गयी. बेहरा पिछले आठ वर्ष से मगध परियोजना में कार्यरत थे. विदाई समारोह में परियोजना पदाधिकारी एस सत्यनारायणा ने कहा कि बेहरा का कार्यकाल मगध परियोजना में संतोषजनक रहा है. सरकारी सेवा में एक जगह से दूसरे जगह आने जाने का सिलसिला लगा रहता है. अपने कार्यकाल के दौरान इन्होने जिस तरह से अपनी जिम्मेदारी को निभाई वह काबिले तारीफ है. उन्होने उन्हें मृदुभाषिता व मिलनसार व्यक्तित्व बताया. प्रेषण अधिकारी दया शंकर ओझा ने संजय कुमार बेहेरा की सेवाओं का उल्लेख करते हुए उनकी लगन मेहनत की सराहना की.

विश्व पर्यावरण सप्ताह पर कार्यक्रमों का आयोजन

लातेहार। विश्व पर्यावरण सप्ताह के तहत पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय, लातेहार में समर कैंप का आयोजन किया जा रहा है. कैंप के चौथे दिन शनिवार को रिड्यूस ई-वेस्टिंग विषय पर पेंटिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया. इसमें विद्यालय के कई छात्रो ने भाग लिया. प्रभारी प्राचार्य पीके ठाकुर ने बताया कि समर कैंप छात्रों के लिए उपयोगी साबित हो रहा है. उन्होने कहा कि इस कैंप में छात्र व छात्राओं को पर्यावरण से जुड़ी जानकारियां हासिल करने का मौका मिल रहा है. उन्होने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों से छात्रों का ज्ञानवर्धन होता है. बचपन में मिली जानकारियां छात्रों को हमेशा प्रेरित करती हैं. कैंप में छात्रों ने पर्यावरण की रक्षा करने एवं पौधे लगाने का संकल्प लिया. कैंप के दौरान छात्रों ने विद्यालय परिसर में पौधारोपण भी किया है.

▼ ब्रीफ खबरें

मानदेय वृद्धि की मांग, डीइओ से मिले सहायक अध्यापक

मेदिनीनगर। सहायक अध्यापकों का चार परसेंट मानदेय वृद्धि की मांग को लेकर झारखंड राज्य सहयोगी शिक्षक संघ का प्रतिनिधिमंडल शुक्रवार को जिला शिक्षा पदाधिकारी डॉ दुर्गानंद झा से मिला . प्रतिनिधिमंडल प्रदेश अध्यक्ष विनोद तिवारी के नेतृत्व में सहायक अध्यापकों की समस्याओं को लेकर कई बिंदुओं पर चर्चा की, जिसमें जनवरी माह से 4 परसेंट मानदेय वृद्धि के लिए जिला से पत्र निकालने का अनुरोध किया गया . जिला शिक्षा पदाधिकारी ने सोमवार को सभी प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी को प्राधिकार के लिए जिला से पत्र निर्गत करने का भरोसा दिलाया है, ताकि पूरे जिले के सहायक अध्यापकों का सेवा संपुष्टि, प्राधिकार के द्वारा पूर्ण कर ली जाए.

कनीय अभियंता पर पैसे उगाही करने का आरोप

धुरकी। थाना क्षेत्र अंतर्गत विद्युत विभाग के कनीय अभियंता अमल राय पर बिजली उपभोक्ताओं ने पैसे उगाही करने का आरोप लगाया है. उपभोक्ता शारदा गांव के बलराम बैठा, रामजी सिंह, मानिकचंद बैठा, नागेश्वर बैठा, सहित कई उपभोक्ताओ से पैसे की वसूली की गई है. सभी उपभोक्ताओं ने बताया कि बिजली विभाग के जेई अमल राय द्वारा अवैध रूप से बिजली जलाने के नाम पर दो हजार रुपये की वसूली की जाती है. जो बिजली चोरी में पकड़े जाते हैं उनसे दो हजार रूपए लेकर नाम काट देते हैं.

पुलिस ने बालू लदे सात ट्रैक्टर जब्त किए

लोहरदगा। जिले में कैरो थाना क्षेत्र के खरता नदी में अवैध बालू उठाव के विरुद्ध पुलिस प्रशासन की बड़ी कार्रवाई की है. पुलिस ने बालू लदे सात ट्रैक्टर को बालू घाट से जब्त किया है. यह कार्रवाई किस्को अंचल पुलिस निरीक्षक चंद्रशेखर आजाद के नेतृत्व में कैरो थाना प्रभारी नीरज कुमार झा किस्को थाना प्रभारी हर्षवर्द्धन कुमार सिंह के द्वारा टीम गठित ने की है. लोहरदगा पुलिस के इस सख्त कार्रवाई से बालू माफियाओं में हड़कंप मचा हुआ है. ज्ञात हो कि बालू खनन एवं परिवहन के खिलाफ प्रशासन के कड़े अख्तियार से इन दिनों जिले में बालू की कीमत सोने चांदी के भाव चोरी छिपे बेची जा रही है.

चोरी के आरोपी को गोवा पुलिस ने किया गिरफ्तार

गुमला । गोवा की पुलिस ने शनिवार को पालकोट पुलिस के सहयोग से तेतराटोली निवासी युवक अमित बिरसा लोहरा को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार युवक पर गोवा में जिस दुकान में काम कर रहा था उस दुकान से बीस हजार रुपये की चोरी का आरोप है. दुकान मालिक ने गोवा थाना में आरोपी के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कराया था. अनुसंधान में आए गोवा की पुलिस ने पालकोट पुलिस के सहयोग से अभियुक्त अमित बिरसा लोहरा को उसके घर से गिरफ्तार किया और गोवा पुलिस अपने साथ ले गई.

नगर निकाय कर्मचारी संघ की बैठक संपन्न

लोहरदगा। झारखंड राज्य स्थानीय निकाय कर्मचारी महासंघ जिला शाखा लोहरदगा की आम बैठक समाहरणालय के समक्ष इक्युलिप्टस मैदान में हुई. बैठक महेश कुमार सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई. जिसमें निर्णय लिया गया कि झारखंड सरकार श्रम विभाग रांची के आदेशानुसार पद के अनुरूप वेतन,भत्ता ,नियोजन कार्ड, पहचान-पत्र, पीएफ नम्बर एवं कटौती का सूद सहित अद्यतन हिसाब,चिकित्सा कार्ड, वर्दी आदि मांगों की पूर्ति के लिए बार-बार अनुरोध करने के बावजूद समय नहीं मिलने के कारण आगामी 11 जून मंगलवार को प्रशासक, नगर परिषद लोहरदगा से उनके कार्यालय कक्ष में अपराह्न में सामूहिक शिष्टमंडल वार्ता किया .

सात वर्ष पूर्व भंडरा प्रखंड में करोड़ों की लागत से चार मॉडल स्कूल बनाए गए, पढ़ाई आज भी नहीं हुई शुरू

सात साल से बच्चों के आगमन का इंतजार कर रहा भंडरा का मॉडल स्कूल

शकील अहमद। भंडरा/लोहरदगा

राज्य की शिक्षा व्यवस्था का हाल किसी से छुपा नहीं है सरकार भले ही शिक्षा के विकास और सुधार में करोड़ों रुपए खर्च कर रही है, लेकिन जमीनी स्तर पर सरकार की कोशिशें सफल होती नहीं दिख रही हैं . भंडरा प्रखंड के सरकारी स्कूलों में मॉडल स्कूलों जैसी सुविधा मिल सके, इसके लिए आठ वर्ष पूर्व प्रखंड में करोड़ों रुपए की लागत से चार मॉडल स्कूल बनाए गए.

उद्घाटन के लिए बरसों से राह तक रहे विद्यालय : भंडरा के उदरंगी पावर ग्रिड स्थित, गडरपो पंचायत के सेमरा गांव स्थित एवं अकाशी स्थित में इनमें से स्कूलों का उद्घाटन तो कहीं धूमधाम से हुआ कहीं वह भी नहीं. लेकिन,

सुना पड़ा मॉडल स्कूल भवन.

इसका लाभ क्षेत्र के बच्चों को नहीं मिल पा रहा है. सरकार की अवधारणा थी कि वर्ग 6 से लेकर 12वीं तक की पढ़ाई निःशुल्क, आवासीय सुविधा सहित दी जाएगी. नवोदय विद्यालय के पैटर्न पर इस स्कूल को बनाया गया था.इसमें प्रवेश परीक्षा के आधार पर बच्चों का नामांकन होता इसके लिए शिक्षक प्रकोष्ठ,वर्ग कक्ष, आवासीय कमरे सहित अन्य सुविधाएं थीं. इसकी अवधारणा धाराशायी हो गई. इन स्कूलों का कहीं -कहीं उपयोग बगल के स्कूल कर रहे हैं किंतु कुछ स्कूलों में अभी भी ताले लटके हुए हैं.

सभी विद्यालय भवन बस्ती से दूर वीरान जगहों पर बनी है : हाई स्कूल की कक्षाओं के इसमें संचालन के शिक्षकों के निर्णय पर शिक्षकों एवं ग्रामीणों में तनाव की स्थिति पैदा हो गयी थी. शिक्षकों ने बीआरसी में योगदान भी कर लिया था. फिर मामला शांत हुआ यह कहते हुए कि गांव से यह सभी विद्यालय काफी दूर है. इसमें बच्चियों की पढ़ाई सुरक्षित नहीं हो सकती है. ऐसी परिस्थिति में हाई स्कूल में ही बच्चों की पढ़ाई हो. उस दिन से यह स्कूल यों उपेक्षित पड़ा हुआ है. विभागीय स्तर से अन्य शैक्षणिक कार्यों के लिए इसका उपयोग नहीं किया जा रहा है .वहीं, मोबारक अंसारी, रणविजय नाथ शाह, इदरीस अंसारी,नीतीश उरांव, जाबिर अंसारी, आदि ने सरकार से इस विद्यालय को चालू करने की मांग की है.

खास बातें
- अभी तक पठन-पाठन की प्रक्रिया नहीं हो सकी शुरू
- क्षेत्र के बच्चों को नहीं मिल सका लाभ

बाद में निजी काम में आने लगते हैं सरकारी भवन

लोग इसका उपयोग निजी कामों में उपयोग करने लगते हैं कभी कोई मवेशी पालता है तो कभी कोई गेहूं, धान सुखाने लगते है कोई इसमें खेतीबारी के अनाज वगैरह रखने लगते हैं. कहीं असामाजिक तत्वों का रैन बसेरा बन जाता है. विद्यालय के सौंदर्यीकरण के लिए खिड़की या अन्य जगहों पर लगे शीशे को लोगों ने तोड़ दिया है. इतना ही नहीं विद्यालय के अन्य उपकरणों यथा बिजली उपकरणों को भी तोड़कर ध्वस्त कर रहे हैं. जिस उद्देश्य से इस स्कूल की स्थापना की गई थी, वह धराशायी हो गया. कुछ दिन पहले अकाशी हाई स्कूल में भवन संबंधी समस्या उत्पन्न हुई थी.

गुमला में लातेहार के युवक की सड़क दुर्घटना में मौत

लातेहार। सदर प्रखंड के परसही पंचायत के ग्राम तुलबुल खेरही टोला निवासी राजेश सिंह उम्र 33 वर्ष की मौत गुमला जिले के बनारी प्रखंड में बीते रात्रि 10 बजे सड़क दुर्घटना में हो गई. जानकारी के अनुसार मृतक ट्रैक्टर में सामान लोड कर बनारी जा रहा था. इसी दौरान ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर बनारी मेन रोड में एक पेड़ से टकरा गई. जहां राजेश की मौत घटनास्थल पर ही हो गई . मृतक अपने पीछे पूरा भरा परिवार दुनिया से चल बसा. मृतक के दो लड़का व एक लड़की है . वहीं परिजनों के रो रो कर बुरा हाल है.मृतक का पोस्टमार्टम गुमला में किया गया. गरीब परिवार के लिए मुआवजा की मांग स्थानीय मुखिया अनीता देवी ने प्रशासन से मांग की हैं.

भूसर पंचायत के जालिम खुर्द ग्राम के किसानों की मेहनत रंग लायी

किसानों ने कर दिया कमाल गरमी में लहलहा रही है धान

आशीष टैगोर । लातेहार

लहलहा रही फसल

जिले के भूसर पंचायत के जालिम खुर्द ग्राम में इस प्रचंड गरमी में भी धान की फसल लहलहा रही है. लहलहाती फसल देख कर किसानों का मन भी गदगद है. हों भी क्यों नहीं, उनकी मेहनत जो रंग ला रही है. धान की क्यों गांव के खेतों में खीरा, कद्दू व बादाम की फसलें भी लहलहा रही है. यह सब संभव हो सका है भूमि संरक्षण पदाधिकारी विवेक मिश्रा की हौसला अफजाई से. श्री शुक्ला ने किसानों को प्रेरित किया और उन्हें स्प्रिंग शेड योजना की जानकारी दी. ग्रामीणों ने भी कुछ करने की ठानी और आज परिणाम सामने है. किसानों ने कहा कि अगर मन में कुछ करने की ललक हो तो कोई भी काम असंभव नहीं होता है.

क्या है स्प्रिंग शेड योजना : भूमि संरक्षण पदाधिकारी विवेक मिश्रा ने बताया कि स्प्रिंग शेड योजना प्रधानमंत्री कृषि विकास योजना के फेज टू के तहत ली गयी एक योजना है. वैसे क्षेत्र जहां भूमि के नीचे से हमेशा पानी का रिसाव होता है वहां इस योजना का क्रियान्नवयन किया जाता है.

लातेहार जिले में तीन योजना ली गयी है. प्रत्येक योजना की प्राक्कलन राशि 80 से 82 हजार रूपये है. इसके तहत भूमि के पानी को रोकने के लिए एक चकोर कुंआ का निर्माण कराया जाता है. यहां स्टोर पानी का इस्तेमाल किसान अपनी खेती के लिए करते हैं.

साथ ही साथ अलग से स्प्रिंगशेड द्वारा सिंचाई हेतु अनुदान पर सोलर पंप भी दिए जाने का प्रावधान है. इससे स्प्रिंग शेड के आसपास के क्षेत्र में वर्ष भर सिंचाई की सुविधा प्राप्त हो सकेगी. जिससे फसल उत्पादन में भारी वृद्धि एवं किसानों की आय भी बढ़ेगी. मिश्रा ने कहा कि लातेहार एक पठारी इलाका है. यहां सिंचाई के समुचित साधन नहीं है. किसान सिर्फ मॉनसून पर ही निर्भर हैं. इस योजना से मॉनसून पर निर्भरता कम हो सकती है.

मिश्रा योजना स्थल पर.

क्या कहते हैं किसान

किसान रामपति सिंह, बिगन सिंह, कलेश्वर सिंह व सरयु प्रसाद आदि कहते हैं कि इस योजना से उन्हें काफी लाभ मिला है. लातेहार के किसान सिर्फ मॉनसून पर ही निर्भर हैं. लेकिन भूमि संरक्षण पदाधिकारी विवेक मिश्रा ने किसानों को इस प्रचंड गरमी में भी खेती करने का हौसला दिया और इसका परिणाम यह है कि आज खेतों में धान की फसल लहलहा रही है. गांव में शिव मंदिर के पास स्प्रिंग शेड का निर्माण कराया जा रहा है.

गरीब रथ एक्स. की चपेट में आकर किशोर की हुई मौत

विश्रामपुर/पलामू । धनबाद रेल मंडल स्थित सीआई सेक्शन के लालगढ़ रेलवे स्टेशन के समीप शनिवार को गरीब रथ एक्सप्रेस से गिरकर एक नाबालिक 15 वर्षीय किशोर की मौत हो गई. किशोर का शव पोल संख्या 308/24 के पास पाया गया. स्थानीय लोगों ने इसकी जानकारी गढ़वा रोड आरपीएफ सहित नौगढ़ा ओपी को दी. घटनास्थल पर नौगढ़ा ओपी प्रभारी सोनू कुमार पुलिस बल के साथ पहुंचे. जहां ग्रामीणों की मौजूदगी में सरकारी प्रक्रिया पूरा करते हुए शव को अपने कब्जे में लिया. मृत किशोर की पहचान गढ़वा जिला स्थित डंडा थाना के निमिया गांव निवासी किशुन चौधरी के पुत्र चंदन कुमार के रुप में की गई. इधर किशोर की पहचान नहीं होने की स्थिति में घटना की जानकारी व उसके शव की पहचान को लेकर लोगों के द्वारा इंटरनेट साइट का सहारा लिया.

बाले लदे ट्रैक्टर को पुलिस ने जब्त किया

पाटन(पलामू)। पाटन प्रखंड के मोतिया खाला बालू घाट से पाटन के अंचलाधिकारी दीपक मिश्रा एवं किशनपुर ओपी प्रभारी कुमार नीरज ने संयुक्त रूप से छापेमारी कर अवैध रूप से बालू लदे ट्रैक्टर को जब्त किया है .जबकि पाटन के सीओ ने उक्त ट्रैक्टर को किशनपुर ओपी पुलिस के हवाले किया है. बताते चले कि पलामू एसपी डीसी के निर्देश के आलोक में लगातार अवैध उत्खनन रोकने को लेकर थाना प्रभारी एवं अंचलाधिकारी के द्वारा छापेमारी की जा रही है. हालांकि इस मामले में जानकारी हेतु पाटन अंचलाधिकारी को कई बार दुर्भास से संपर्क किया गया लेकिन उनके द्वारा फोन रिसीव नहीं किया गया.

40 लख रुपये का हुआ भुगतान

विशेष लोक अदालत में पांच मामलों का हुआ निष्पादन

विशेष लोक अदालत में शामिल लोग.

संवाददाता। लोहरदगा

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष डालसा अरविंद कुमार पांडेय के मार्गदर्शन में मोटर वाहन दुर्घटना दावा से संबंधित विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया. जिसमें प्रथम जिला जज अखिलेश कुमार तिवारी के नेतृत्व में एक बेंच का गठन किया गया था. विशेष लोक अदालत में कुल पांच वादों का निष्पादन किया गया और 40 लाख रुपए की राशि विभिन्न क्लेमेंट के बीच दिया गया. कार्यक्रम की जानकारी देते हुए डालसा सचिव राजेश कुमार ने बताया कि झालसा रांची के पहल पर विशेष लोक अदालत मोटर वाहन दुर्घटना क्लेम केस से संबंधित था. जिसमें इंश्योरेंस कंपनी एवं दावाकर्ता ने आपसी सुलह के आधार पर पांच वादों का निष्पादन किया गया .

न्यूज अपडेट

रांची में होने वाली समीक्षा बैठक की तैयारी हुई पूरी

डीडीसी की बैठक में शामिल अधिकारी

लोहरदगा। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में आगामी 11 जून को प्रोजेक्ट भवन रांची में होने वाली बैठक में लोहरदगा जिला की तैयारी पूरी हो चुकी है. बैठक में अबुआ आवास योजना, वीर शहीद पोटो हो खेल विकास योजना, बिरसा सिंचाई कूप संवर्धन योजना, जेएसएलपीएस की योजनाएं, प्रधानमंत्री आवास योजना, बिरसा हरित योजना, पंचायती राज विभाग के 15वें वित्त अंतर्गत व्यय की स्थिति और पंचायतों में पंचायत सचिवालयों की स्थिति, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग अंतर्गत पेंशन वितरण, सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना आदि है.

अधिकारियों ने किया पंचायतों का निरीक्षण

पंचायत भवन में बैठक करते अधिकारी

लोहरदगा। झारखंड पंचायती राज्य विभाग एवं डिजिग्राम फाइटेक सॉल्यूशन एलएलपी के पदाधिकारियों ने शनिवार को जिला के भंडरा प्रखंड के जमागाई व किस्को प्रखंड के देवदारिया पंचायत कार्यालय का निरीक्षण कर मुखिया, पंचायत सचिव, कॉमन सर्विस सेंटर प्रज्ञा केंद्र संचालक के साथ एक कार्यशाला का आयोजन किया. जिसमें पंचायत को आईएसओ सर्टिफिकेट दिलाने के लिए आईएसओ प्रमाणन के बारे में विस्तृत रूप से मुख्य प्रशिक्षक अशोक त्यागी और संस्कृति द्वारा बताया गया. साथ ही झारखंड पंचायती राज्य विभाग द्वारा प्रज्ञा केंद्र के माध्यम से सरकार व आम जनता के बीच होने वाली सभी तरह की योजनाओं को सफल बनाने के लिए कई अहम जानकारी भी दिया.

11 जून को लगेगा दिव्यांगता जांच शिविर

सिमडेगा : कोलेबिरा प्रखंड संसाधन केंद्र ,कोलेबिरा में 11 जून को पूर्वाह्न नौ बजे से दिव्यांगता जांच शिविर लगेगा. शिविर में तीन से 18 वर्ष के दिब्यांग बच्चों की जांच की जाएगी .उन्हें निःशुल्क सहायक उपकरण जैसे व्हीलचेयर कैलिपर,ट्राइसाइकिल,बैशाखी, हियरिंग ऐड,चश्मा इत्यादि सामग्री प्रदान की जाएगी. उसकी तैयारी के लिए प्रधानाध्यापक के साथ बैठक कर के थेरेपिस्ट जयप्रकाश सिंह और प्रमोद भगत ने उक्त जानकारी दी. बताया कि समग्र शिक्षा अभियान सिमडेगा के समावेशी शिक्षा के तहत यह दिव्यांगता जाँच शिविर आयोजित की जायेगी. इन्होंने इस शिविर में अधिकाधिक संख्या में दिव्यांग बच्चों को लाकर लाभान्वित करने की अपील शिक्षकों, अभिभावकोंलोगों से की है.

चार सड़क दुर्घटना में एक की मौत, चार घायल

गुमला। गुमला में हुए चार अलग-अलग सड़क दुर्घटना में एक की मौत हो गई जबकि चार लोग घायल हैं. जानकारी के अनुसार पॉलिटेक्निक कालेज के कर्मी बंधनु उरांव 40 वर्ष छुट्टी के बाद अपना गांव बसुआ डीपाटोली जा रहा था तभी चारोटोली के समीप तेज रफ्तार ट्रैक्टर के धक्का से गिर गया और घायल हो गया. घायल बंधनु का सदर अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई. गुमला सिमडेगा नेशनल हाइवे में कार्तिक उरांव कॉलेज के समीप बाइक के धक्का से राजनगर निवासी अर्जुन मिंज गंभीर रूप से घायल हो गया. घटना में बाइक चालक बृंदा खोपा टोली निवासी अजय उरांव भी घायल हो गया. रायडीह थाना क्षेत्र के कटकाया के समीप हुई जिसमें बाइक के धक्का से कटकाया निवासी राहगीर 48 वर्षीय सुनील एक्का घायल हो गया.

सड़क दुर्घटना में चाचा की हुई मौत, भतीजी घायल

संवाददाता। लोहरदगा

जिले के सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत चंदवा - लोहरदगा एनएच 143 मुख्य पथ पर कुजरा के पास एक मोटरसाइकिल और ट्रेलर में जोरदार भिड़ंत हो जाने एक युवक की मौत हो गयी. युवक लातेहार जिला का निवासी मुर्तजा अंसारी है. परिजनों के मुताबिक रब्बानी अंसारी अपने घर लातेहार जिला के धनकरा से बीते शुक्रवार को लोहरदगा जिला अंतर्गत सेन्हा थाना क्षेत्र के ग्राम बुटी झखरा अपने रिश्तेदार के यहां अपनी भतीजी सितारा प्रवीण को लेने मोटरसाइकिल से गया था. इस बीच शनिवार को अपनी भतीजी सितारा प्रवीण को लेकर अपने घर धनकरा वापस आ रहा था. इसी दौरान कुजरा पेट्रोल पम्प के समीप ट्रेलर की चपेट में आने से घटना स्थल पर ही रब्बानी अंसारी की मौत हो गई. जबकि रब्बानी की भतीजी सितारा प्रवीण को हल्की चोट आई है. इधर घटना की सूचना मिलते ही तत्काल सलगी पंचायत अंतर्गत कुज्जी निवासी कांग्रेस पार्टी के लोहरदगा जिला सचिव रफीक अंसारी सदर थाना पुलिस को दूरभाष पर सूचना दिया . सदर अस्पताल लोहरदगा शव और घायल बच्ची को पहुंचाने में अहम योगदान दिया. कांग्रेस जिला सचिव रफीक अंसारी स्वंय सदर अस्पताल लोहरदगा पहुंच घायल का इलाज कराया . मृतक के शव को समय से पोस्टमार्टम कराने में अग्रणी भूमिका निभाई. इधर, घटना की सूचना प्राप्त होते ही सदर थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर ट्रेलर वाहन को कब्जे में लेते हुए मृत रब्बानी अंसारी के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु सदर अस्पताल लोहरदगा भेज पूरे घटनाक्रम की तफ़तीश में जुट गई.

खास बातें
- कांग्रेसी नेता ने दिया मानवता का परिचय
- घटना लोहरदगा- चंदवा एनएच 143 मुख्य पथ की

दुर्घटनाग्रस्त कार से बरामद गांजा मामले में दो तस्कर भेजे गए जेल

संवाददाता। गुमला

घाघरा थाना के देवाकी बाबा धाम पुल के समीप मोड़ में दुर्घटना ग्रस्त कार से जब्त गांजा मामले में पुलिस ने दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार अभियुक्तों की जानकारी देते हुए एसडीपीओ सुरेश प्रसाद यादव ने दोनों को जेल भेज दिया. जेल जाने वाले अभियुक्तों में अंकित कुमार पांडेय 22 वर्ष, ग्राम जिगनी, पोस्ट तिलई, थाना संझौली, जिला रोहतास बिहार और राज सिंह 19 वर्ष ग्राम भानपुर, पोस्ट-थाना सुरेरी, जिला जोनपुर उत्तर प्रदेश के नाम शामिल हैं. एसडीपीओ ने बताया कि घाघरा के चांदनी चौक में वाहन चेकिंग अभियान चल रहा था. सफेद रंग का कार तेजी से भगा रहा था तब पुलिस की गश्ती दल ने पीछा किया. भागने के दौरान कार दुर्घटना ग्रस्त हो गया.

भाग रहे कार सवार को पुलिस ने दबोच लिया और वाहन से 108 किलो गांजा जब्त किया. गांजा के साथ उनका दुर्घटनाग्रस्त कार और मोबाइल को भी जब्त किया गया है. घाघरा थाना में कांड दर्ज कर दोनों अभियुक्तों को जेल भेज दिया गया. गिरफ्तार अभियुक्त के फर्द बयान पर पुलिस अनुसंधान कर रही है. एसडीपीओ ने बताया कि राज सिंह का सुरेरी थाना में भी मारपीट मामले में केस दर्ज है.

गिरफ्तारी की जानकारी देते एसडीपीओ

खास बातें
- देवाकी बाबा धाम पुल के समीप मोड़ पर कार हुई थी दुर्घटनाग्रस्त
- कार सवार दोनों युवकों को पुलिस ने दौराकर पकड़ा

समस्या

नेताओं पर फूटा ग्रामीणों का गुस्सा, कहा- जीतने पर सिर्फ अपनी किस्मत बदलते हैं

पानी के इंतजार में बीते कई बरस, रहनुमाओं को नहीं आया तरस

संवाददाता। भंडरा/लोहरदगा

जिले के भंडरा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत बड़ा अंबेरा गांव में जल जीवन मिशन के तहत कई योजनाएं करोड़ों की धनराशि खर्च कर की गई है. इसके अलावा क्षेत्र में कई मेगा योजनाओं का खाका खींचा गया है. परंतु योजनाओं की हकीकत और सरकारी सिस्टम का हाल देखना है तो लोहरदगा जिला अंतर्गत भंडरा प्रखंड में आकर देख सकते हैं. यहां की आबादी वर्षों से पानी के इंतजार में है, लेकिन रहनुमाओं की अनसुनी के वजह से अभी तक पेयजल संकट का कोई हल नहीं निकल पाया है. यहां पर अधिकारियों की लापरवाही से

पानी के लिए समूह में जाती महिलाएं और बच्चे.

घरों में पीने की पानी नहीं आता है. बड़ा अंबेरा आम बगीचा टोली में 80 परिवार साल भर पानी का संकट झेलते हैं. विभागीय अधिकारियों की लापरवाही के चलते घरों में पानी नहीं आता है. जहां तक पेयजल वितरण प्रणाली को दुरूस्त करने की जरूरत है. यहां के मजलूम लोग कई बार इसे लेकर शिकायत भी कर चुके हैं. लोग दूर से साइकिल,रिक्शा से पानी लाकर गुजारा करते हैं. सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यहां पर नल-जल योजना के तहत निर्मित पाइप लाइन के नलों में पानी की एक बूंद नहीं टपकती है.

पानी नहीं दे सकते तो पाइप लाइन हटा दे : इस मामले को लेकर शुभम संदेश संवाददाता ने ग्रामीणों से पूछ-ताछ किया तो कहा कि विभागीय अधिकारियों से फरियाद करते-करते थक चुके हैं. बावजूद अभी तक कोई सुनवाई नहीं हुई. गांव वालों का कहना है कि विभाग यदि ग्रामीणों को पानी नहीं दे सकती है, तो पेयजल कनेक्शन को काट दे.

नेता वोट मांगने आते हैं, हालात देखने नहीं

गांव वालों के अनुसार त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव, विधानसभा चुनाव या फिर लोकसभा चुनाव हो, नेताओं की टीम गांव का दौरा कर वोट बटोरने को लेकर झूठा आश्वाशन दे जाते हैं . पर किसी भी राजनीतिक दल के जनप्रतिनिधि, नेता इस समस्या का समाधान नहीं किया है. मौके पर सदर जावेद अंसारी, अलेमान अंसारी, तैयब अंसारी, कुलसुम बीबी ,मुख्तार अंसारी, अजीम अंसारी, सजीबुल अंसारी,सैरून खातून,जसीमा बीबी, नाजबून बीबी, मुमताज बीबी सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे.

आईटीआई के लिए बना भवन खंडहर में तब्दील

विनोद रविदास। कैरो (लोहरदगा)

कैरो प्रखंड क्षेत्र के एड़ादोन के समीप कोयल नदी के किनारे 2017-18 में लगभग चार करोड़ रुपये की लागत से आईटीआई की पढ़ाई शुरू कराने के उद्देश्य से भवन का निर्माण, भवन निर्माण विभाग द्वारा कराया गया था.भवन का निर्माण संवेदक द्वारा पूर्ण कर विभाग को हस्तांतरित भी कर दिया गया.लेकिन भवन बनने के लगभग पांच साल बाद भी इस भवन का उपयोग नहीं हो रहा है.जिससे यह भवन असामाजिक तत्वों का अड्डा बनता जा रहा है.शरारती तत्वो के द्वारा भवन में लगे खिड़की दरवाजा को क्षतिग्रस्त कर दिया जा रहा है,भवन रख रखाव के अभाव में दिनों दिन जर्जर होता जा रहा है.आईटीआई भवन के निर्माण से क्षेत्र के लोगो को उच्च तकनीकी शिक्षा को लेकर एक आस जगी थी.अभिभावक जो अपने बच्चों को बाहर पढ़ने भेज रहें थे उनको बहुत आशा था कि भवन निर्माण के बाद पढ़ाई प्रारम्भ होगी परंतु पढ़ाई शुरु नही होने से अभिभावकों का सपना टूट कर दिनों दिन बिखरती जा रही है.आईटीआई की पढ़ाई होने से अभी तक कई विद्यार्थियों का भाग्य संवर जाता लेकिन पढ़ाई शुरु नही होने से युवाओं की प्रतिभा कुंठित हो रही है.अभिभावकों का कहना है कि सरकारी स्तर पर बच्चो के भविष्य के लिए के कई योजनाएं तो बनती है लेकिन धरातल पर नजर नही आती है.साथ ही लोगो की गाढ़ी कमाई का पैसा बेवजह बर्बाद हो जाती है.एड़ादोन के पास कोयल नदी के किनारे बने इस भवन का कोई उपयोग नही हो रहा है. कैरो प्रखंड उपेक्षा का शिकार बन कर रह गया है.

कैरो प्रखंड में आईटीआई भवन.

हजारीबाग के पूर्व सांसद और झारखंड विस्थापित संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष भुवनेश्वर प्रसाद मेहता ने किया ऐलान

जल जंगल जमीन की लूट व विस्थापन के खिलाफ होगा उलगुलान

- कहा-केवल हजारीबाग में 25 हजार एकड़ से अधिक वन विभाग की जमीन को लूट लिया गया
- जिला प्रशासन के साथ ही झारखंड सरकार भी लगाया तमाशबीन बने रहने का आरोप

संवाददाता। हजारीबाग

प्रेसवार्ता करते भुवनेश्वर प्रसाद मेहता व अन्य

झारखंड में जल जंगल जमीन की लूट और विस्थापन के खिलाफ उलगुलान होगा. खुलेआम गैरमजरूआ जमीन एवं जंगल की जमीन की लूट हो रही है, जिस पर जिला प्रशासन एवं राज्य सरकार तमाशबीन बने हुए हैं. उक्त बातें हजारीबाग के पूर्व सांसद और झारखंड विस्थापित संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष भुवनेश्वर प्रसाद मेहता ने हजारीबाग यहां पार्टी कार्यालय में पत्रकार सम्मेलन में कहीं. उन्होंने कहा कि केवल हजारीबाग में 25 हजार एकड़ से अधिक वन विभाग की जमीन की लूट हुई है.जिले के बड़कागांव और केरेडारी, सदर, कटकमदाग हजारीबाग के आसपास के गांवों में खास महल की लगभग 20 हजार एकड़ जमीन की लूट हुई है. इस संबंध में कई जांच हुईं, लेकन जांच की फाइलें जिला प्रशासन के कार्यालय और राज्य सरकार के दफ्तर में दबी रह गईं. किसी प्रकार की कोई कार्रवाई आज तक देखने को नहीं मिली है. एनटीपीसी बड़कागांव के पकरी बरवाडीह कोल माइंस में अवैध बंदोबस्ती की जांच के लिए एसआईटी का गठन हुआ और जांच कमेटी ने जो रिपोर्ट में लिखा उसके अनुसार 3000 करोड़ रुपये से अधिक गैरमजरूआ बंदोबस्ती का भुगतान हो चुका है. एनटीपीसी द्वारा एक ओर जहां नदी नाले में भी खनन किया जा रहा है, वहीं बड़कागांव से फतहा चौक तक सैकड़ों एकड़ जंगल की जमीन को बर्बाद कर दिया गया. इसके कई मामले झारखंड उच्च न्यायालय में लंबित हैं. मेहता ने कहा कि जल जंगल जमीन की लूट के लिए सबको पूरे राज्य में एकजुट होने की आवश्यकता है. झारखंड आंदोलन की तर्ज पर आंदोलन करना होगा.

धरनारत किसानों की सुध लेने वाला कोई नहीं

मेहता ने कहा कि विगत 14 महीने से गोंदलपुरा सहित पांच गांवों के ग्रामीण धरने पर बैठे हुए हैं, लेकिन इसकी सुध लेने के लिए जिला प्रशासन तैयार नहीं है और राज्य सरकार भी इन्हें नजरअंदाज कर रही है. इसी प्रकार चतरा जिले के सिमरिया प्रखंड के इचाकखुर्द गांव में 22 अप्रैल 2023 से सिमपुर कठौतिया रेलवे लाइन में जो गैरमजरूआ जमीन जा रही है, जिसका कई दशकों से बंदोबस्त है, उसके भुगतान के लिए किसान धरने पर बैठे हुए हैं. चतरा के दूसरे इलाके में भी भारत माला प्रोजेक्ट में ली गई गैरमजरूआ जमीन के भुगतान के लिए लगातार आंदोलन चल रहा है. इस संबंध में मेहता ने कई बार मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव, उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल के आयुक्त राजस्व सचिव एवं दोनों जिला के उपायुक्त को पत्र लिखा है, लेकिन सबके सब मौन है. कहा कि पूरे राज्य में आंदोलन के बगैर लोगों को न्याय नहीं मिल सकता है. अभी तक झारखंड बने 24 वर्ष बीत चुके हैं, न विस्थापन, न नियोजन नीति बनी है और दर्जनों बार सरकार की घोषणा के बाद भी विस्थापन आयोग का गठन नहीं हुआ. उन्होंने कहा कि विस्थापन के खिलाफ संघर्ष कर रहे लोगों, संगठनों व दलों का सेमिनार रांची में होगा, जिसमें आंदोलन की रणनीति बनाई जाएगी. मौके पर निजाम अंसारी, महेंद्र राम, अवध कुमार, अधिवक्ता शंभू कुमार, शब्बीर अहमद, खतियानी परिवार के मो. हकीम मौजूद थे.

छड़वा डैम में नहाने के दौरान डूबने से किशोर की हुई मौत

संवाददाता। कटकमसाडी

खास बातें

- घटना शनिवार को सुबह करीब 11 बजे घटी
- सोहेल चार साथियों के साथ डैम नहाने आथा था

पेलावल ओपी क्षेत्र के छड़वा डैम में रोमी पंचायत निवासी शमशेर अंसारी के 15 वर्षीय सोहेल अंसारी की मौत डूबने से हो गई. घटना शनिवार को सुबह करीब 11 बजे घटी. शव को स्थानीय युवाओं की मदद से बाहर निकाला गया. जानकारी के मुताबिक सोहेल अपने तीन चार साथियों के साथ छड़वा डैम नहाने आया था. नहाने के क्रम में वह दूर गहरे पानी में चला गया और डूब गया. बता दें कि प्रखंड क्षेत्र में अधिक गर्मी पड़ने के कारण क्षेत्र के युवाओं की टोलियां डैम में नहाने और मस्ती करने के लिए आते हैं. गदोखर निवासी जैन रयमान उर्फ टायगर, फैयाज उर्फ टायगर, बरगडा निवासी दीपक राम, सोनू कुमार के अथक प्रयास से डूबे हुए सोहेल अंसारी को गहरे पानी से निकाला गया. वहीं मृतक के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है. वहीं पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल हजारीबाग भेज दिया. इस संबंध में पुलिस ने बताया कि नाबालिग लड़का नहाने गया था और डूबने से उसकी मौत हुई है.

ब्रीफ खबरें

ग्रामीणों ने रोका सड़क निर्माण का कार्य

जयनगर। प्रखंड के ग्राम इरगोबाद में प्रधानमंत्री नल जल योजना से पेयजल की आपूर्ति घर-घर सुचारु रूप से की जा रही थी, परंतु जयनगर टू इरगोबाद रोड निर्माण कार्य में लगी जेसीबी मशीन ने पूरी पाइप लाइन को क्षतिग्रस्त कर पंद्रह दिन से जल आपूर्ति बाधित कर दी है. इससे भीषण गर्मी में पेयजल की समस्या हो गई है. लोग दूर-दूर से पानी लाने को विवश हैं. इससे आक्रोशित ग्रामीणों ने रोड कार्य को रोक कर पहले पाइप लाइन को सुधार करते हुए रोड कार्य करने की मांग की. विरोध प्रदर्शन करने वालों में महेश कुमार सोनी, कामेश्वर पासवान, कार्तिक पासवान, मुन्ना कुमार सोनी, मंगत राम, संजय पासवान, अजिज मियां, बैजनाथ यादव, कौशल्या देवी, पुष्पा देवी, अनिता देवी आदि शामिल थे.

बीएसएसी की छात्रा ने फांसी लगाकर दी जान

हजारीबाग। कोर्रा थाना क्षेत्र के मटवारी कृष्ण पुरी स्थित लॉज में बीएससी की छात्रा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. मृतक की पहचान इचाक के अलौनजा निवासी रश्मि कुमारी (20), पिता सुरेश राम के रूप में हुई है. मृतक के पास से एक सुसाइड नोट भी पुलिस बरामद किया है, जिस पर लिखा है कि वह डिप्रेशन में थी और आत्महत्या कर रही है. इसमें कोई दोषी वार नहीं है. इस संबंध में परिजनों ने बताया कि वह पिछले एक साल से लॉज में चचेरी बहन के साथ रहती थी और पढ़ाई करती थी. शनिवार सुबह उसने पंखे से लटक कर आत्महत्या कर ली. घटना की पूरी जानकारी कोरा पुलिस को दी गई. पुलिस ने लॉज पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम के लिए शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया. पुलिस ने बताया कि मृतक के पास एक सुसाइड नोट मिला है जिस पर वह खुद डिप्रेशन में रहने की बात लिखी है. परिजनों के आवेदन के आधार पर पुलिस जांच करेगी.

ब्राउन शुगर के साथ दुकानदार गिरफ्तार

बड़कागांव। बड़कागांव पुलिस ने एक दुकानदार को 6.10 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की. इस संबंध में थाना प्रभारी मुकेश कुमार सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा है कि वरीय पुलिस अधिकारी को गुप्त सूचना मिली थी कि बड़कागांव हुरलंग बागी निवासी संतोष कुमार (32) अपनी किराना दुकान में ब्राउन शुगर की खरीद बिक्री करता है. इसके बाद अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुलदीप कुमार के नेतृत्व में टीम ने उक्त दुकान में छापामारी की तो संतोष कुमार के पहने हुए ट्राउजर की दाहिनी जेब से पांच सफेद कागज की पूड़िया बरामद की गई, जिसे खोलकर देखने पर ब्राउन शुगर जैसा पदार्थ पाया गया. आरोपी को गिरफ्तार कर थाना लाया गया और सुसंगत धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जेल भेज दिया गया. छापामारी दल में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुलदीप कुमार, थाना प्रभारी मुकेश कुमार आदि शामिल थे.

जनता के बीच जाकर खुद को गरीबों का मसीहा बता दावेदारी कर रहे पेश

विस चुनाव की आहट होते ही मैदान में उतरे 'काले कारोबारी'

खास बातें

- कोई खुद को भाजपा समर्थक बता रहा, तो कोई गठबंधन का
- हर समस्या को सुलझाने का आश्वासन दे रहे हैं नेताजी

प्रमोद उपाध्याय। हजारीबाग

लोकसभा चुनाव खत्म होते ही नेता विधानसभा चुनाव में अपनी दावेदारी पेश करने में जुट गए हैं. अपने-अपने विधानसभा क्षेत्र में कोई नाली, गली, ट्रांसफार्मर का उद्घाटन कर रहा है, तो कोई जनता के बीच जाकर खुद को गरीबों का मसीहा के रूप में पेश कर रहा है. हालांकि सच्चाई यह है कि ऐसे नेता बरसाती मेंढक की तरह केवल चुनाव के समय ही जनता को नजर का आते हैं और चुनाव में जीत-हार का फैसला होते ही गायब हो जाते हैं.

बहरहाल चुनाव के दौरान ये नेता जनता की हर समस्या को सुलझाने का आश्वासन देते हैं. कभी हजारीबाग को पिंक सिटी बनाने की बात करते हैं, तो कभी आम लोगों को ताजमहल देने की घोषणा करते हैं. अगर जीत जाते हैं तो कभी दिल्ली तो कभी महाराष्ट्र में रहने की बात कहते हैं और अगर चुनाव में हार मिलती है तो फिर अपने ''काले कारोबार'' में जुट जाते हैं, जनता की ही जमीन से कोयला और बालू की लूट करते रहते हैं. इन नेताओं में कोई खुद को भाजपा का समर्थक बता रहा है, तो कोई इंडिया गठबंधन की बात करते देखा जा रहा है. यहां तक कि कई नेता निर्दलीय चुनाव लड़ने की बात कर रहे हैं. दरअसल, ये तथाकथित नेता मूल रूप से कोयला, बालू और जमीन का कारोबार करते हैं और चुनाव आते ही नेता बन जाते हैं. जनता भी इन चेहरों को अच्छी तरह से भली भांति जानती है, लेकिन वह कुछ कहना नहीं चाहती और चुनाव के दिन का इंतजार कर रही है ताकि इनको मुंहतोड़ जवाब भी दे.

क्या कहते हैं लोग

पिछले साढ़े चार साल के दौरान क्षेत्र में जनता के बीच व जनता के लिए काम करते हुए नहीं देखे गए नेता बनकर घूमने वाले

इस संबंध में शनिवार को सदर विधानसभा क्षेत्र के राकेश कुमार, बरकट्ठा के पिंटू कुमार, बड़कागांव के राकेश महतो ने फोटो नहीं छापने की शर्त पर बताया कि हजारीबाग जिले में पांच विधानसभा हैं, जिनमें बड़कागांव विधानसभा, सदर विधानसभा, बरही, बरकट्ठा व मांडू शामिल हैं. जो लोग खुद को नेता बताते हुए अपनी दावेदारी पेश कर रहे हैं, उनमें से एक को भी जनता के बीच और जनता के लिए काम करते हुए पिछले साढ़े चार साल के दौरान नहीं देखा गया. ये लोग केवल अपने स्वार्थ की पूर्ति के लिए जनता को गुमराह करते हैं. चुनाव के दौरान सादे लिवास में घूमते हैं और चुनाव के बाद फिर ये कलरफुल हो जाते हैं. ऐसे में इन लोगों के असली मकसद को समझना मुश्किल नहीं है. ये लोग चुनाव के समय में शहर को पिंक सिटी बनाने की बात करते हैं, ताजमहल बनाने की घोषण करते हैं, लेकिन इन्हें यह नहीं दिखता क हजारीबाग जिले में ऐसे कई विकास कार्य हैं, जो वर्षों से रुके हुए हैं. अधूरी बिल्डिंग, अधूरी सड़क, नाली, गली, राशन कार्ड, वृद्धा पेंशन, विधवा पेंशन, आईटीआई, शिक्षा और स्वास्थ्य को लेकर किसी ने आवाज नहीं उठाई. अब जब चुनाव आया है तो ये लोग फिर से नए विकास कार्य करने की बात कर रहे हैं, जबकि सच्चाई यह है कि आज जितने भी विकास के काम रुके हुए हैं, उनमें से कुछ में नेताजी बिल्डर के साथ पार्टनरशिप हैं. यहां तक कि नल जल और शौचालय जैसी योजना में होने वाले गड़बड़झाले के मामले को दबा दिया और जनता के हक को छीन लिया गया. लेकिन इन्हें ऐसे मामलों से कोई लेना देना नहीं है. अब विधानसभा चुनाव की आहट होते ही बिना बुलाए ही उद्घाटन समारोह, शादी समारोह एवं अन्य निजी या सार्वजनिक कार्यों में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए गांव-गांव पहुंच रहे हैं और आम लोगों को जमकर बधाई दे रहे हैं.

हथियार दिखा जेवर लूटने वाले पांच धराये

संवाददाता। हजारीबाग

गीतांजलि ज्वेलर्स से लूटे गए जेवर भी बरामद

प्रेस वार्ता करते पुलिस अधीक्षक अरबिंद कुमार

सदर थाना क्षेत्र के कालीबाड़ी स्थित गीतांजलि ज्वेलर्स में हथियार दिखाकर जेवर लूटने वाले पांच आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. इसके साथ ही लूटे गए जेवर भी बरामद कर लिए हैं. पकड़े गए आरोपियों में डेविड मिंज, अविनाश कुमार, विद्या कुमार ,पंकज कुमार, विक्रम कुमार शामिल है. इनमें चार आरोपी कटकमदाग थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं, जबकि मास्टरमाइंड डेविड मिंज चतरा जिले के टंडवा का निवासी है. इस संबंध में शनिवार को पुलिस अधीक्षक अरविंद सिंह ने प्रेस वार्ता कर बताया कि 16 मार्च की रात 9:00 बजे गीतांजलि ज्वेलर्स में लूट की घटना का उद्भेदन करने के लिए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी शिवाशीष कुमार के नेतृत्व में टीम गठित की गई. घटना में प्रयुक्त दो ऑटोमेटिक पिस्टल गोली के साथ तथा घटना में उपयोग में लाई गई दो चोरी की बाइक बरामद की गई. दोनों बाइक बड़कागांव से फरवरी महीने में चोरी हुई थी. बताया कि यह लूटपाट का बड़ा गिरोह था और सभी आरोपी पेशेवर अपराधी हैं. डेविड मिंज टंडवा का रहने वाला है और इसके पास से आर्टिफिशियल ज्वेलरी, सीता हार, दो कंगन, गले का पतला चेन और बिना नंबर की बाइक एवं लूटा हुआ मोबाइल फोन बरामद किया गया है. वहीं अविनाश के पास से एक पिस्टल, एक मैगजीन, दो गोली, एक चैंबर, दो आर्टिफिशियल जेवर, सीता हार, कंगन एवं तीन निजी मोबाइल फोन बरामद हुए हैं, जबकि विद्या कुमार के पास से ज्वेलरी, सीता हार, चार कंगन एक चैन, एक चक्र गोली और पंकज कुमार के पास से आर्टिफिशियल ज्वेलरी व एक मोबाइल और बाइक की चाबी बरामद की है, जबकि विक्रम के पास से अपराध में शामिल बाइक, एक देसी पिस्तौल, दो गोली मैगजीन सहित बरामद किया गया है. चार आरोपियों पर पूर्व से भी मामला दर्ज है.

एनएच-3 पर बेहोश मिले व्यक्ति की मौत

हजारीबाग। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के अंतर्गत डेमोटांड़ एनएच 33 पर एक

व्यक्ति बेहोशी हालत में पड़ा हुआ मिला, जिसे देखकर ग्रामीणों ने पुलिस को सूचना दी. फिर ग्रामीणों ने एम्बुलेंस से ही उसे सदर अस्पताल पहुंचाया, इलाज के क्रम में उसकी मृत्यु हो गई. उसकी पहचान नहीं हो पाई है. शिनाख्त के लिए शव को मेडिकल कॉलेज अस्पताल के पोस्टमार्टम हाउस में में रखा गया है. मुफस्सिल थाना प्रभारी कुणाल कुमार ने अपील की है कि किसी के द्वारा शव की पहचान किए जाने पर थाना को इसकी सूचना दें.

दनुआ घाटी में दो ट्रक व कार आपस में भिड़े, लगा लंबा जाम

संवाददाता। चौपारण

खास बातें

- दुर्घटना में बाल-बाल बचे चालक और यात्री
- ढलान, स्पीड व जंपिंग सड़क हादसे की वजह

दनुआ घाटी मौत की घाटी के रूप में प्रचलित हो चुकी है. शुक्रवार देर रात चौपारण से बिहार जा रहा 12 चक्का ट्रक घाटी के तेज ढलान में तेज गति से जा रहा था. इस दौरान एनएचएआई द्वारा बनाई गई गति नियंत्रक जम्पिंग सड़क के पास चालक से वाहन बेकाबू हो कर डिवाइडर पर चढ़ गया, जिससे ट्रक पलट गया. इसके बाद रात भर अन्य वाहन किसी तरह निकलते रहे. सुबह में दूसरा ट्रक पलट कर उससे जा भिड़ा. इसके बाद एक कार भी पीछे से टकरा गई. शुक्र था कि दोनों बड़े वाहन और कार के चालक व सवार बाल-बाल बच गए. बता दें कि वाहन दुर्घटना के बाद चालक जल्दबाजी के कारण जैसे-तैसे वाहनों को निकालने लगते हैं, जिसके कारण जाम लग जाता है. लोग इस भीषण गर्मी में जंगल व पठारी क्षेत्र होने के कारण पानी के लिए त्राहिमाम करते हैं.

चमेली खदान में मासूमों की मौतों का जिम्मेवार है खनन विभाग : डॉ. मेहता

संवाददाता। हजारीबाग

डॉ. आरसी मेहता ने शनिवार को चमेली खदान स्थल का निरीक्षण किया.

कांग्रेस नेता डॉ. आरसी मेहता ने शनिवार को चमेली पत्थर खदान स्थल का निरीक्षण करने के बाद कहा कि हजारीबाग के नेशनल पार्क के समीप जंगलों के बीच चमेली पत्थर खदान में दर्जनों मासूमों की जंगली पशुओं के हमले में मौत हो चुकी है. तीन दिन पूर्व 16 वर्षीय जमन अब्बास दुर्घटना का शिकार हो चुका है, जिसका जिम्मेवार मुख्य रूप से हजारीबाग खनन विभाग है, क्योंकि खनन नियम के मुताबिक खनिज निकालने के बाद उसे बालू या अन्य सामग्री से भर कर जानमाल को सुरक्षित करना है. उक्त स्थान पर पर्यावरण सुरक्षित करने हेतु पौधा लगाना या सुंदरीकरण करना है, परंतु खनन विभाग झारखंड में ऐसा नहीं कर नियम का उल्लंघन कर रहा है.

'चमेली झरने को डेंजर जोन घोषित करे प्रशासन'

हजारीबाग। इचाक प्रखंड के चमेली झरना में गुरुवार को जीसन अब्बास की मौत डूबने से मौत हो गयी. जानकारी के अनुसार, जीसन अपने चार पांच साथियों के साथ रील बनाने के उद्देश्य से आया हुआ था. वह रील बनाकर नहाने के लिए पानी में उतरा, गहराई में जाने के बाद उसका अता पता नहीं चला. शनिवार सुबह छह बजे एनडीआरफ की टीम पहुंची. 48 घंटे के बाद भी शव बरामद नहीं हो पाया था. इस घटना को लेकर बरकट्ठा विधानसभा क्षेत्र के युवा नेता गौतम कुमार ने कहा कि इससे पूर्व भी कई व्यक्तियों की मौत इस जगह हो चुकी है, लेकिन अब तक जिला प्रशासन इस स्थान को डेंजर जोन घोषित क्यों नहीं किया? जिला प्रशासन चमेली झरना की बेरिकेडिंग करते हुए चेतावनी का बोर्ड जल्द से जल्द लगाने का काम करे.

नहीं मिला इलाज, सर्पदंश से अबोध बालक की मौत

सतगावां। मरचोई निवासी शंकर सिंह के पुत्र की समय पर इलाज नहीं मिलने के कारण सर्पदंश से मौत हो गई. जानकारी के मुताबिक शंकर सिंह के पांच माह के पुत्र रोहित कुमार को रात में सोते समय सांप ने डस लिया. परिजन बालक को लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे, जहां कोई चिकित्सक नहीं मिला. ऐसे में इलाज के अभाव में अबोध बालक की मौत हो गयी. शुक्रवार की रात ड्यूटी रोस्टर के अनुसार डॉ. प्रियांशु कुमारी की ड्यूटी थी, लेकिन वो ड्यूटी से अनुपस्थित थी. मामले की जांच को लेकर जिला भू-अर्जन पदाधिकारी पूनम कुजूर शनिवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंची. उन्होंने मीडिया को बताया कि ड्यूटी रोस्टर के अनुसार चिकित्सक डॉ. प्रियांशु कुमारी अपनी ड्यूटी से अनुपस्थित थी. उन्होंने प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी से बात नहीं होने की बात कही.

भाजपा नेता ने कहा- बिना पार्टी बदले 30 वर्षों से कर रहे पार्टी का काम

मौका मिलेगा तो लड़ेंगे चुनाव : अभिमन्यु

संवाददाता। हजारीबाग

प्रेस वार्ता करते भाजपा नेता अभिमन्यु प्रसाद व अन्य.

विधानसभा चुनाव को लेकर नेता अब धीरे-धीरे तैयारी में जुटने लगे हैं. शनिवार को भाजपा नेता भैया अभिमन्यु प्रसाद ने अपने आवास पर एक प्रेस वार्ता के आयोजन किया. उन्होंने कहा कि पिछले 30 वर्षों से बिना पार्टी बदले हुए भाजपा के लिए समर्पण के साथ काम कर रहे हैं. शहर से लेकर गांव तक पार्टी का प्रचार प्रसार कर रहे हैं. अब अगर भाजपा नेतृत्व मौका देंगे तो हम विधानसभा चुनाव लड़ेंगे. उन्होंने यह भी बताया कि लोकसभा चुनाव में पार्टी ने कोडरमा लोकसभा क्षेत्र का प्रभारी बनाया गया था, जिसका ईमानदारी से निर्वहन किया. 9 जून को प्रधानमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह में भी दिल्ली अतिथि के रूप में बुलाया गया है. उन्होंने बताया कि अभी भाजपा कार्यालय झंडा चौक के पास है, लेकिन अब हजारीबाग जिले में पहली बार भाजपा का अपना कार्यालय खुलने जा रहा है, जहां भाजपा कार्यकर्ता बैठकर आम जनता के हित के लिए काम कर सकते हैं. उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा में लोग आते जाते रहते हैं. चुनावी माहौल में कई लोग आएंगे और कई लोग जाएंगे, लेकिन हम भाजपा के लिए वर्षों से कम कर रहे हैं और करते रहेंगे. क्षेत्र के विकास के लिए लगातार आवाज उठाते आ रहे हैं और उठाते रहेंगे. वहीं भाजपा नेता बटेश्वर प्रसाद मेहता ने कहा कि हजारीबाग में हाथियों का आतंक देखा जा रहा है. वहीं चमेली झरने में हो रही दुर्घटनाओं को प्रशासन को संज्ञान लेने की जरूरत है. उन्होंने यह भी कहा कि जंगल में हाथी नहीं, बल्कि हम लोग हाथी के घर में जा रहे हैं. मौके पर भाजपा नेता भैया अभिमन्यु प्रसाद, बटेश्वर मेहता, मूलचंद साव, जितेंद्र जैन आदि उपस्थित थे.

पहल

चौपारण प्रखंड में पहली बार बिना किसी विवाद के संपन्न हुआ लोकसभा चुनाव

पुलिस अधीक्षक ने चौपारण थाना प्रभारी को किया सम्मानित

संवाददाता। चौपारण

चौपारण थाना प्रभारी दीपक कुमार को सम्मानित करते एसपी अरबिंद कुमार.

खास बातें

- एसपी ने थाना प्रभारी दीपक कुमार के कार्यों को सराहा
- कहा-इनके कुशल नेतृत्व ने भयमुक्त वातावरण बनाया
- दीपक कुमार एमसीसी लगने से ठीक पहले बने थे प्रभारी

लोकसभा चुनाव शांतिपूर्ण संपन्न कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले कई पुलिस अधिकारियों को पुलिस अधीक्षक अरबिंद कुमार सिंह ने प्रशस्ति पत्र देकर शुक्रवार को सम्मानत किया. इनमें चौपारण थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह शामिल रहे. प्रशस्ति पत्र में कहा कि इनके कुशल नेतृत्व, अथक प्रयास एवं कठिन मेहनत से लोकसभा चुनाव निष्पक्ष, भयमुक्त एवं शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हो सका. इनका कार्य काफी सराहनीय है. ज्ञात हो कि लोकसभा चुनाव की आचार संहिता लगने के ठीक 28 दिन पहले 18 फरवरी को चौपारण में 38वें थाना प्रभारी के तौर पर दीपक कुमार सिंह ने पदभार ग्रहण किया था. जिले के सबसे बड़े प्रखंड और बिहार राज्य की सीमा से सटे होने के कारण लोकसभा चुनाव के ठीक पहले प्रशासनिक कमान किसी चुनौती से कम नहीं थी, लेकिन इन्होंने अपनी बेहतर कार्यशैली की बदौलत एसडीओ जोहान टूटू, डीएसपी सुरजीत कुमार व निर्वाचन पदाधिकारी सह सीओ संजय यादव के मार्गदर्शन में मिलकर चुनाव को शांतिपूर्ण संपन्न करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.

पहली बार बिना किसी हो हल्ला, बिना किसी विवाद के प्रखंड के सभी 170 बूथों पर मतदान संपन्न हुआ. मालूम हो कि इनके पदभार ग्रहण के चार माह से भी कम दिनों में ही इन्होंने 60 से अधिक गांजा, डोडा, अफीम, चरस, ब्राउन और पशु तस्करों को जेल भेज चुके हैं. वहीं चुनाव आचार संहिता लगने के बाद थाना क्षेत्र में दो दर्जन से अधिक कार्रवाई में दो करोड़ के अधिक मूल्य के मादक पदार्थों को भी जब्त कर अपने नाम रिकॉर्ड दर्ज कर चुके हैं.

झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति ने डीसी को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता। रामगढ़

झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति के प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त, अनुमंडल कार्यालय, श्रम अधीक्षक, नियोजनालय पदाधिकारी को मजदूरों की समस्या को लेकर मांग पत्र सौंपा है. इसमें कहा गया कि आउटसोर्सिंग कंपनी आरए माइनिंग प्राइवेट लिमिटेड सयाल डी कोलियरी बरका स्याल एरिया में 26 जनवरी से कार्य के बदले दोगुना मजदूरी की मांग मजदूर कर रहे थे. सीसीएल परियोजना पदाधिकारी कैंप पहुंचकर इन सभी को मजदूरी न देकर अभद्र व्यवहार व अमानवीय व्यवहार किया गया. इन व्यक्तियों को काम से निकाल दिया है, जिसमें हीरालाल महतो, विद्युत करमाली, वीरेंद्र महतो, वसंत चौहान, रितेश कुमार सिंह, द्वारिका महतो, मंजर अंसारी, रवि विश्वकर्मा, इरफान अंसारी इत्यादि मजदूर शामिल हैं. सभी मजदूर बरका सयाल में कार्यरत हैं लेकिन ट्रांसफर के नाम पर इन सभी को काम से बैठा दिया गया है. प्रतिनिधिमंडल में मुख्य रूप से केंद्रीय संगठन महामंत्री रवि महतो, राजेंद्र बेदिया, केंद्रीय उपाध्यक्ष युवा मोर्चा पनेश्वर महतो, जिला कोर कमेटी सदस्य गिरी शंकर महतो, जिला मीडिया प्रभारी रमेश कुमार महतो, सक्रिय सदस्य संजीव साहू, प्रभु दयाल महतो, द्वारिका महतो, विद्युत करमाली, बसंत चौहान रितेश सिंह, हीरालाल महतो आदि उपस्थित थे.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष शाम से मानसिक तनाव बढ़ सकता है. किसी से विवाद हो सकता है. बेकार की बहस से बचें. माता सुख मैं कमी करेगा. कार्यस्थल पर जो लोग आपको पसंद नहीं करते थे, वे आपके कार्यों की तारीफ करेंगे. मंदिर में जल का दान करें.

वृषभ समय उत्तम है. भाई का सहयोग प्राप्त होगा. साथ ही पराक्रम में वृद्धि होगा. मानसिक उलझन होगा. आपके अपनों को आपकी जरूरत है. अपनो के साथ मौज मस्ती पर खर्च होगा. पिता के व्यवहार में परिवर्तन से चिंतित रहेंगे.

मिथुन दिन उत्तम है. किया गया कार्य लाभ देगा. मानसिकता को बदलने की बेहद जरूरत है. उन्नति में बाधा आयेगी. कोई खुशखबरी सुन सकते हैं. की गयी छोटी यात्रा सुखद रहेगी. विष्णु भगवान का ध्यान पूजन करें.

कर्क कोई बड़ा लाभ हो सकता है. किसी की सिफारिश से कार्य हो सकता है. संचित धन का निवेश लाभप्रद रहेगा. किसी के बहकावे में आने से रिश्ते कमजोर होंगे. अपनों का ध्यान रखें. संतान सुख की प्राप्ति संभव. शिवलिंग पर अभिषेक करें.

सिंह खर्च अधिक होगा. किसी धार्मिक यात्रा का योग है. दिन की शुरुआत खर्च के साथ होगी. किसी विषय को समझने की जिज्ञासा रहेगी. अपने अधीनस्थों के किये कार्यों की सराहना करें, लाभ होगा. विष्णु भगवान का ध्यान पूजन करें.

कन्या समय बहुत ही उत्तम है. आय भाव में चन्द्र है. कुछ नया सीखने को मिलेगा. जिंदगी से जुडी निजी बातें आज सामने आ सकती हैं. नौकरी में उत्साह की कमी रहेगी. कोई बड़ा कार्य होने से मनखुश होगा. अन्न दान करें.

तुला पिता के कार्य से लाभ होगा. आप कर्म प्रधान है. प्रतियोगिता में सफल होंगे. जीवनसाथी के साथ मतभेद संभव है. अपने कार्य के प्रति ईमानदार रहें. मनचाहा जवाब न मिलने से निराश रहेंगे. लक्ष्मी मंदिर में अन्न का दान करें.

वृश्चिक ससुराल से कोई शुभ समाचार मिलेगा. भाग्य साथ है. पर स्वयं अपने आपपर से नियंत्रण खो देंगे. आपके किसी गलत व्यवहार से मित्रों से मतभेद हो सकता है. कार्य स्थल पर धन लाभ के योग हैं. इष्ट बल मजबूत करें.

धनु समय थोड़ा उलझन वाला होगा. अपने प्रोफेशन से आप नाखुश हैं, समय के साथ स्थिति आपके अनुकूल बनेगी. जीवनसाथी का व्यवहार मनोबल बढ़ाएगा. कर्ज लेने की स्थिति निर्मित हो सकती है. गौ सेवा से लाभ होगा.

मकर जरूरत मंद लोगों की मदद करें. मांगलिक कार्यक्रमों की रूप रेखा बनेगी. राजनीतिक कार्यक्रमों में शामिल होंगे. यदि बहुत जरूरी हो तो यात्रा करें. पैसों का लेन देन संभव. खान पान पर ध्यान दें. स्वास्थ्य बिगड़ सकता है.

कुंभ घरेलू कार्यों में व्यस्त रहेंगे. विद्यार्थी परिणामों को लेकर चिंतित रहेंगे. मेहमानों का आगमान हो सकता है. जमीन जायदाद के मसले निपटेंगे. धन कमाने की चाह में कोई गलत फैसले न लें. शनि की वस्तु का दान करें.

मीन संतान के कर्म से लाभ होगा. धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी. लोगों से प्रोत्साहन मिलेगा. पारिवारिक रिश्ते मजबूत होंगे. मित्रों के साथ समय व्यतीत होगा. बुरी संगत छोड़ दें, अन्यथा नुकसान होगा. पीला वस्तु का दान करें.

छात्रों ने एनटीए के खिलाफ सड़क पर उतर कर जमकर लगाए नारे

नीट रिजल्ट पर कोचिंग संस्थानों ने एक सुर में कहा- री एग्जाम हो

शुभम किशोर। रांची

नीट परीक्षा के रिजल्ट को लेकर पूरे देश में हंगामा मचा है. इसी क्रम में रांची में सभी कोचिंग संस्थान एक मंच पर आकर री एग्जाम कराने की मांग कर रहे हैं. इस दौरान नीट के छात्रों ने सड़क पर उतरकर एनटीए का विरोध किया. शनिवार को प्रेस क्लब में आयोजित प्रेसवार्ता में बायोम इंस्टीट्यूट, न्यूटन ट्यूटोरियल, ब्रदर्स एकेडमी, द पाठशाला और ब्लैकबोर्ड संस्थान के प्रतिनिधि मौजूद थे.

बायोम के डायरेक्टर पंकज सिंह ने कहा कि नीट के रिजल्ट में बहुत सी खामियां हैं. जितने भी एग्जाम हुए हैं, उसे इतने सारे स्टूडेंट पूरा नंबर नही ला सके हैं. लेकिन इस बार 67 स्टूडेंट को पूरे मार्क्स दिए हैं. पंकज सिंह ने कहा कि एनटीए ने ग्रेस मार्क्स से टॉपर नही बना सकते हैं. इस कारण दूसरे बच्चों को अच्छे कॉलेज नही मिल रहे हैं. इसके साथ एक सेंटर से 6 बच्चे फुल मार्क्स ला रहे है. ये संदेह के घेरे में आ रहा है. इसके अलावा बच्चों का मार्क्स इतना ज्यादा आ गया कि उनको कॉलेज ही नहीं मिल रहा, तो बच्चे मार्क्स लेकर करेंगे क्या. हमारी मांग है कि कोशिश करें कि एग्जाम रिकंडक्ट हो और ग्रेस मार्क्स नहीं दिया जाए. हजारों मेहनती बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं किया जाए. करियर काउंसलर विकास कुमार ने कहा कि एनटीए ने जो परीक्षा ली है, उसमे धांधली हुई है. इसमें पेपर लीक, एग्जाम सेंटर पर सेटिंग और ग्रेस मार्क्स से नंबर को बढ़ाया गया है. इस कारण हमारी मांग पूरा नीट एग्जाम दोबारा लेने को लेकर है. उन्होंने रिजल्ट जल्दी जारी किए जाने पर भी सवाल उठाए है. न्यूटन ट्यूटोरियल के इमरान अली ने कहा कि हमारी मांग यही है कि एनटीए ने ग्रेस मार्क्स के चलते जिन्होंने सिंपल सिचुएशन में एग्जाम लिखा, जिनके मार्क्स कट ऑफ के पार थे, उनके साथ जो अन्याय हो रहा है. उसके लिए एनटीए क्या करेगी. इसके साथ सभी संस्थानों ने एक सुर में कहा कि इस परीक्षा में गड़बड़ी हुई है. अभी के रिज़ल्ट को देखकर यह कहा जा सकता है कि 720 नंबर किसी बच्चे को नहीं मिल सकता है. इस बार 640 नंबर पाने वाले लोगो को भी कॉलेज नहीं मिल रहा है. ग्रेस मार्क सिस्टम का नियम हटाने की जरूरत है. अगर ऐसा नहीं हुआ तो यह एक नियम बन जाएगा. अगर ऐसा हुआ तो बच्चों का मनोबल कमजोर होगा, जो बच्चों के भविष्य के लिए ठीक नहीं है. एनटीए को चाहिए कि जहां पर भी पेपर लीक होने की बातें सामने आयी है वहां पर पुनः परीक्षा कराने की जरूरत है.

01

02

(1) रिजल्ट को लेकर प्रदर्शन करते विद्यार्थी (2) प्रेस वार्ता को संबोधित करते सभी इंस्टीट्यूट के प्रतिनिधि.

संस्थानों ने उठाए सवाल

- जहां 4 टॉपर अधिकतम होते थे, वहां 67 बच्चों का टॉप करना एक धांधली.
- कुछ को 718, 719 नंबर मिले, जो मिलना असंभव है.
- नीट परीक्षा के एक सेंटर से एक ही रोल नंबर की सीरिज में 6 बच्चे रैंक वन कैसे ?
- सिस्टम में खामी से 650 से ज्यादा नंबर लाने वाले 3 गुणा बढे.
- ग्रेस मार्क्स वाले बच्चे कैसे बने टॉपर ?
- बहुत सारे परीक्षा सेंटर पर पेपर लीक की खबरें आयीं, तो एनटीए ने बिना एक्शन लिए कैसे रिजल्ट जारी किया.

आलमगीर को मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने की नहीं जुटा पा रहे हिम्मत

चंपाई जैसा रीढ़विहीन मुख्यमंत्री आज तक नहीं देखाः बाबूलाल

खास बातें

- बोले-सीएम ने विभाग वापस लिए,मंत्री पद से नहीं हटाया
- सीएम नियुक्ति प्रक्रिया में पारदर्शिता लाएं

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने सीएम चंपाई सोरेन पर निशाना साधा है. सोशल मीडिया एक्स में लिखा है कि झारखंड ने चंपाई सोरेन जैसा रीढ़विहीन मुख्यमंत्री आज तक नहीं देखा. आलमगीर आलम के भ्रष्टाचार उजागर होने के बावजूद चंपाई सोरेन उन्हें मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे. सूचना के मुताबिक कठपुतली मुख्यमंत्री ने आलमगीर आलम के दायित्व वाले विभाग वापस लिए हैं, लेकिन मंत्री पद से नहीं हटाया है.

पिछला चार साल युवाओं के लिए रहा भारी : बीते 4 साल झारखंड की जनता विशेषकर युवाओं के लिए भारी रहे हैं. झारखंड के युवा नौकरी की आस में टकटकी लगाए बैठे रहे लेकिन हेमंत सोरेन ने स्थानीय युवाओं को नियोजन नीति, 60:40, बाहरी-भीतरी और पेपर लीक जैसे मुद्दों में उलझा कर नौकरियों की सौदेबाजी करने का प्रयास किया. हेमंत के जेल जाने के बाद जनता को आस थी कि चंपाई सोरेन नियुक्ति प्रक्रिया में पारदर्शिता लाएंगे, भ्रष्टाचार को रोकेंगे, अपराधियों पर लगाम कसेंगे लेकिन हुआ इसके ठीक विपरीत. अब जनता तय करे कि ऐसा मुख्यमंत्री किस काम का. जो ना तो भ्रष्टाचारियों पर कारवाई करने की हिम्मत रखता हो, ना पेपर लीक माफियाओं को सबक सिखाने की हिम्मत रखता हो, ना ही युवाओं को रोजगार देने की इच्छाशक्ति हो.

आज भाजपा मनाएगी सभी मंडलों में उत्सव

प्रमुख संवाददाता। रांची

नौ जून को भाजपा सभी मंडलों में उत्सव मनाएगी. पार्टी के प्रदेश पदाधिकारी, मोर्चों के प्रदेश अध्यक्ष, जिलों के अध्यक्ष, प्रभारी, लोकसभा, विधानसभा क्षेत्र के संयोजक, प्रभारी सहित हजारों कार्यकर्ता नौ जून को तीसरी बार मोदी सरकार के भव्य शपथ ग्रहण समारोह के साक्षी बनेंगे. प्रदेश भाजपा ने झारखंड के सभी सांगठनिक मंडलों में शपथ ग्रहण के अवसर पर उत्सव मनाने का निर्णय लिया है. इस संबंध में प्रदेश मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी,प्रदेश संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह ने सभी मंडलों में आवश्यक दिशा निर्देश दे दिए हैं. बाबूलाल मरांडी ने कहा कि झारखंड की जनता ने एनडीए के पक्ष में जनादेश दिया है. कार्यकर्ताओं ने तीसरी बार मोदी सरकार बनाने का संकल्प लिया था जो साकार हो रहा है. प्रदेश से भी कार्यकर्ताओं के परिश्रम से भ्रष्ट, निकम्मी और तुष्टिकरण में आकंठ में डूबी ठगबंधन सरकार को सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाया जाएगा. जनता विधानसभा चुनाव का बेसब्री से इंतज़ार कर रही है.

आखिर युवा किस हद तक संघर्ष करें

बाबूलाल ने आगे लिखा है कि नगर विकास विभाग में नियुक्ति के लिए अभ्यर्थियों ने अपनी कड़ी मेहनत से परीक्षा उत्तीर्ण की. मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने मार्च में नियुक्ति पत्र देते समय अपने पोस्टर थमा कर खूब वाहवाही भी बटोरी. अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र मिले 3 महीने से ज्यादा बीत चुके हैं लेकिन उन्हें अब तक पदस्थापना नहीं मिली है. एक तो नियुक्ति का विज्ञापन नहीं आता, अगर विज्ञापन आया तो परीक्षा नहीं. परीक्षा हुई तो नियुक्ति नहीं नियुक्ति हुई तो पदस्थापना नहीं... आखिर युवा किस हद तक संघर्ष करे?

जेईई एडवांस का रिजल्ट आज सुबह 10 बजे, एक्टिव होगा लिंक

फाइल फोटो.

मुख्य संवाददाता | जमशेदपुर

देश के विभिन्न भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) में दाखिले के लिए वर्ष आयोजित जेईई एडवांस्ड परीक्षा में शामिल परीक्षार्थियों का इंतजार अब खत्म होनेवाला है. इस बार इस परीक्षा का आयोजन आईआईटी मद्रास की ओर से किया गया था, जो रविवार (9 जून) को रिजल्ट की घोषणा करेगा. इस परीक्षा में शामिल परीक्षार्थी जेईई एडवांस्ड की आधिकारिक वेबसाइट jeeadv.ac.in के माध्यम से अपना रिजल्ट देख व डाउनलोड कर सकेंगे. शेड्यूल के अनुसार जेईई एडवांस्ड के रिजल्ट का लिंक रविवार की सुबह 10 बजे एक्टिव होगा. रिजल्ट देखने के लिए विद्यार्थियों को अपने लॉगिन क्रेडेंशियल यानी आवेदन संख्या और जन्मतिथि का उपयोग करना होगा. जेईई एडवांस्ड परीक्षा का आयोजन पिछले 26 मई को दो पालियों में किया गया था. इसके लिए शहर में दो परीक्षा केंद्र बनाये गये थे. इस परीक्षा में शहर व आसपास के क्षेत्रों से करीब 700 परीक्षार्थी शामिल हुए थे.

सिमडेगा में तीन सब इंस्पेक्टर रैंक के अफसरों का तबादला

रांची ।झारखंड समेत देशभर में लगभग तीन महीने के बाद आचार संहिता छह जून को खत्म हो गयी. इसके बाद झारखंड पुलिस में ट्रांसफर-पोस्टिंग की प्रकिया शुरू हो गयी है. विधि व्यवस्था को देखते हुए जिलों के एसपी द्वारा थानेदारों की ट्रांसफर-पोस्टिंग की जा रही है. सबसे पहले शुक्रवार को पाकुड़ जिले में दो इंस्पेक्टर समेत 16 पुलिस पदाधिकारियों के तबादला किया गया. शनिवार को भी सिमडेगा जिले में तीन सब इंस्पेक्टर रैंक के पुलिस पदाधिकारियों का तबादला किया गया. आने वाले दिनों में कई जिलों में बड़े पैमाने पर पुलिस पदाधिकारियों का तबादला किया जायेगा.

बढ़े बकाये वेतन-पेंशन भुगतान के मामले पर जताई चिंता

रांची। रांची जीपीओ में ऑल इंडिया पोस्टल/ आरएमएस पेंशनर्स एसोसिएशन की बैठक केडी रॉय व्यथित की अध्यक्षता में शनिवार को संपन्न हुई. स्वप्न कुमार रॉय, पूर्व मुख्य लेखा अधिकारी के निधन पर 2 मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि दी गई. राज्य सचिव ने मई माह में हुई गतिविधियों व पेंशनर्स के मेडिकल बिल की मंजूरी की प्रगति आदि की चर्चा करते हुए कहा कि 6 जून को सीजीएचएस के खिलाफ अतिरिक्त निदेशक रांची एवं निदेशक दिल्ली को धरना का नोटिस देने के बाद 18 मई को एसोसिएशन के प्रतिनिधियों के संग बैठक आहुत की गई. बैठक में अतिरिक्त निदेशक सीजीएचएस ने लिखित आश्वासन दिया कि एक माह के अंदर बिल क्लियर कर दिया जायेगा. फिर अतिरिक्त निदेशक के आदेश पर 31 मई को बिल की प्रगति को लेकर समीक्षा बैठक की गई. बैठक में अतिरिक्त निदेशक ने 23 सौ बिल की मंजूरी दिये जाने की बात कही.

पेज एक का शेष

सोनिया गांधी सीपीपी चेयर पर्सन...

इसमें इंडिया गठबंधन के सहयोगी दलों को भी धन्यवाद दिया गया. कार्य समिति ने राहुल गांधी से नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी संभालने का आग्रह करते हुए भी एक प्रस्ताव पारित किया. वेणुगोपाल ने संवाददताओं से कहा कि कार्य समिति ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर आग्रह किया कि राहुल गांधी नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी संभालें. उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने कार्य समिति के सदस्यों के विचार सुने और कहा कि वह इस बारे में जल्द फैसला करेंगे. वेणुगोपाल ने कहा, चुनाव के दौरान हमने बेरोजगारी, महंगाई, महिलाओं के मुद्दे और सामाजिक न्याय जैसे कई महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए. इन मुद्दों को अब संसद के अंदर अधिक प्रभावी ढंग से उठाने की आवश्यकता है. संसद में इस अभियान का नेतृत्व करने के लिए राहुल जी सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति हैं. कार्य समिति की बैठक में उन राज्यों के परिणाम को लेकर भी चर्चा की गई जहां पार्टी का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है. कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा, जिन राज्यों में हमारा प्रदर्शन उम्मीद के अनुसार नहीं रहा है, उनकी समीक्षा के लिए समिति का गठन किया जाएगा. समिति अपनी रिपोर्ट कांग्रेस अध्यक्ष को सौंपेगी.

कड़िया मुंड़ा ने नरेंद्र मोदी को लिखा पत्र, कहा-

खूंटी सहित चार जनजातीय सीटों से भाजपा के पराजय से आहत हूं

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाजपा के पूर्व सांसद कड़िया मुंडा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है. पत्र में कहा है कि उम्र के इस पड़ाव पर झारखंड के संगठन की वास्तविक स्थिति और भगवान बिरसा के जन्मभूमि और अन्य चार जनजातीय सीटों पर भाजपा के पराजय से आहत हूं.

क्या लिखा है पत्र में

कड़िया मुंडा ने पत्र में कहा है कि आप एनडीए के नेता मनोनीत हुए हैं, इसकी भी बहुत-बहुत शुभकामना, भारतीय जनता पार्टी के पूर्व अध्यक्षों श्रद्धेय अटल जी, अडवाणी जी, श्री मुरली मनोहर जोशी जी से लेकर आज तक 60 दशक हमने विजय पराजय के साथ तत्कालीन जनसंघ से आज तक के भारतीय जनता पार्टी के 14 माननीय अध्यक्षों के साथ कार्य का अनुभव आपके साथ साझा कर रहा हूं. इसके लिए अनहद शब्द उपयुक्त है. आपके अद्भुत, दैविक नेतृत्व ने आपने भारत को शीर्ष पर स्थापित किया है, और इस कारण आप यह विश्व की विशाल पार्टी संगठन के रूप में स्थापित हुआ है, आपके नेतृत्व में और सफलीभूत होगा और यह होना भी चाहिए, आज परिणाम प्रतिकूल आये हैं, इस परिस्थिति में भी आपकी स्थिरप्रज्ञता को देख अंचभित हूं, आपके चार जून और पांच जून के संबोधन को अक्षरशः सुनकर मैं गर्व से, अंतर से आपको साधु साधु-साधु. कहने को विवश हूं.

पांच सीटों पर भाजपा के पराजय से आहत हूं : आप यशस्वी हों, यह मेरी शुभकामना है. साथ ही उम्र के इस पड़ाव पर झारखंड के संगठन की वास्तविक स्थिति और भगवान बिरसा की जन्मभूमि और अन्य चार जनजातीय सीटों पर भाजपा के पराजय से आहत हूं. आशा है माननीय अध्यक्ष को आप मेरी इस चिंता से जरूर अवगत करायेंगे.

कंटेनर में लगायी गयी थी आग : रंगदारी नहीं देने पर घटना को दिया गया था अंजाम

आगजनी करने वाले पांच अपराधी गिरफ्तार

संवाददाता। रांची

रांची के मैक्लुस्कीगंज में एसआइपीएल की साइट पर हमला कर कंटेनर में आगजनी करने वाला पांच अपराधी गिरफ्तार हुआ है. जिनमें रवि मुंडा, महेश उरांव, रूपेश पाहन, दिनेश उरांव और अनीश केरकेट्टा शामिल है. इनके पास से पुलिस ने एक पिस्टल, एक देसी कट्टा, छह राउंड गोली समेत अन्य सामान बरामद हुआ है. एसएसपी चंदन सिन्हा ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर यह जानकारी दी. गिरफ्तार अपराधियों ने पुलिस के समक्ष स्वीकार किया कि ठेकेदार से दो लाख की रंगदारी की मांग की गई थी. जिसके बाद ठेकेदार द्वारा बीस हजार रंगदारी देने का बाद तय हुआ था. ठेकेदार के द्वारा वह भी पैसा हम लोगों को नहीं दिया गया. जिससे गुस्सा होकर आगजनी की घटना को अंजाम दिया इस घटना में कई अन्य अपराधी शामिल है जिसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है.

संवाददाता सम्मेलन में जानकारी देते एसएसपी व अन्य अधिकारी.

ऑनलाइन जुआ खेलाने वाले गिरोह के 8 गिरफ्तार

ऑनलाइन जुआ खेलाने वाले गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है. एसएसपी चंदन सिन्हा के निर्देश पर पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए मास्टरमाइंड समेत आठ लोगों गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार हुए लोगों में मास्टरमाइंड दीपक टंडन के अलावे शुभम कुमार, विनय कुमार, निरज कुमार रजवार, विकाश कुमार, सागर कुमार और आदित्य कुमार शामिल है. एक अवैध पिस्टल, और 13 भिन्न-भिन्न व्यक्तियों का एटीएम कार्ड बरामद हुआ. एसएसपी ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर यह जानकारी दी.

क्या है मामला

मैक्लुस्कीगंज थाना क्षेत्र के दुल्ली स्थित करम कोचा में बीएसएनएल के लिए ऑप्टिकल फाइबर बिछानेवाली कंपनी एसआइपीएल की साइट पर 28 मई देर रात हथियारबंद अपराधियों ने ताबड़तोड़ फायरिंग की और एक कंटेनर में आग लगा दी थी. इस दौरान डर से कंटेनर में छुपा मजदूर जिंदा जल गया. उसकी पहचान बिहार के औरंगाबाद जिले के मदनपुर स्थित छल्लीदोहर गांव निवासी संजय भुइयां (25) के रूप में हुई थी. आगजनी में कंटेनर के अंदर रखी एचडीडी मशीन, डीजी ट्रैकर सहित करोड़ों के अन्य सामान जल गये थे. घटना के बाद अपराधी वहां से नारेबाजी करते हुए निकल गये.

जगन्नाथपुर विस गीता कोड़ा को अपने ही क्षेत्र में जनता ने नकारा, विस क्षेत्र में बढ़ी चुनौती

कोड़ा दंपती के गढ़ में जोबा को मिले 20977 ज्यादा वोट

खास बातें

- गीता कोड़ा की सबसे बड़ी हार दल बदलने के कारण हुई
- खराब जलमीनार की मरम्मत भी गीता कोड़ा ने नहीं करायी

संवाददाता | चाईबासा

सिंहभूम लोकसभा में भाजपा की प्रत्याशी गीता कोड़ा को इस बार अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी झामुमो की प्रत्याशी जोबा माझी से भारी मतों से हार का सामना करना पड़ा है. सिंहभूम में भाजपा की हार की चर्चा अब तक कम नहीं हुई है. सबसे अधिक चिंता कोड़ा दंपती को अपने क्षेत्र में हार मिलने से है.

बताया जाता है कि जगन्नाथपुर विधानसभा कोड़ा दंपती का गढ़ माना जाता है. लेकिन इस बार अपने गढ़ में भी अस्तित्व नहीं बचा पायी. जगन्नाथपुर विधानसभा में गीता कोड़ा ने 49105 मत ही प्राप्त किए. जबकि जोबा माझी 70082 मत प्राप्त की है. लगभग 21 हजार मतों के अंतर से गीता कोड़ा पीछे रहीं. अब गीता कोड़ा को विधानसभा में भी चुनौती का सामना करना पड़ेगा. जगन्नाथपुर की जनता ने कोड़ा दंपती को पूरी तरह से नकार दिया है.

बताया जाता है कि गीता कोड़ा की सबसे बड़ी हार दल बदलने के कारण हुई है. इसके साथ ही जगन्नाथपुर का विकास नहीं होना. जगन्नाथपुर के मुख्य मार्ग को छोड़ कर ग्रामीण क्षेत्र में कनेक्ट होने वाली सड़क जर्जर है.

वर्षों से वहां की सड़कें नहीं बनी हैं. इसके साथ ही ग्रामीण क्षेत्र में सरकारी योजनाओं से लोग लाभान्वित नहीं हो पा रहे हैं. पेयजल की समस्या सबसे अधिक है. गांव में कई जगह पर जलमीनार खराब है. इसकी मरम्मत सांसद रहते गीता कोड़ा ने नहीं करायी. इसके अलावा जन समस्याओं पर गंभीर नहीं होना महंगा पड़ा है.

जब-जब चाईबासा नरेंद्र मोदी पहुंचे,तब-तब भाजपा हारी

सिंहभूम लोकसभा सीट के लिए जब-जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चाईबासा वोट मांगने के लिए पहुंचे हैं तब-तब भाजपा को हार का सामना करना पड़ा है. 2019 से लेकर अब तक दो बार चुनाव प्रचार करने के लिये नरेंद्र मोदी चाईबासा पहुंचे. दोनों बार भाजपा को हार ही मिली है. 2019 व 2024 में इंडिया गठबंधन को ही सीट मिली है.

90% मुंडारी भाषा बोलने वाले प्रखंड को किया दरकिनार : सबरन मुंडा

संवाददाता। रांची

मुंडारी भाषा उलगुलान मंच के सैकड़ों लोगो ने बुंडु शिक्षा विभाग को शनिवार को ज्ञापन सौंपा. लोगों ने कहा कि प्राथमिक विद्यालयो में मुंडारी भाषा सर्वेक्षण त्रुटिपूर्ण है. सामाजिक कार्यकर्ता सबरन सिंह मुंडा ने कहा कि बुंडू प्रखंड में दर्जनों प्राथमिक विद्यालय है. नई शिक्षा नीति राज्य में लागू की गई है. बुंडू प्रखंड में मुंडारी भाषा बोलने वाली 90 प्रतिशत लोग है. मुंडारी के अलावा और कोई भाषा नहीं बोली जाती है. इसके बाद भी बुंडू प्रखंड को अन्य भाषा से जोड़ दिया गया. जनजातीय भाषा को जानबूझकर दरकिनार किया गया है. प्राथमिक शिक्षा जनजातीय भाषा से बच्चों को पढ़ाना है, लेकिन शिक्षा विभाग का सर्वे रिपोर्ट पर घोर त्रुटि है. मुंडारी भाषा के स्थान पर अन्य भाषा को जोड़ना समझ से परे है.

सामाजिक कार्यकर्ता लखींद्र मुंडा ने कहा कि बुंडू प्रखंड में मुंडारी भाषा को षड्यंत्र से हटाया जा रहा है. प्रखंड में बच्चा-बच्चा मुंडारी भाषा बोलते हैं. पूरे क्षेत्र में धार्मिक सांस्कृतिक मुंडारी भाषा से शुरू होती है.

शिक्षा विभाग को ज्ञापन सौंपते मुंडारी भाषा उलगुलान मंच के सदस्य.

गर्म आग का गोला बरसे, जीव-जंतु पानी को तरसे

कविता कलम

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

जीवन में एकरसता न रहे, इसके लिए सृजनहार ने छः ऋतुओं की रचना की. कभी सावन की फुहार से तन-मन प्रफुल्लित हुआ तो कभी घहराती घटाओं की घनघोर वर्षा से संताप मिटा. धरती शस्य श्यामला बनी. कभी हल्की ठंड से तन-बदन को गुदगुदाने वाली शरद ऋतु आयी तो कभी हाड़ को कंपा देनेवाली शिशिर. जीर्ण-शीर्ण पत्तों की विदायी कर नवीन रचना को आमंत्रित करनेवाला हेमंत आया तो फिर नवपल्लवों और पुष्पों से वृक्षों और लताओं को सुसज्जित करनेवाला बसंत. मधुर शीतल बयार, अमराइयों में कोकिल की कूक, वन-उपवन में भंवरे की गुनगुन. महुए के फूल से बरसती मादकता. अर्थात् आनंद ही आनंद. बसंत को ऐसे ही ऋतुराज नहीं कहा जाता. फिर दबे पांव आ धमकती है गर्मी. आकाश में भगवान सूर्य जगवासियों की परीक्षा लेने लगते हैं- देखते हैं तुममें सहनशक्ति कितनी है. धैर्य कितना है. बरसने लगते हैं आग के गोले. पानी पाताल में जा बसता है और जीव-जंतु बूंद-बूंद के लिए तरस उठते है. भले ही अब ग्रीष्म ऋतु की विदायी का समय आ गया है, लेकिन किसी के विदा हो जाने से ही उसकी महिमा घट तो नहीं जाती. गर्मी के मौसम में एक सामान्य मनुष्य क्या सोचता है, क्या समझता है, इसे महसूस कराने के लिए प्रयास में रांची की कवयित्री **रंजना वर्मा उन्मुक्त** ने एक कविता की रचना कर दी. इनकी कविता का शीर्षक है गर्मी.

गर्म आग का गोला बरसे. जीव- जंतु पानी को तरसे..
गर्मी का मौसम है आया. गर्म हवा ने खूब सताया..
सूर्य सुबह से आंख दिखाये. और दोपहर तन झुलसाये ..
शहर कंक्रीट मिले न छाया. गर्म हवा ने खूब सताया...
कहर गर्म होकर बरपाये. कूलर एसी रोक न पाए..
ठंडा शरबत जी को भाया. गर्म हवा ने खूब सताया...
मची दौड़ आगे बढ़ने की. हालत ऐसी अब डरने की..
देख आधुनिकता की माया. गर्म हवा ने खूब सताया...
कटे पेड़- पौधे हैं सारे. दिखे नहीं पर्वत की कतारें..
कर्म मनुज का आगे आया. गर्म हवा ने खूब सताया...

गर्मी के मौसम में अक्सर लोग कहते हुए पाये जाते हैं- बाप रे, कितनी गर्मी है. उनकी बातों से ऐसा लगता है कि गर्मी केवल इसी साल पड़ रही है. आज से पहले कभी गर्मी का मौसम आया ही नहीं. आपको इस मौसम से चाहे जितनी भी शिकायतें हों, लेकिन सच है इस मौसम की शोभा गर्मी ही है. जून या ज्येष्ठ को गर्मी का अंतिम महीना माना जाता है. उसमें भी कहावत है कि यदि तप गया तो ज्येष्ठ और नहीं तपा तो आषाढ़. इसी जून में घहराते बादलों को अपनी झोली में भर कर मानसून का आगमन होता है. इसी जून में पतितपावनी गंगा का अवतरण हुआ, जिसकी महिमा का स्मरण कराने के लिए आ रहा है महत्वपूर्ण पर्व गंगा दशहरा. आगामी 16 जून को आनेवाले इस पर्व के स्वागत में खड़ी रांची की कवयित्री **पुष्पा पाण्डेय** ने सरसी छंद के सूत्र में शब्दों के सुमन कुछ इस प्रकार पिरोये हैं कि चित्त आह्लादित हो जाता है-

रूप धरे वामन का हरि जी, गये भूप दरबार.
असुर राज से मांग लिए तब, त्रिपद भूमि आधार.
ब्रह्म लोक में गया चरण तब, ब्रह्मा लिए पखार
रही कमंडल गंगा मइया, हुआ आज उद्धार..
हुए सफल अब भगीरथी जी, विष्णुपदी तैयार.
किन्तु कौन रोके प्रवाह को, धरती सहे न भार.
कृपा हुई अब महादेव की, लिए जटा में रोक.
खुशी मिली सागर वंशज को, दूर हुआ सब शोक.
जेठ शुक्ल की तिथि दशमी थी, पड़ा दशहरा नाम.
चली हिमालय से माँ गंगा, बनी नदी शुभ धाम.
भगीरथी थे आगे-आगे, पीछे गंगा मात,
चली उछलती देवनदी अब, भू को दी सौगात..
चरण रेणु हरि का ले आई, विष्णुपदी है नाम.
धरती का कण- कण पावन हो, किया भक्त यह काम.
चली सींचती प्यासे को वह, जीव धरा अब तृप्त.
कहे सभी गंगा कल्याणी, हुआ पाप सब लुप्त..
अति पावन गंगा का जल है, मोक्ष दिलाता नीर.
संतों की यह तपोभूमि है, गंगा जी का तीर..
यह प्रमाण है सत्य वचन का, लेते हैं जब हाथ.
बहुत कृपा विधि हुई आपकी, गंगा का है साथ.

पुष्पा जी छंदबद्ध कविताओं की रचना में सिद्धहस्त हैं. सबसे बड़ी बात कि इनकी रचना के आशय को समझने के लिए दिमाग पर जोर नहीं डालना पड़ता. इनके शब्द आंखों के रास्ते से होकर सहज भाव से दिल में उतर जाने की क्षमता रखते हैं. इसी जून महीने में 16 जून को ही एक और महत्वपूर्ण दिवस आनेवाला है, जिसे हम फादर्स डे के नाम से जानते हैं. हमारे जीवन में पिता का स्थान भी अत्यंत महत्वपूर्ण है, इस बात का एहसास कराता है फादर्स डे. अपनी कविता के माध्यम से इसी बात का एहसास करा रही है रांची की कवयित्री **लोकृती गुप्ता 'अनोखी'**, जो अपने पापा को हीरो मानती हैं और कहती हैं-

मेरे पापा मेरे हीरो, खुशियों वाली दुकान तुमसे है पापा
यह जमीन यह आसमान तुमसे है पापा
मेरा पूरा जहान तुमसे है पापा मेरी पहचान भी तो तुमसे ही है पापा
मां कोमल है तो तुम सख्त हो पापा
मां नींव जो मेरी तो तुम मजबूत छत हो पापा
तुम बिन सब अधूरा है पापा
सभी ज़रूरतें भी तो पूरी तुमसे ही हैं पापा
तुम हो तो पूरा बाजार अपना है पापा
तुम बिन सब झूठा सपना है पापा
आज से १० साल पहले की बात है मैंने हाई हील सैंडल खरीदी थी
मेरे मामा जी की शादी थी सब हंस रहे थे मुझ पर, मारे जलन के
फब्तियां कस रहे थे मुझ पर आपको देख सब चुप हो जाते थे पापा
हाय! हाय! इसे तो बाप ने ही बिगाड़ा है
पीठ पीछे ऐसा बुदबुदाते थे पापा
ऐसे कई किस्से हैं जिंदगी के न जाने ऐसे कितने हिस्से हैं
समाज के ऐसे कई सवालों का जवाब हो तुम पापा
सच पापा, लाजवाब हो तुम पापा बचपन से आज तक जिंदगी में
कितने उतार चढ़ाव आए, कई बार जब छूटी
और बहुत सी चीज तो कह पाना भी मुश्किल
और याद आना भी मुश्किल
हर बार मां कहती थी कि तेरा बाप अभी जिंदा है
आज मैं कहती हूं कि जाओ कह दो कोई
सारी मुसीबतों से, चुनौतियों से कि मेरा आप अभी जिंदा है
मेरे आस-पास भी फटके नहीं कि
चिंता करने के लिए मेरा आप अभी जिंदा है
सारी मुसीबतों की वो चिता बना डालेगा
कि मेरा आप अभी जिंदा है.

जब पिता की चर्चा होती है तो मां को कोई कैसे भूल सकता है. वैसे तो मदर्स डे 12 मई को आ कर चला गया है, लेकिन मां की याद किसी दिवस की मोहताज नहीं हो सकती. तभी तो रांची की कवयित्री **'मीनू' मीना सिन्हा** मां के प्रति अपनी संवेदना इस प्रकार व्यक्त कर रही हैं.-

मां ने किया था हर पल काम कभी न
था उसको आराम
न थी रातें भी उसकी दिन तो उसका था हराम
सबसे पहले जगने वाली सबके बाद सोने वाली
सबका सारा सहने वाली मुंह से कुछ न कहनेवाली
होठों पर रहती मुस्कान दिल के अंदर मचा तूफान
सब की खुशियां रहे संजोए अपनी कहां थी उसकी जान
बीत गया समय भी वह जाने कहां गई सब सह
आज मां का है अधिकार बोल रही है वह लगातार
खुशियां अपनी खूब संजोतीहर पल वह रोती न धोती

मीनू जी झारखंड की वरिष्ठ कवयित्रियों में से एक हैं. छंदों की रचना इनकी सबसे बड़ी हॉबी है, सबसे बड़ा शौक है. खूब लिखती हैं, खूब पढ़ती हैं. अपनी रचनाओं के चलते सम्मानित होती रहती हैं. इनके लेखन की ऊर्जा इसी प्रकार बनी रहे, इसी कामना के साथ आज्ञा चाहता हूं. जय हिंद! जय झारखंड!!

आराम करो, आराम करो

एक मित्र मिले, बोले, “लाला, तुम किस चक्की का खाते हो?
इस डेढ़ छटांक के राशन में भी तोंद बढ़ाए जाते हो.
क्या रक्खा माँस बढ़ाने में, मनहूस, अक्ल से काम करो.
संक्रान्ति-काल की बेला है, मर मिटो, जगत में नाम करो.₹
हम बोले, ₹रहने दो लेक्चर, पुरुषों को मत बदनाम करो.
इस दौड़-धूप में क्या रक्खा, आराम करो, आराम करो.

आराम ज़िन्दगी की कुंजी, इससे न तपेदिक होती है.
आराम सुधा की एक बूंद, तन का दुबलापन खोती है.
आराम शब्द में 'राम' छिपा जो भव-बंधन को खोता है.
आराम शब्द का ज्ञाता तो, विरला ही योगी होता है.
इसलिए तुम्हें समझाता हूँ, मेरे अनुभव से काम करो.
ये जीवन, यौवन क्षणभंगुर, आराम करो, आराम करो.

- गोपाल प्रसाद व्यास

मेडिकल प्रवेश परीक्षा का आर्थिक प्रबंधन

चौराहा

प्रमोद कुमार झा

आज कल सारे अखबारों के लगभग एक तिहाई पन्ने उन संस्थाओं के विज्ञापन से भरे पड़े होते हैं, जिनमें उन छात्र- छात्राओं की तस्वीरें होती हैं, जिन्होंने उनके संस्थान में प्राइवेट कोचिंग के बाद मेडिकल प्रवेश परीक्षा में बहुत अच्छे अंक प्राप्त किये और उन्हें प्रतिष्ठित मेडिकल कॉलेज में प्रवेश मिलना निश्चित है. इस बार के मेडिकल प्रवेश परीक्षा का परिणाम ऐतिहासिक है. अखबारों और चैनलों के सूचना के अनुसार कुल सड़सठ छात्र-छात्राओं ने 720 में पूरे 720 अंक प्राप्त किए. बहुत सारे विद्यार्थियों को 717,715,713 जैसे अंक भी आये हैं. शिक्षा क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए यह अंक संख्या उलझन बना हुआ है. शोचनीय है कि अगर किसी छात्र का एक सवाल गलत होता है तो उसे चार अंक कम मिलेंगे और अगर उत्तर गलत हो गए तो एक अंक और कम हो गए-नेगेटिव मार्किंग! तो फिर 715 के बाद 717,718 वाली संख्या कुछ विचित्र उलझन भरी है. प्राप्त सूचना के अनुसार किसी कोचिंग संस्थान के पांच-छह छात्रों को 720 अंक प्राप्त हुए. इसी तरह किसी एक संस्थान के लगातार रोल न वाले कई छात्रों ने बहुत अधिक अंक पाए हैं. इस बार के यूजी नीट परिणाम कई मामलों में ऐतिहासिक है. एनटीए प्रवेश से लेकर आंसर शीट और फिर फाइनल रिजल्ट के तिथि की अग्रिम घोषणा कर देता है. प्रायः रिजल्ट में कुछ विलंब ही होता है. इस बार ऐसा क्या तिलिस्म हो गया कि निर्धारित तिथि के दस दिन पहले आम चुनाव के परिणाम के बीच ही प्रवेश परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया गया? विचारणीय बात है कि इस बार सरकारी और प्राईवेट मेडिकल कॉलेज मिलाकर लगभग एक लाख सीट के लिए चौबीस लाख परीक्षार्थी थे. सरकारी सीटों की संख्या एमबीबीएस और बीडीएस मिलाकर लगभग पचपन हज़ार हैं, जहां वार्षिक फीस औसतन एक लाख के आसपास है. वहीं प्राइवेट मेडिकल कॉलेज की औसत सालाना फीस बीस से पच्चीस लाख रुपये है. प्राइवेट मेडिकल कॉलेज में साधारणतः इंटर्नशिप में स्टाइपेंड भी नहीं मिलता. इसका अर्थ हुआ कि साढ़े चार साल एमबीबीएस और एक साल इंटर्नशिप मिलाकर कुल सवा-डेढ़ करोड़ रुपये का मामला है. यह प्रबंधन के विद्यार्थियों के लिए शोध का विषय है कि इन संस्थानों में कौन लोग एडमिशन ले पाते हैं. यह भी शोध का विषय है कि देश के कितने बच्चे कोचिंग संस्थानों से गुजरकर मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश पाते हैं .यह भी अध्ययन का विषय है कि बिना कोचिंग के मेडिकल प्रवेश में कितने प्रतिशत बच्चे जाते हैं? और इस पर ध्यान देना तो सरकार की नैतिक जिम्मेदारी है कि इस कोचिंग व्यवसाय में पूरे देश में कितने हज़ार करोड़ का व्यवसाय शामिल है! हाल में ही देश के एक प्रसिद्ध पत्रकार ने अपने कनाडा यात्रा के संस्मरण में लिखा कि उन्हें एयरपोर्ट से गंतव्य तक ले जाने वाला सरदार जी एक भारतीय डॉक्टर था. उनके पूछने पर कि डॉक्टर बनकर वह टैक्सी क्यों चला रहा है उसने बताया कि एमबीबीएस पास करने के बाद उसने दिल्ली के एक प्रतिष्ठित अस्पताल में कुछ दिन नौकरी की, जहां उसे मरीजों को जबरदस्ती आपरेशन करवाने की सलाह देने का दबाव दिया जाता था. उसके विवेक को यह उचित नहीं लगा, सो वहां छोड़कर कनाडा चला गया, जहां टैक्सी चालक खुश है. उसने कहा, अच्छा पैसा भी कमा रहा है,कोई अपराध बोध भी नहीं है और मानसिक शांति भी है! नई सरकार से लोगों को उम्मीद है कि सुप्रीम कोर्ट के किसी न्यायाधीश की अध्यक्षता में कोई जांच आयोग शीघ्र गठन किया जाय, जिससे न्याय की उम्मीद समाप्त न हो. वैसे सुना है आर्थिक अपराधों की शंका पर ईडी स्वतः भी संज्ञान लेती है. शीघ्र कार्यवाही आवश्यक है. नहीं तो दर्जनों घोटालों की तरह यह अरबों-खरबों का घोटाला भी दबकर न रह जाय!

वैशाली का अभिषेक पुष्करिणी सरोवर

यायावर

डॉ. जंगबहादुर पाण्डेय

प्राचीन वैशाली नगर में अनेक सरोवर थे, लेकिन उनमें अभिषेक मंगल पुष्करिणी सरोवर का विशेष महत्व है. यह पुष्करिणी छोटी-सी किंतु अति स्वच्छ और मनोरम थी. इसके चारों ओर श्वेत संगमरमर के घाट और सीढ़ियां बनी थीं. स्थान-स्थान पर छत्र और अलिन्द बने हुए थे, जिन पर खुदाई और पच्चीकारी का अति सुन्दर काम किया हुआ था. पुष्करिणी का जल इतना निर्मल था कि उसके तल की प्रत्येक वस्तु स्पष्ट दीख पड़ती थी. उसमें अनेक रंगों के बड़े-बड़े कमल खिले थे. समय-समय पर उसका जल बदलकर तल साफ कर दिया जाता था. पुष्करिणी में सन्ध्या-समय बहुत-सी रंग-बिरंगी मछलियां क्रीड़ा किया करती थीं. पुष्करिणी के चारों ओर जो कमल-वन था उसकी शोभा अनोखी मोहिनी शक्ति रखती थी. इसका महत्व बौद्ध ग्रंथ 'भद्दसाल जातक ' में वर्णित है. परंपरानुसार वैशाली के प्रत्येक राजा को राजतिलक के समय नहाने के लिए इसी सरोवर के जल की आवश्यकता पड़ती थी. इस सरोवर का जल नहीं होने पर राजाओं का अभिषेक पर्व संपूर्ण नहीं माना जाता था. इस सरोवर के जल को लिच्छवी राजाओं के अतिरिक्त दूसरा कोई छू भी नहीं सकता था.इस सरोवर के जल की रक्षा के लिए कड़ा पहरा रहता था.ऊपर से लोहे की जाली लगी रहती थी,जिससे उड़ते पक्षी तक अपनी चोंच नहीं डूबो सकते थे. भद्दसाल जातक के अनुसार एक बार श्रावस्ती के राजा सेनापति बंधुत्व की स्त्री ने अपनी गर्भावस्था में यह इच्छा प्रगट की कि वैशाली नगर की अभिषेक मंगल पुष्करिणी के अंदर नहाकर उसका जल पीऊंगीः-

वैशाली नगरे गणराजकुलानाम्,
अभिषेक मंगल पोक्खरनीम्.
ओतरित्वा नहात्ता पानीयम्,
पातुक्कम अहिस्साममीति.

सेनापति बंधुत्व अपनी स्त्री को रथ पर चढ़ाकर एक हजार तीरंदाज़ फौज के साथ हो हल्ला मचाकर नगर के द्वार पर उपस्थित हुआ. वैशाली नगर की रक्षा करने वाले सिपाहियों ने उसे नगर प्रवेश के लिए मना किया और अंत में लड़ाई की, जिसमें वे मारे गये. सेनापति बंधुत्व मल्ल ने जाली को छेदकर अपनी स्त्री के साथ स्नान किया और जी भर पानी पीकर लौट गया. आधुनिक युग में वैशाली महोत्सव के शुभ अवसर पर यहां के मंगल कलश की शोभा यात्रा राजा विशाल के गढ़ तक जाती है. मंगल कलश के ग्रहण के बाद ही वैशाली महोत्सव का श्रीगणेश होता है. वैशाली नगर के इतिहास में इस अभिषेक मंगल पुष्करिणी सरोवर का विशिष्ट स्थान है. किंवदंती है कि इसके दर्शन और जलपान से मनुष्य के जन्म जंन्मातर के पाप का परिमार्जन हो जाता है. अब इसके दर्शन और जलपान पर किसी प्रकार का प्रतिबन्ध नहीं है. मैंने भी सपरिवार इसके दर्शन और जलपान का सौभाग्य प्राप्त किया और विश्व मंगल की कामना की, जो वैशाली का शाश्वत संदेश रहा हैं :-

सर्वे भवन्तु सुखिनः,
सर्वे संतु निरामया.
सर्वे भद्राणि पश्यंतु,
मां कश्चित् दुःख भाग भवेत्.

सेठ और सरकार

नश्तर

सुधीर राघव

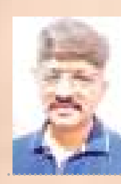

जंगल का निवर्तमान राजा गधा अपने मालिक सेठ दुलीचंद सुनामी के सामने बैठा गिड़गिड़ा रहा था - मालिक मेरे को दो सौ खोखे और दो न. जंगल में फिर से सरकार बनाने के लिए तीस-चालीस जानवर कम पड़ रहे हैं... खरीदने पड़ेंगे...सीएनडी और सीडी, दोनों दलों को खरीद लूंगा तो अपना काम हो जाएगा! मगर... सेठ सुनामी ने सीधे इनकार कर दिया और कहा- सुन गधे! अब तेरे झूठ का जादू जंगल में चल नहीं पा रहा. बस मध्य जंगल को छोड़ दें, जहां उल्लू रहते हैं...बाकी तू सब जगह फेल हुआ है.

तभी बीच में गधा बोला- मगर दो पहाड़ियों पर भी हम जीते हैं. यह सुनकर सुनामी हंस दिया- वहां कितने जानवर रहते. एक पर चार और दूसरे में पांच... दुनिया से कटे भोले-भाले... तुझे लगा तूने उनको उल्लू बनाया...तेरा गेम फिनिश...अब तू इज्जत से संन्यास ले ले. मेरे को ही कोई नया गधा ढूंढना पड़ेगा. वर्ना शेर फिर जंगल को बचा लेंगे और मेरे हाथ कुछ नहीं लगेगा. पूरे जंगल ने नया राजा चुनने के लिए जमकर मतदान किया था. निवर्तमान राज़ा गधे ने खूब मेहनत की. गधे के मालिक सेठ दुलीचंद सुनामी ने भी गधे की जीत के लिए दिल खोलकर पैसा लुटाया. गधे की रैलियों में भीड़ दिखाने के लिए जानवरों को हजार-हजार रुपए देकर लाया गया. सुनामी की कंपनी केलोबेलो के हर न्यूज़ चैनल पर दिन रात गधे का प्रचार किया गया. सजी-धजी लोमड़ियां एंकर बनकर आहे भरते भरते गधे का इंटरव्यू करतीं. उसकी एनर्जी का राज पूछतीं. उससे लिपट लिपट जातीं.

विपक्ष में लड़ रहे शेरों के दल के बारे में जमकर फेंक न्यूज चलाई गई. अफवाह उड़ाई गई कि अगर वे जीते तो सभी जानवरों की भैंस खोल ले जाएंगे. हालांकि अब कोई जानवर भैंस नहीं पालता था. जंगली भैंसें खुद खतरनाक हो गये थे और उन्होंने जानवरों का गुलाम रहने से इन्कार कर दिया था. बांगड़ बिल्लों का आईटी सेल दिन रात मीम बनाकर शेरों का उपहास उड़ाता. मगर कुछ काम न आया. जंगल की जिस तरह खुली लूट हुई थी, उसने जानवरों की आंखें खोल दी थीं. महंगाई और बेरोज़गारी से त्रस्त जानवरों ने गधे के खिलाफ पहली बार जमकर वोट किया था. गधा जो सेठ सुनामी के दम पर सब पर दुलत्ती झाड़ता था, को पहली बार जानवरों की एकमुश्त दुलत्ती पड़ी थी. वह भी सीधे चेहरे पर.

कलाकारों ने चौक चौराहे में स्थापित की बिरसा की जयगाथा

कला-संवाद

मनोज कुमार कपरदार

शहादत दिवस पर धरती आबा को नमन

09 जून 1900 को 25 साल की अल्प आयु में अपने देश की रक्षा के लिए शहीद होने वाले बिरसा मुंडा भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के जनजातीय विद्रोहों और क्रांति के प्रतीक के रूप में याद किये जाते हैं और लोग उन्हें भगवान बिरसा मुंडा कह कर सम्बोधित करते हैं. एक वक्त था, जब बिरसा मुंडा के संघर्ष और बलिदान की गाथाएं झारखंड तक सीमित थीं. आज इसकी गूंज सात समंदर पार पहुंच चुकी है. इनकी जयंती और शहादत दिवस को अब पूरा देश जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मना रहा है. बिरसा मुंडा आज कलाकारों के लिए भी प्रेरणादायी बन गये हैं. बिरसा को राष्ट्रीय स्तर पर उजागर करने का संजीदा प्रयास का श्रीगणेश 1960 के दशक की शुरुआत में किया गया. बिरसा और उनके आंदोलन से अधिकतम लोगों को परिचित कराने और उनकी याद को ताजा बनाये रखने की दिशा में बिहार के तत्कालीन राज्यपाल डॉ. जाकिर हुसैन और अनंतशयनम अय्यंगार का महत्वपूर्ण योगदान रहा. 1960 में खूंटी में अनुमंडल पदाधिकारी के रूप में कुमार सुरेश सिंह के योगदान के बाद खूंटी कचहरी में बिरसा की एक आदमकद प्रतिमा स्थापित किया गया. इसके बाद कई कलाकार अपने-अपने तरीके से इसे आकार देते रहे हैं. बिहार सरकार के आग्रह पर 70 के दशक में रांची में भगवान

बिरसा मुंडा की मूर्ति तैयार की गयी थी. इसे पीयूष लकड़ा ने बनाया था. पीयूष लकड़ा एक कुशल मूर्तिकार थे. सत्तर की दशक में इनकी खूब चर्चा थी. इनके द्वारा बनायी गयी मूर्त्ति को ही स्थाापित कर बिरसा चौक का नामकरण किया गया था. इसके बाद खूंटी के डोम्बारी बुरु में सुपरिचित मूर्तिकार राजेन्द्र गुप्ता ने धरती आबा बिरसा मुंडा की ब्रांज कांस्टिंग की 15 फीट की मूर्ति को आकार दिया. यह बिरसा मुंडा की पहली प्रतिमा बनी, जिसके हाथों में हथकड़ी नहीं थी, बल्कि तीर, धनुष और कुल्हाड़ी थे.

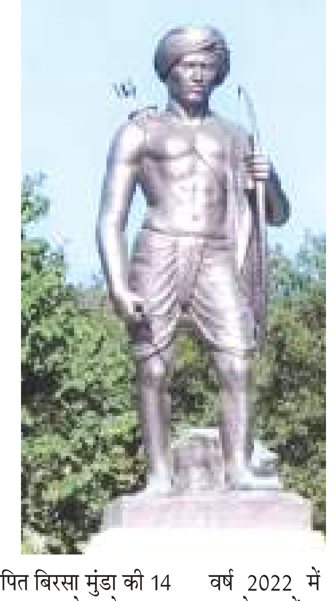

बोकारो स्टील सिटी में नया मोड़ में स्थापित बिरसा मुंडा की 14 फीट की आदमकद प्रतिमा को वरिष्ठ कलाकार नवेन्दु सेन गुप्ता ने 1992 में आकार दिया था. नवेन्दु सेन गुप्ता ने शांति निकेतन से कला की शिक्षा प्राप्त की थी. रांची के बिरसा स्मृति पार्क में बिरसा मुंडा की 25 फीट ऊंची आदमकद प्रतिमा स्थापित की गई, जिसका उद्घाटन 15 नवम्बर 2021 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व तत्कालीन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने किया. इस प्रतिमा को 92 वर्षीय कलाकार राम सुतार ने गढ़ा और तराशा है.

वर्ष 2022 में वरिष्ठ कलाकार दिलेश्वर लोहरा के द्वारा जमशेदपुर में बनायी गई धरती आबा बिरसा मुंडा की 18 फीट की आदमकद प्रतिमा भी खूब चर्चा में रही. छतर मांडू स्थित भगवान बिरसा मुंडा की मूर्ति की ऊंचाई लगभग 30 फीट है. इसमें 20 फीट मूर्ति व 10 फीट का प्लेटफार्म है. मूर्ति की लागत राशि लगभग 15 लाख रुपये है. इसे बनाने में फाइबर, ब्रांच सहित अन्य धातुओं व सामग्रियों का प्रयोग किया गया है. राजभवन के बिरसा मंडप में बने बिरसा की 6 फीट की प्रतिमा को वरिष्ठ कलाकार

अमिताभ मुखर्जी ने आकार दिया है. वरिष्ठ कलाकार दिलीप टोप्पो ने महुआटांड में बिरसा मुंडा की साढ़े सात फीट की प्रतिमा बनायी. इसके अलावे इन्होंने किस्को (लोहरदगा), होचर (पतराटोली), और खरसीदाग में भी भगवान बिरसा की मूर्ति बनायी. धर्मजय कुमार की फाइबर की बनायी गई सात फीट की बिरसा की प्रतिमा को जोन्हा में लगाया गया. इसके अलावे देश के कई अन्य राज्यों में भी इनकी आदमकद प्रतिमा स्थापित की गई है, जिसमें बिरसा की जयगाथा झलकती है.

पिछली सदी से ही फ़िल्मी हिन्दी में बेअदबी का जेहाद जारी है. बम्बइया फिल्मों ने हमारी भाषा को तो प्रदूषित किया ही, हमारे बच्चों के आचरण को भी प्रदूषित कर दिया. जबतक कवि प्रदीप, भरत व्यास, नरेंद्र शर्मा जैसे सुसंस्कृत गीतकार रहे, तबतक गानों में भारतीय संस्कृति का ध्यान रखा गया. निस्संदेह शैलेन्द्र महान गीतकार थे, लेकिन वे भी वहां बहक गये, जब मिथिलांचल के हिरामन से उन्होंने गवाया- "सजन रे झूठ मत बोलो. खुदा के पास जाना है."

चिन्तनीय है फिल्म-प्रदूषित हिन्दी

डॉ बुद्धिनाथ मिश्र

"ज्योति कलश छलके" जैसे विशुद्ध सात्विक गीत हिन्दी फिल्मों को देनेवाले गीतकार नरेन्द्र शर्मा अक्सर कहा करते थे कि "फिल्म की भाषा अदबी नहीं, बेअदबी की भाषा है." इस बेअदबी की भाषा को फिल्मी गानों ने बहुत बढ़ाया है. एक संगोष्ठी में मैने शकील बदायूनी के इस गाने पर आपत्ति जतायी कि यह हिन्दी के व्याकरण के अनुरूप नहीं है- "तू गंगा की मौज, मैं जमुना का धारा." इसे गाता है गांव से आया हुआ बैजू बावरा. हिन्दी भाषी समाज जब बोलेगा, "जमुना की धारा" ही बोलेगा. इसपर एक उर्दूदां सज्जन बोल उठे- यह गाना उर्दू में है, हिन्दी में नहीं. इसलिए सही है." चूंकि हिन्दी और उर्दू के बीच सिर्फ एक शीशे की दीवार है और हिन्दी व्याकरण का ही चूल्हा दोनों घरों में जलता है, इसलिए यह संशय बहुतों के मन में हो जाता है. गेंद उर्दू के जाने-माने स्कालर-शायर शीन काफ निजाम के पाले में पहुंची. उन्होंने पूछा- सेंसर बोर्ड के सर्टिफिकेट में 'बैजू बावरा' फिल्म की भाषा क्या लिखा है और गायक बैजू जिस गांव का है, उसकी स्वाभाविक भाषा क्या है? दोनों का उत्तर जब हिन्दी है, तब उर्दू का वक्फ बोर्ड यहां क्या करने आ गया? निजाम साहब की यह झिड़की सुनकर लोग चुप हो गये और मेरी आपत्ति पर मुहर लग गयी.

भाषा व सांस्कृतिक दोष युक्त गाने

बम्बइया फिल्मों ने हमारी भाषा को तो प्रदूषित किया ही, हमारे बच्चों के आचरण को भी प्रदूषित कर दिया. उर्दू शायरों ने अपने गानों में (हालांकि वे गजल के छंद में हैं) धीरे-धीरे इस्लामिक संस्कारों के शब्द भरने शुरू किए. नौजवान पीढ़ी अगर पुरखों की विरासत ' हे भगवान!' की जगह 'या अल्लाह ' कहने लगी है, तो इसके पीछे 'अल्ला अल्ला इकरार तेरा' जैसे ढेर सारे फिल्मी गाने हैं. एक फिल्म में हीरो जोश में गाता है - इंशाअल्लाह -3, अल्लाहू अल्लाहू ' तो दूसरी फिल्म में गाता है - यदि आप हमें आदेश करें, तो प्रेम का हम श्रीगणेश करें. यानी श्रीगणेश मजाक का विषय है, लेकिन इंशाअल्लाह नहीं. हिन्दी फिल्मों में हिन्दू संस्कृति का मजाक इधर आकर खूब उड़ाया गया, लेकिन इससे बेखबर सेंसर बोर्ड हिरोइन का घाघरा नापने में लगा रहा! "गंगा मेरी मां का नाम, बाप का नाम हिमाला" (हिमालय) में भाषा का दोष तो है ही, सांस्कृतिक दोष भी है, क्योंकि गंगा जब मां हैं तो उनके पिता हिमालय नाना होंगे न कि बाप.

भारतीय संस्कृति से विलग गाने

हिन्दी फिल्म के बैनर तले मुहब्बत, नूर, बिस्मिल्लाह, खुदा, निकाह, जन्नत, जहन्नुम, कयामत, कब्र, सजदा, सदका जैसे तमाम इस्लामिक शब्द सप्रयास घुसाये गये, जिसने शिक्षित युवा पीढ़ी की हिन्दी को विरूपित कर दिया है. जबतक कवि प्रदीप, भरत व्यास, नरेंद्र शर्मा जैसे सुसंस्कृत गीतकार रहे, तबतक गानों में भारतीय संस्कृति का ध्यान रखा गया. निस्संदेह शैलेन्द्र महान गीतकार थे, लेकिन वे भी वहां बहक गये, जब मिथिलांचल के हिरामन से उन्होंने गवाया- "सजन रे झूठ मत बोलो. खुदा के पास जाना है." यहां "खुदा" कहां से आ गया? हिरामन का बाप कभी मरने के बाद खुदा / भगवान के पास नहीं जाना चाहा, क्योंकि उसे मालूम था कि "हममें तुममें खड़ग खंभ में, सबमें हैं भगवान." कबीर तक ने कहा- मोको कहां ढूंढत बंदे. मैं तो तेरे पास में. कयामत के बाद फैसला खुदा ही देता है, घट-घट व्यापी भगवान नहीं.

हिंदी के साथ बेअदबी

हिन्दी फिल्मों में एक ओर **'जनम जनम के फेरे'** का गाना है- **जरा सामने तो आओ छलिये**
छुप-छुप छलने में क्या राज है
यों छुप ना सकेगा परमात्मा
मेरी आत्मा की ये आवाज है.
तो दूसरी ओर 'कश्मीर की कली ' का गाना है-
सुभान अल्लाह हसीं चेहरा
ये मस्ताना अदाएं
खुदा महफूज रक्खे
हर बला से, हर बला से.

दोनों गाने एक ही समाज के युवक के लिए हैं, लेकिन दोनों के शब्द कितने बदले हैं! कारण यह कि भरत व्यास ने नायक के चरित्र के अनुरूप गाना लिखा है, जबकि एस एच बिहारी ने अपने शब्दों को नायक के मुंह में ठूंस दिया है. ऐसे गानों से नायिका भले महफूज रहे, लेकिन हिन्दी सुरक्षित नहीं. पिछली सदी से ही फ़िल्मी हिन्दी में यह बेअदबी का जेहाद जारी है.

समीक्षा

306 कुण्डलियों से सजी किताब है लोहड़ी कुंडलियां

अशोक प्रियदर्शी

पलामू के साहित्यकारों की श्रम-निष्ठा और अनवरत साहित्य -साधना को देख मेरे मन में उनके प्रति सम्मान का भाव जगता है और उनकी निश्छल और भोली सरलता के लिए क्या कहूं! किताब का नाम "लोहड़ी कुण्डलिया" देखकर मैं चौंका, "कुण्डलिया" छंद का कोई विशिष्ट प्रकार है "लोहड़ी' कुण्डलिया" ? कविवर पाठक जी ने बताया कि लोहड़ी उनके गांव का नाम है. "लोहड़ी कुण्डलिया" शीर्षक की एक कुण्डलिया भी है पुस्तक में –"अति सुंदर है लोहड़ी, अपना पावन गांव रेणु ज्ञान आधार, गांव अपना अति सुन्दर." कवियों को अपने नाम के साथ अपने गांव/शहर का नाम जोड़ते देखा जाता है, पुस्तक के नाम के साथ गांव का नाम जोड़ने से भ्रम पैदा होता है. पाठक जी की निश्छल सरलता का ही प्रमाण यह भी है कि आदरणीय नामधारी जी से लेकर कुमार मनीष अरविंद तक हर लेखक-सुलेखक से अपने लिए शुभाशंसाएं जुटाई हैं.

कवि की प्रशंसा इसलिए की जानी चाहिए कि कुण्डलिया जैसे मिश्रित छंद के शास्त्रीय विधान का निर्वाह इन्होंने सर्वत्र किया है. प्रारंभिक दो पंक्तियां दोहा (13,11/13,11) की, फिर शेष चार पंक्तियां दोहे को उलटकर बने रोला की, दोहे के आरंभिक शब्द की रोला के अंतिम शब्द के रूप में आवृत्ति. हालांकि छंद के निर्वाह के लिए शब्दों को तोड़ा मरोड़ा भी गया है.

कुछ आकर्षक छंद देखिए ---
"पाझोला लेकर जाइए, जब जाएं बाजार /पॉलिथीन मत लाइए, भूले अपने द्वार / भूले अपने द्वार, से बाहर जहर को ना है लाना / पॉलिथीन से मुक्त, हमें संसार बचाना / माटी को बर्बाद किया है यही संपोला / फैशन का कर त्याग, चलें लेकर के झोला."

पाठक जी एक विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक हैं, तो जनता को शिक्षित करने का दाय इनपर है ही.

एक और कुण्डलिया देखिए ----
"जंगल आज उजाड़ के, नगर बसाते लोग / कंक्रीटों के जाल का, फैला जग में रोग / फैला जग में रोग, प्रदूषण व्याधा आया / जल-थल-नभ में शोक, मौत का सर पर साया / संकट में हैं प्राण, "रेणु" जीवन से दंगल/प्राणवायु आधार, जीव को देता जंगल."

पुस्तक का नाम : लोहड़ी कुण्डलिया
कवि : उमेश कुमार पाठक 'रेणु'
प्रकाशन : आदित्य पब्लिकेशन,नियर तारामंडल, हथुआ पाठशाला, दक्षिणी मंदिरी, पटना -800001

और 'भ्रष्टाचारी' शीर्षक की यह कुण्डलिया देखिए, शायद आपको कोई नेता याद आ जाए-
"भ्रष्टाचारी का यहां, बहुत बड़ा गठजोड़/वे बोलें-सब चोर हैं, केवल मुझको छोड़/केवल मुझको छोड़, यहां पर सभी उचक्के/अब तो सब कर जोड़, सभी होते भौंचक्के/आप रहे भगवान, करूंगा गर गद्दारी/मैं बिल्कुल इन्सान, नहीं हूं भ्रष्टाचारी."

धर्म-निरपेक्षता के मर्म को बतलाता एक और छंद सुनाकर मैं आपको यह किताब पढ़ने के लिए आमंत्रित करता हूं – "मालिक सबके एक हैं, चाहे जो दें नाम / गॉड, ईश, अल्लाह या कहें राम औ' श्याम / कहें राम औ' श्याम, चाहे जो कुछ भी कहिए / 'रेणु' करे फरियाद, सभी बंदे हैं रब के / झगड़े जग बर्बाद, एक जब मालिक सब के."

मुझको विश्वास है, आपको यह पुस्तक प्रीत करेगी. हां,कवर पर फाटक की जो तस्वीर है वह कवि के दादा जी की ही बनवाई हुई है, जिन्हें यह पुस्तक समर्पित है, ऐसा कवि पाठक जी ने बतलाया.

जीवन के उदात्त भाव से सिंचित प्रेम गढ़ती कविताएं

उज्ज्वल पांडेय

युवा कवि प्रणव प्रियदर्शी की प्रेम कविताओं का संकलन है- सब तुम्हारा. इस "सब तुम्हारा" में कवि का समर्पण भाव बिना किसी पर्दे के दिखाई दे रहा है. "सब तुम्हारा" यानी मेरा कुछ भी नहीं. मेरा जो भी है वह सब तुम्हारा. मेरा निर्माण जिन तत्वों से हुआ है, वो भी तुम्हारा. कवि ने अपनी प्रत्येक कविता किशोर से युवा होने के दरमियां लिखी है इसलिए इनकी प्रेम कविताओं में कोमल और स्वच्छ हृदय की गूंज सुनाई देती है जिनमें दुनियावी प्रपंचों का मिश्रण नहीं है. कोई लाग लपेट नहीं है. वे पहली कविता में प्रेम संबंधी सवालों का जवाब देते दिख रहे हैं और अंत में पाठकों के लिए स्वयं एक प्रश्न छोड़ जाते हैं.

प्रेम का कोई अपना रंग नहीं होता. प्रेम शब्द और रंग के बंधनों से मुक्त है. वह जिससे मिलता है उसी रंग का हो जाता है. कवि भी इस बात को अपनी कविता 'प्रेम का रंग' में स्वीकार करता है - प्रकृति के रंग केवल सात / प्रेम के रंग गिनती के पार.

पुस्तक : सब तुम्हारा
विधा : कविता
प्रकाशन : नोशन प्रेस
मूल्य : 250/

यह तो स्पष्ट है कि कवि का प्रेम क्षणिक आकर्षण नहीं है. कवि जीवन भर का साथ चाहता है. हाथों में हाथ चाहता है - अपना हाथ बढ़ाओ/ मैं थाम लूंगा/आजीवन तुम्हारा नाम लूंगा. कवि को प्रेम का इतना पुख़्ता दावा है कि वह अग्नि परीक्षा देने से भी नहीं कतराता. कवि को यकीन है कि प्रेम इतना निर्मल भाव है कि वह किसी अग्नि में जल नहीं सकता. जलेंगे तो सिर्फ प्रेम में मिलावट के भाव. कविता 'अग्नि परीक्षा' यही कहती है - प्रेम जलता नहीं..../ जलना पड़ता है/प्रेम के साथ मिली हुई / कलह और विषाद को / स्पर्धा और अहंकार को. संकलन की एक कविता है - 'तुम मेरे लिए क्या हो?' मानो प्रेमिका ने प्रश्न किया हो कि 'मैं तुम्हारे लिए क्या हूं?' और इसके जवाब में प्रेम के कवि ने अपना हृदय खोल कर रख दिया हो. कवि प्रणव प्रियदर्शी की कविताएं प्रेम की जिस बुनियाद पर खड़ी है, उसे वे सारा श्रेय देते हैं. वे लिखते हैं - मेरे जीवन में काव्य-संसार न होता/सनम गर तुम्हारा साथ न होता. किसका साथ? उसका साथ जिसके बदौलत कवि प्रेम कविताएं लिख पा रहा है.

वसंत के मौसम को प्रेम के परवान का मौसम कहे तो ग़लत नहीं होगा. वसंत में प्रकृति मनोहर तान सुनाती है जिससे मनुष्य हृदय में उमंग भरता है. जड़ता समाप्त होती है. ऐसे में प्रेम का कवि एक प्रेम भरा आलिंगन चाहता है, इसके लिए वह त्याग को सहर्ष स्वीकार करता है. 'वसंत से मिलना' की पंक्तियां देखिये- मैं तुमसे मिलना चाहता हूं / इतने करीब से / जैसे पतझड़ / अपने सारे पत्तों को छोड़कर / मिलता है वसंत से. यह 'मिलना' ही कवि के लिए संपूर्ण वसंत है. कवि जीवन से वसंत को बिसराना नहीं चाहता इसलिए 'लौट-लौट कर आए वसंत' में वह पेड़ बनना चाहता है जिसमें नए पत्तों के बहाने वसंत लौटता ही लौटता है.

कवि प्रणव प्रियदर्शी अपनी प्रेम कविताओं में प्रकृति के माध्यम से संवाद स्थापित करने का प्रयास करते हैं. वे शब्दों से चित्र प्रस्तुत करते हैं. वे बिंब खींचते हैं. 'एक राज' जैसी कविता में यह देखा जा सकता है. कवि प्रणव प्रियदर्शी प्रेम में एक हो जाने के पक्षधर हैं. वे सूक्ष्म अनुभूतियों को रह-रह याद करते हैं, उसे सहेजने का प्रयास करते हैं. वे अपने होने का सबूत प्रेयसी के होने में पाते हैं. 'मेरे होने का सुराग' की यह पंक्तियां देखिये - तुम्हारे होने के हाशिये पर/मेरे होने का सुराग है/और कही नहीं..

काव्य संकलन 'सब तुम्हारा' में प्रेम के विविध आयाम देखने को मिलते हैं. मूल विषय तो प्रेम है किंतु इस प्रेम के विभिन्न पन्ने हैं जिनसे हम मुख़ातिब होते हैं. 'प्रेम की गहराई' में कवि 'गहराई' जिस के दम पर 'गहराई' बनी है, उस पक्ष का पता लगाते हैं - गहन संबंध में किसी का प्रेम/जब हमारे भीतर गूंजता है/तब हमें अपनी गहराई का/चलता है पता. 'प्रेम महामृत्यु है' कविता में आध्यात्मिक छुअन महसूस होती. प्रणव प्रियदर्शी की प्रेम कविताओं में व्यापकता है. इनकी कविताओं में छिछलापन नहीं दिखता और न ही सतही बयानबाजी. कविता सपाटबयानी के लहजे में जरूर हैं मगर इनमें भी एक लय है. उदात्त भाव हैं. इन भावों को हमें एक दफ़े जरूर महसूस करना चाहिए.

व्यंग्य ›› बर्बरीक

न तुम जीते न हम हारे

आखिर सारे कयासों, प्रयासों, आशाओं, निराशाओं, दूर की संभावनाओं, असंभव कल्पनाओं पर फाइनली विराम लग गया. जब तक परीक्षा के नतीजे नहीं आते हैं तभी तक सबकुछ बचा रहता है. जब तक मुट्ठी बंद रहती है तभी तक लाख की होती है एक बार मुट्ठी खुल गई तो बस खाक की. भक्ति में डूबे एक मित्र से पूछा कि तुम लोग तो चार सौ पार का सपना देख रहे थे अब तो बैसाखी की जरूरत आन पड़ी? अब क्या है कि भक्तों के पास हर सवाल का जवाब रहता है. नहीं रहता है तो ज्ञान के उस मार्ग का सहारा लेते हैं जिसे थेथरोलोजी कहा जाता है. मुस्कान बिखेर कर बोला - कभी कंट्रोल के जमाने में चीनी के परमिट के लिए अप्लाई किया है तुमने? उसमें एक क्विंटल के लिए अप्लाई किया जाता था तो बीस किलो चीनी मिलती थी. वैसे ही तोप के लाइसेंस के लिए अप्लाई करोगे तो रिवाल्वर तो मिल ही जाएगा. चार सौ पार के मंत्र जाप का ही फल मिला कि तीन सौ छू पाए. नहीं तो दो सौ पर भी आफत हो जाता.

अंदर की बात तो यह है कि जब संभावना कम हो तो ज़्यादा जोर से बोलना पड़ता है. इससे जनता के बीच अच्छा मेसेज जाता है.

> जब संभावना कम हो तो ज़्यादा जोर से बोलना पड़ता है. इससे जनता के बीच अच्छा मेसेज जाता है. सोचती है वाह! क्या कॉन्फिडेंस है! सीना चाहे बीस इंच का ही हो छप्पन इंच का बताना पड़ता है.

सोचती है वाह! क्या कॉन्फिडेंस है! सीना चाहे बीस इंच का ही हो छप्पन इंच का बताना पड़ता है. कद्दू पर सितुआ चोखा कहावत सुनी है न? कमज़ोर पड़ोसी को घुस कर मारो और मजबूत पड़ोसी घुस जाए तो सटक दम हो जाओ. लेकिन उत्तम प्रदेश में क्या हो गया? जोगी बाबा ने कितनों पर बुलडोजर चलवा दिया, मिट्टी में मिला दिया फिर भी जनता को लुभा नहीं पाए. इस पर आत्मचिंतन- आत्ममंथन करना होगा. आखिर बहुसंख्यक समुदाय में भी तो गद्दार होते हैं.

अभी तो पार्टी के हैं तीन काम- चिंतन भोजन और विश्राम. बैसाखी पर जब चलना है तो आराम से ही चलना चाहिए. बैसाखियां भी बहुत विश्वसनीय नहीं हैं, कब इधर- उधर हो जाएं. लेकिन परिणाम ने तो सबको खुश कर दिया न? जीतने वाले खुश हैं कि जीत गए हैं. थोड़ी कसक है कि अपने दम पर रहते तो अच्छा होता. हारने वाले हारकर भी खुश हैं कि कद बढ़ गया है. लेकिन कसक वहां भी है कि काश थोड़ी और मेहनत की होती. छोटी पार्टियां खुश हैं कि एक दो मलाईदार पद तो मिल ही जाएंगे. विपक्ष इस बात से खुश है कि कम से कम विपक्ष के रूप में इज़्ज़त तो मिलेगी. पुराने वक्तों का एक गीत सब गा रहे हैं-- तुम्हारी भी जय जय हमारी भी जयजय/न तुम जीते न हम हारे.

कविता/गज़ल

डॉक्टर कल्याणी कबीर

खामोश हो गए

क्यों हाले दिल सुनाते, खामोश हो गए,
किस-किस को आजमाते, खामोश हो गए.

जो बात अश्क करती रही अंधेरों से रात-भर,
जाकर किसे सुनाते, खामोश हो गए.

सिसकती है हर ग़ज़ल मेरी पन्नों पे उतरकर,
क्या उसको गुनगुनाते, खामोश हो गए.

पढ़ने लगे थे लोग, मेरी नज़रों में तेरा नाम,
अब किससे क्या छिपाते, खामोश हो गए.

जिनके दरो-दीवार में दिखने लगी दरार,
वो लोग कहां जाते, खामोश हो गए.

करने लगे थे वो मेरे ज़ख्मों का कारोबार,
क्यूं उनसे दिल लगाते, खामोश हो गए.

वीना श्रीवास्तव

दीया बन जलती है जो

मां धूप में शीतल छाया है हमारी जिंदगी का सरमाया है
ये वह ब्रह्मांड है जो बच्चे के पहले अक्षर में समाया है
मां वो सीप होती है जिसमें मासूम सी जिंदगी सोती है
हजारों तीर्थों से कहीं बेहतर मां की बंदगी होती है.
मां ईश्वर का वरदान है उसके बिना जीवन वीरान है
जिसके पास मां की दौलत है वो तो सबसे बड़ा धनवान है
मां मान है, सम्मान है इंसानियत की पहचान है
मां बच्चों के लिए उनका मुकम्मल सुंदर जहान है.
मां तेरी - मेरी, इसकी - उसकी, हम सबकी होती है
दीया बन जलती है जो ताउम्र वो ऐसी ज्योति होती है.

मंजू शरण 'मंजुल'

चलन

कहने का चलन है,
शब्दों में अगन है,
शीश झुका सत्य का,
सीने में जलन है ..!

बिकने को चमन है,
देश में अमन है,
मोलभाव में जुटे,
राज सब दफन है..!

दिखने में मगन है,
साक्ष्य में वजन है,
होड़ में चले सभी,
मूल्यों का पतन है ..!

धर्म का दहन है,
भक्ति में मगन है,
सांस-सांस में घुला,
तार्किक हर कथन है..!

आंसू भर नयन है,
भाव सब हनन है,
सीप में मोती नहीं,
बेतुका चयन है ..!

शोर में सदन है,
विष भरे वचन है,
टुकड़ों में बिखरा,
अपना ये वतन है..!

हाथों में लगन है,
श्रम का दमन है,
दुर्दशा में जी रहा,
थका हुआ बदन है..!

यास्मीन 'तन्हा'

तन्हा

सुबह से शाम हो गई सफर खत्म होता ही नहीं
उम्र सारी गुजर गई और मंजिल का पता ही नहीं.
एक हुजूम था मेरे साथ-साथ चल रहा था
मुड़ कर देखी तो मेरे साथ कोई था ही नहीं.
मंजिलें मिलती गईं और बिछड़ते गए सब मुझसे
जो साया मेरे साथ चल रहा था अब वो भी नहीं.
तन्हा थी, तन्हा हूं और तन्हा ही रह गई मैं
अब आगे यहां से कोई रास्ता जाता ही नहीं.

पद्मा मिश्रा

पावस के मेघगीत

बूंदों की रसधारा अंतर सरसाती हैं
धरती से अंबर की प्रीति नयी पलती है
धीरे धीरे मन की कल्पना मचलती है
पत्तों से छन छनकर मोती बन जाती हैं.
बूंदों की रसधारा अंतर सरसाती हैं.

मेघों का जादू जब तन मन पर छाता है
काव्य सलिल भावों का हिय अंतर हर्षाता है
शीतलता जीवन का राग बन बरसती है.
बूंदों की रस धारा अंतर सरसाती है.

पंखुड़ियां भींगी सी ऊंगलियों की पोरों पर
जीवन का अनुरागी रंग छोड़ जाती हैं
मन की कहानियों सी उड़ती फुहारें भी
प्रीति भरे गीतों में मधुरस घोल जाती हैं.
बूंदों की रसधारा अंतर सरसाती हैं.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

टी-20 विश्वकप में भारत का मुकाबला चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से आज

आत्मविश्वास से लबरेज टीम इंडिया और पाकिस्तान है हार से बेजार

न्यूयॉर्क । एजेंसी

आत्मविश्वास से ओतप्रोत और हालात के अनुकूल ढल चुकी भारतीय टीम नासाउ काउंटी की पेचीदा पिच पर टी-20 विश्व कप के बहुचर्चित मुकाबले में रविवार को चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से भिड़ेगी. जिसका मनोबल पहले ही मैच में मिली अप्रत्याशित हार ने तोड़ दिया है.

टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा भीड़ खींचने वाला मुकाबला 34000 दर्शक क्षमता वाले नासाउ काउंटी इंटरनेशनल स्टेडियम पर खेला जायेगा. इस मैदान की पिच लगातार चर्चा का विषय बनी हुई है . इसकी भारी आलोचना के बाद आईसीसी ने आधिकारिक रूप से इसे स्वीकार किया . अब तक इस स्टेडियम पर हुए तीन मैचों की छह पारियों में दो बार ही टीमें सौ रन के पार पहुंच सकी है . पूर्व क्रिकेटरों को तो यह भी लगता है कि कम स्कोर वाले मैचों से कैसे अमेरिकी बाजार में क्रिकेट का प्रचार प्रसार किया जायेगा. एडीलेड ओवल के मैदानकर्मी डेमियन हाउज के मार्गदर्शन में अप्रैल में यहां चार 'ड्रॉप इन' पिचें बिछाई गई जो अभी तक जम नहीं पाई हैं . पिच से मिल रहा असमान उछाल बल्लेबाजों की सुरक्षा पर सवालिया ऊंगली उठा रहा है . भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को आयरलैंड के खिलाफ मैच में कंधे में चोट लगी थी जिससे उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा . रोहित ने मैच के बाद कहा था ,'' ईमानदारी से कहूं तो मुझे नहीं पता कि पिच से क्या अपेक्षा की जाये . हम हालात के अनुरूप तैयारी करेंगे . पाकिस्तान के खिलाफ मैच में हर खिलाड़ी को योगदान देना होगा .'

भारत के मैच के एक दिन बाद आईसीसी को पिच को लेकर तमाम आशंकाओं के निवारण के लिये बयान जारी करना पड़ा. पाकिस्तान टीम ने अभी तक नासाउ स्टेडियम पर खेला नहीं है . पहले मैच में अमेरिका से हारने वाली पाकिस्तानी टीम बृहस्पतिवार की रात ही यहां पहुंची है . उन्हें हालात के अनुरूप ढलने का मौका नहीं मिल सका है जिसका उन्हें नुकसान हो सकता है . भारत से हारने पर सुपर आठ चरण में उसके प्रवेश की राह लगभग असंभव हो जायेगी . आयरलैंड के खिलाफ भारत ने बायें हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव को नहीं उतारा और एक अतिरिक्त विशेषज्ञ तेज गेंदबाज को जगह दी गई . पाकिस्तान के खिलाफ भी यही संयोजन रहने की उम्मीद है क्योंकि मैच ऐसी टर्फ पर खेला जायेगा जो नयी है . टूर्नामेंट की शुरूआत में आईएसआईएस से मिली आतंकी धमकी के बाद मैच की सुरक्षा के चाक चौबंद उपाय किये गए हैं. नासाउ काउंटी के पुलिस कमिश्नर पैट्रिक राइडर ने हाल ही में सुरक्षा इंतजामात की जानकारी दी थी . उन्होंने कहा था ,'' भारत पाकिस्तान मैच के लिये सुरक्षा इंतजाम उसी तरह के हैं जब कुछ साल पहले तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा के स्वागत के लिये किये गए थे .'

टीमें

भारत : रोहित शर्मा (कप्तान), हार्दिक पांड्या, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत, संजू सैमसन, शिवम दुबे, रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज।

पाकिस्तान : बाबर आजम (कप्तान), अबरार अहमद, आजम खान, फखर जमान, हारिस रऊफ, इफ्तिखार अहमद, इमाद वसीम, मोहम्मद अब्बास अफरीदी, मोहम्मद आमिर, मोहम्मद रिजवान, नसीम शाह, सैम अयूब, शादाब खान, शाहीन शाह अफरीदी, उस्मान खान।

मैच का समय : रात आठ बजे से (भारतीय समयानुसार)

रोहित ने कोहली और सूर्यकुमार के साथ अभ्यास किया

असमान उछाल वाली पिच पर टीम इंडिया ने किया प्रैक्टिस

भाषा। न्यूयॉर्क

रोहित शर्मा ने थ्रोडाउन से अंगूठे में गेंद लगने के बावजूद अन्य भारतीय बल्लेबाजों के साथ नेट्स पर अतिरिक्त अभ्यास किया ताकि रविवार को टी20 विश्व कप के मुकाबले में असमान उछाल वाली पिच पर पाकिस्तान के तेज आक्रमण का सामना बखूबी कर सकें.

थ्रोडाउन विशेषज्ञ नुवान सेनेविरत्ने का सामना करते हुए रोहित के बायें अंगूठे में गेंद लगी. वह असहज दिखे लेकिन बल्लेबाजी करते रहे . इसके बाद वह पिच के दूसरे छोर पर थ्रोडाउन का सामना करने चले गए. नासाउ काउंटी क्रिकेट मैदान की 'ड्रॉप इन' पिच की असमान उछाल के लिये काफी आलोचना हो रही है. पहले मैच में भारतीय गेंदबाजों ने आयरलैंड को 96 रन पर आउट कर दिया था, लेकिन रोहित और बाकी सीनियर बल्लेबाजों को बखूबी पता है कि शाहीन शाह अफरीदी, मोहम्मद आमिर, हारिस रऊफ और नसीम शाह से मिलने वाली चुनौती बिल्कुल अलग होगी. इसी वजह से कोचिंग स्टाफ ने यहां छह अभ्यास पिचों में से तीन को खुरदुरी करके अभ्यास किया है. दक्षिण अफ्रीका की टीम ने सुबह इन्हीं पिचों पर अभ्यास किया तो उनका कोई शीर्ष बल्लेबाज चोटिल होने के डर से कैगिसो रबाडा या एनरिच नॉर्किया का सामना करने नहीं उतरा. वहीं भारतीय बल्लेबाजों ने डटकर अभ्यास किया .

रोहित , विराट कोहली और बाकियों ने तीन घंटे तक अभ्यास सत्र में जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, खलील अहमद और मोहम्मद सिराज की गेंदों का सामना किया. कोहली, पंत और सूर्यकुमार यादव सबसे पहले उतरे. उन्होंने गेंदबाजों के साथ थ्रोडाउन विशेषज्ञों का भी सामना किया. भारत के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव पाकिस्तानी बल्लेबाजों के सामने बिल्कुल उपयुक्त होंगे लेकिन अक्षर पटेल या रविंद्र जडेजा की जगह उन्हें उतारा जाता है या नहीं, यह देखना होगा. कुलदीप ने बाकी स्पिनरों के साथ कड़ा अभ्यास किया. अभ्यास के बाद टीम बांडिंग सत्र में खिलाड़ियों ने फुटबॉल खेला.

ब्रीफ खबरें

अंशु मलिक ने बुडापेस्ट में रजत पदक जीता

बुडापेस्ट। भारतीय महिला पहलवान अंशु मलिक फाइनल में अपनी 21 वर्षीय चीनी प्रतिद्वंद्वी केक्सिन होंग की चुनौती से पार पाने में नाकाम रही और उन्हें यहां बुडापेस्ट रैंकिंग सीरीज कुश्ती टूर्नामेंट के 57 किग्रा वर्ग में रजत पदक से संतोष करना पड़ा. अंशु मलिक को तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर 1-12 से हार झेलनी पड़ी.

फाइनल में कार्लोस का सामना ज्वेरेव से

पेरिस। स्पेन के कार्लोस अल्काराज ने चार घंटे नौ मिनट तक चले मैराथन सेमीफाइनल मुकाबले में इटली के यानिक सिनेर को हराकर फ्रेंच ओपन फाइनल में जगह बना ली जहां उनका सामना अलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगा . अल्काराज ने 2 . 6, 6 . 3, 3 . 6, 6 . 4, 6 . 3 से मुकाबला जीतकर पहली बार रोलां गैरो पर फाइनल में जगह बनाई .

भारतीय महिला टीम जर्मनी से 2-4 से हारी

लंदन। भारतीय महिला हॉकी टीम एफआईएच प्रो लीग में लगातार छह हार का क्रम शनिवार को यहां जर्मनी के खिलाफ 2-4 से मैच गंवा कर रोकने में विफल रही. भारतीय टीम दो गोल की बढ़त को बरकरार नहीं रख सकी. सुनिलिता टोप्पो व दीपिका ने शुरुआती क्वार्टर में बेहतरीन मैदानी गोल करके हरेंद्र सिंह की टीम के लिए अच्छा मौका बनाया था.

न्यूजीलैंड को 84 रन से हराकर सुपर आठ में प्रवेश का दावा किया मजबूत

अफगानिस्तान ने किया बड़ा उलटफेर

जार्जटाउन। एजेंसी

कप्तान राशिद खान और फजलहक फारूकी की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद रहमानुल्लाह गुरबाज की आक्रामक बल्लेबाजी के दम पर अफगानिस्तान ने टी-20 विश्व कप ग्रुप सी के मैच में न्यूजीलैंड को 84 रन से हराकर सुपर आठ चरण में प्रवेश का दावा पुख्ता कर दिया. जीत के लिये 160 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड की टीम 15.2 ओवर में 75 रन पर आउट हो गई जो टी-20 क्रिकेट में उसका चौथा न्यूनतम स्कोर है. फारूकी और राशिद दोनों ने 17 . 17 रन देकर चार - चार विकेट लिये. पहले बल्लेबाजी के लिये भेजी गई अफगानिस्तान ने गुरबाज और इब्राहिम जदरान के बीच पहले विकेट के लिये 103 रन की साझेदारी के दम पर छह विकेट पर 159 रन बनाये . आईपीएल चैम्पियन कोलकाता नाइट राइडर्स के लिये खेलने वाले गुरबाज ने 56 गेंद में पांच चौकों और पांच छक्कों की मदद से 80 रन बनाये . वहीं इब्राहिम 41 गेंद में 44 रन बनाकर आउट हुए . अफगानिस्तान ने 2016 में वेस्टइंडीज को नागपुर में छह रन से हराया था । तब चैम्पियन रही वेस्टइंडीज टीम अफगानिस्तान के सामने 124 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए आठ विकेट पर 117 रन ही बना सकी थी.अफगानिस्तान अब दो मैचों में चार अंक लेकर शीर्ष पर है. वेस्टइंडीज और युगांडा उसके बाद हैं जबकि पापुआ न्यू गिनी और न्यूजीलैंड ने खाता नहीं खोला है . अफगानिस्तान का सामना अब पापुआ न्यू गिनी से और न्यूजीलैंड की टक्कर वेस्टइंडीज से होगी . गुरबाज और इब्राहिम ने युगांडा पर पहले मैच में मिली 125 रन से जीत में 154 रन की साझेदारी की थी . टी-20 विश्व कप में लगातार दो शतकीय साझेदारियां करने वाली यह तीसरी जोड़ी और पहली सलामी जोड़ी है . दोनों 15वें ओवर तक डटकर बल्लेबाजी करते रहे जब तक कि इब्राहिम आउट नहीं हुए . गुरबाज 20वें ओवर में पवेलियन लौटे.सीमित ओवरों के पिछले छह विश्व कप में कम से कम सेमीफाइनल तक पहुंची न्यूजीलैंड टीम खिताब के प्रबल दावेदारों में से एक मानी जा रही है . उसने हालांकि कोई अभ्यास मैच नहीं खेला और अधिकांश कीवी खिलाड़ियों ने कई दिनों से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला है . उन्होंने कई कैच टपकाये, ओवरथ्रो किये और फील्डिंग में ढिलाई बरती. दस ओवर के बाद अफगानिस्तान का स्कोर बिना किसी नुकसान के 55 रन था .

स्कोर बोर्ड

75/10 न्यूजीलैंड

159/6 अफगानिस्तान

बांग्लादेश ने रोमांचक मैच में श्रीलंका को हराया

डलास। एजेंसी

युवा लेग स्पिनर रिशाद हुसैन के तीन विकेट और महमूदुल्लाह रियाद की संयमित पारी के दम पर बांग्लादेश ने टी20 विश्व कप के रोमांचक मुकाबले में श्रीलंका को दो विकेट से हरा दिया .

डलास की अच्छी पिच पर रिशाद की गुगली और लेग ब्रेक ने श्रीलंकाई पारी की कमर तोड़ दी . रिशाद ने सात गेंद के भीतर तीन विकेट लेकर श्रीलंका को नौ विकेट पर 124 रन पर रोक दिया . उन्होंने चार ओवरों में 22 रन देकर तीन विकेट लिये . एक समय पर श्रीलंका का स्कोर 8 . 4 ओवर में दो विकेट पर 70 रन था लेकिन उसने सात विकेट 54 रन के भीतर गंवा दिये . मुस्ताफिजूर रहमान ने 17 रन देकर तीन विकेट लिये . श्रीलंका के लिये सिर्फ पाथुम निसांका ही डटकर खेल सके जिन्होंने 28 गेंद में 47 रन बनाये . धनंजय डिसिल्वा ने 21 रन की पारी खेली . जवाब में बांग्लादेश के लिये तौहीद हृदय ने 20 गेंद में चार छक्कों की मदद से 40 रन बनाये और चौथे विकेट के लिये लिटन दास (38 गेंद में 36 रन) के साथ 63 रन की साझेदारी की . नुवान तुषारा ने हालांकि 18 रन देकर चार विकेट लेते हुए श्रीलंका को मैच में लौटाया.बांग्लादेश के पांच विकेट 21 रन के भीतर गिर गए . उस समय स्कोर आठ विकेट पर 113 रन था और बांग्लादेश को जीत के लिये 12 रन की जरूरत थी.अनुभवी महमूदुल्लाह ने दासुन शनाका को 19वें ओवर में छक्का लगाया .सातवें नंबर पर उतरे महमूदुल्लाह 13 गेंद में 16 रन बनाकर नाबाद रहे .दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश से हारने के बाद ग्रुप डी से श्रीलंका के सुपर आठ में पहुंचने की संभावनायें क्षीण हो गई हैं . बांग्लादेश को अब नेपाल और नीदरलैंड से खेलना है .

स्कोर बोर्ड

125/8 बांग्लादेश

124/9 श्रीलंका

बोस, रानावाडे, लाल चुंगनुंगा कतर के खिलाफ टीम का ऐलान

कोलकाता । भारतीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच इगोर स्टिमक ने शनिवार को कतर के खिलाफ मंगलवार को होने वाले विश्व कप क्वालीफायर के लिये 23 सदस्यीय टीम का ऐलान किया. इसमें मोहन बागान के अनुभवी खिलाड़ियों शुभाशीष बोस, मुंबई एफसी के अमय रानावाडे और ईस्ट बंगाल के लालचुंगनुंगा को टीम में जगह नहीं मिली है. सुनील छेत्री के संन्यास के बाद यह भारत का पहला मैच है. छेत्री ने गुरुवार को कुवैत के खिलाफ गोलरहित ड्रॉ रहे मैच के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से विदा ले ली. भारत पांच अंक लेकर कतर के बाद दूसरे स्थान पर है. अफगानिस्तान पांच अंक लेकर तीसरे और कुवैत तीन अंक के साथ चौथे स्थान पर है. कुवैत का सामना अफगानिस्तान से होगा. भारत को तीसरे दौर में पहुंचने के लिए हर हालत में दो बार के एशियाई चैम्पियन कतर को हराना होगा. अफगानिस्तान और कुवैत का मैच ड्रॉ रहने पर भारत के लिए एक अंक ही काफी होगा.

भारतीय टीम

गोलकीपर : गुरप्रीत सिंह संधू, अमरिंदर सिंह, विशाल कैथ, डिफेंडर : अनवर अली, जय गुप्ता, मेहताब सिंह, नरेंदर, निखिल पुजारी, राहुल भेके, मिडफील्डर : अनिरूद्ध थापा, ब्रेंडन फर्नांडिस, एडमंड लालरिंडिका, जैकसन सिंह टी, लालियांजुआला छांगटे, लिस्टन कोलासो, महेश सिंह, नंदकुमार सेकर, सहल अब्दुल समद, सुरेश सिंह, फॉरवर्ड : मनवीर सिंह, रहीम अली, विक्रम प्रताप सिंह, डेविड एल.

नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट हिकारू को हराकर प्रज्ञा ने अपने अभियान का सकारात्मक अंत किया

प्रज्ञाननंदा ने नाकामुरा को हराया, कार्लसन ने खिताब जीता

भाषा। स्टावेंजर (नॉर्वे)

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञाननंदा ने नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट के अंतिम दौर में अमेरिका के हिकारू नाकामुरा को हराकर अपने अभियान का सकारात्मक अंत किया और तीसरे स्थान पर रहे, जबकि दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने अपनी ख्याति के अनुरूप प्रदर्शन करके खिताब जीता.

कार्लसन ने 17.5 अंक लेकर अपने अभियान का अंत किया. विजेता बनने पर उन्हें लगभग 65000 डॉलर की इनामी राशि मिली. उन्होंने प्रत्येक दौर में जीत दर्ज की. इनमें क्लासिकल टाइम कंट्रोल और आर्मगेडन दोनों शामिल हैं. नाकामुरा ने अंतिम दौर में हारने के बावजूद 15.5 अंक के साथ दूसरा स्थान हासिल किया जबकि प्रज्ञाननंदा 14.5 अंक लेकर तीसरे स्थान पर रहे. प्रज्ञाननंदा के लिए यह राहत की बात रही कि उन्होंने इस टूर्नामेंट में विश्व के चोटी के तीन खिलाड़ियों को हराया. उन्होंने कार्लसन और फैबियानो कारूआना को क्लासिकल टाइम कंट्रोल में पराजित किया और अब नाकामुरा के खिलाफ उनकी जीत ने सुनिश्चित किया कि वे शीर्ष तीन खिलाड़ियों को हराने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं. अलीरेजा फिरौजा (13.5 अंक) ने चौथा स्थान हासिल किया. उन्होंने चीन के मौजूदा विश्व चैंपियन डिंग लिरेन को हराया जो छठे और अंतिम स्थान पर रहे. कारूआना ने 10 अंक के साथ पांचवां स्थान हासिल किया. महिला वर्ग में चीन की वेनजुन जू ने हमवतन टिंगजी लेई को हराकर शीर्ष स्थान हासिल किया. उन्होंने क्लासिकल टाइम कंट्रोल के तहत तीन जीत से कुल 19 अंक हासिल किए. अन्ना मुजीचुक 16 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रही. उनके बाद लेई (14.5 अंक), भारत की आर वैशाली (12.5 अंक) और कोनेरू हम्पी (10 अंक) तथा पिया क्रैमलिंग (आठ अंक) का नंबर आता है. वैशाली को अंतिम दौर में क्रैमलिंग जबकि हम्पी को मुजीचुक से हार का सामना करना पड़ा.

65000 डॉलर की लगभग इनामी राशि मिली

युगांडा-वेस्टइंडीज का मैच होगा रोचक

जार्जटाउन । एजेंसी

सह मेजबान वेस्टइंडीज के बल्लेबाज टी20 विश्व कप में ग्रुप सी के मैच में युगांडा के खिलाफ उतरेंगे तो उनका इरादा बल्लेबाजी में अपनी कमजोरियों से पार पाने का होगा . खिताब की प्रबल दावेदार और दो बार की पूर्व चैम्पियन वेस्टइंडीज टीम ने पहले मैच में पापुआ न्यू गिनी जैसी कमजोर टीम को पांच विकेट से हराया लेकिन 137 रन के आसान लक्ष्य का पीछा करने में उसके पसीने छूट गए थे . पापुआ न्यू गिनी को हराकर यहां पहुंची युगांडा टीम के खिलाफ वेस्टइंडीज को चौकस रहना होगा .

मैच का समय : सुबह छह बजे से (भारतीय समयानुसार)

टीमें

वेस्टइंडीज : रोवमैन पॉवेल (कप्तान), अल्जारी जोसेफ, जॉनसन चार्ल्स, रोस्टन चेज, शिमरोन हेटमायर, जेसन होल्डर, शाई होप, अकील होसेन, शमर जोसेफ, ब्रैंडन किंग, गुडाकेश मोटी, निकोलस पूरन, आंद्रे रसेल, शेरफेन रदरफोर्ड, रोमारियो शेफर्ड.

युगांडा : ब्रायन मसाबा (कप्तान), साइमन सेसाज़ी, रोजर मुकासा, कॉसमास क्येवता, दिनेश नाकरानी, फ्रेड अचेलम, केनेथ वैसवा, अल्पेश रामजानी, फ्रैंक न्सुबुगा, हेनरी सेन्योंडो, बिलाल हसन, रॉबिन्सन ओबुया, रियाज़त अली शाह, जुमा मियाजी, रोनक पटेल.

ब्रीफ खबरें

डबल मर्डर मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

भागलपुर । जिले के सुल्तानगंज थाना क्षेत्र अन्तर्गत ग्राम-फतेहपुर में हुए डबल मर्डर मामले में शामिल मुख्य अभियुक्त सहित 2 अभियुक्त को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. उक्त आशय की जानकारी शनिवार को सिटी एसपी श्रीराज ने दी. सिटी एसपी ने बताया कि बीते 6 जून को सुल्तानगंज थाना क्षेत्र अन्तर्गत फतेहपुर गांव में विकास मंडल एवं उसके परिवार के द्वारा राजीव मंडल के परिवार के साथ मारपीट की गई तथा इसी क्रम में राजीव मंडल एवं राजीव मंडल के पुत्र आयुष कुमार को गोली मारकर जख्मी कर दिया गया.

पुलिस ने मिनी गन फैक्ट्री का किया उद्भेदन

मुंगेर । मुंगेर में अपराधी बेखौफ होकर आपराधिक घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं. गंभीर घटनाओं को अंजाम देकर अपराधी पुलिस को खुलेआम चुनौती दे रहे हैं. इसी कड़ी में मुंगेर में पुलिस ने टेटिया बंबर थाना क्षेत्र के डंगरा के समीप स्थित जंगली पहाड़ी इलाकों में छापेमारी कर मिनी गन फैक्ट्री का पर्दाफाश किया है. जहां से रंगे हाथों अवैध हथियार बनाते हुए पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार अपराधियों से पुलिस ने तीन देशी कट्टा, तेरह बैरल, तीन हथियार का बॉडी, एक मैगजिन,एक जिंदा कारतूस के साथ अवैध हथियार बनाने का ढेर सारा औजार बरामद किया है.

हत्या को लेकर परिजन ने की कार्रवाई की मांग

नवादा । नवादा जिले के नारदीगंज थाना क्षेत्र के अंदर बाजार नारदीगंज स्थित नट टोली में डब्लू नट की 30 वर्षीय पत्नी अनीता देवी की हत्या शनिवार को कर दी गई. इस मामले में अभी तक किसी भी नामजद अभियुक्त की गिरफ्तारी नहीं हुई है. नारदीगंज थाना अध्यक्ष राजगृह प्रसाद ने बताया कि मृतका के मायके वालों के लिखित शिकायत पर मामला दर्ज किया गया है. दर्ज मामले की तहकीकात की जा रही है. मृतका के भाई विजय सपेरा ने अनीता देवी को जहर देकर हत्या करने का आरोप लगाया है. इस घटना में चार लोगों को आरोपित किया गया है.

18 जिलों का पारा 40 पार, चार डिग्री तापमान बढ़ने के आसार

संवाददाता ।पटना

बिहार में फिर से गर्मी झुलसाने लगी है. गर्म पछुआ हवा ने लोगों को परेशान कर दिया है. मौसम विभाग की मानें तो अगले तीन दिनों तक गर्मी से राहत नहीं मिलने वाली है. पिछले 24 घंटे में पटना, गया, रोहतास समेत 18 जिले का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक रहा. मौसम विभाग के अनुसार अगले 48 घंटे में राज्य के कई जिलों के तापमान में दो से चार डिग्री तक वृद्धि का पूर्वानुमान है. बिहार के दक्षिण-पश्चिम, उत्तर-पश्चिम, उत्तर-मध्य, दक्षिण-पूर्व और दक्षिण-मध्य इलाके में गर्म और आर्द दिन रहने के आसार हैं. इन जिलों के लू का यलो अलर्ट जारी किया गया है.

▪ फाइल फोटो

18 जिलों में पारा 40 पार रहा

पिछले 24 घंटे में पटना में 41.9 डिग्री, गया 43.2 डिग्री, भागलपुर, 40.8 डिग्री, डेहरी 43.8 डिग्री, शेखुपरा 42.1 डिग्री, गोपालगंज में 40.1 डिग्री, जमुई में 40 डिग्री, बक्सर 43.4 डिग्री, भोजपुर में 43.1 डिग्री, वैशाली में 41.5, औरंगाबाद में 43.6 डिग्री, बांका में 42.2 डिग्री, नवादा में 42.7 डिग्री, राजगीर में 42.3, जीरादेई में 41.6 डिग्री, अरवल में 43.6 डिग्री, बिक्रमगंज में 43.2 डिग्री और मुंगेर में 41.7 डिग्री तापमान दर्ज किया गया.

अधिकतम तापमान 44 डिग्री रहेगा

मौसम विभाग का मानना है कि शनिवार को बिहार के दक्षिण पश्चिम भाग के तापमान में बढ़ोतरी होगी. दक्षिण पश्चिम भाग के अधिकतम तापमान 42 से 44 डिग्री के बीच रहेंगे. जबकि न्यूनतम तापमान 28 से 30 डिग्री के बीच बताई गई है. वहीं दक्षिण मध्य एवं दक्षिण पूर्व के अधिकतम तापमान 40 से 42 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना जताई गई है.

सबसे कम अधिकतम तापमान अररिया में 32.8 डिग्री

मौसम विभाग के अनुसार, 24 घंटे के दौरान राज्य के उत्तर भाग के एक दो जगह पर हल्के से मध्यम स्तर की वर्षा दर्ज की गई. दिन का तापमान राज्य के दक्षिण पश्चिम भाग में 40 डिग्री से ऊपर या उसके आसपास रहा. शेष बिहार में 38 डिग्री से नीचे और उसके आसपास रहा. पूरे बिहार में नमी की मात्रा बनी हुई है. सबसे कम अधिकतम तापमान अररिया में 32.8 डिग्री सेल्सियस और सबसे अधिक अधिकतम तापमान वैशाली में 41.1 सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया. मानसून की उत्तरी सीमा आज भी उप हिमालय पश्चिम बंगाल के इस्लामपुर पर आकर रुका हुआ है. कल जो पूरब पश्चिम टर्फ रेखा पश्चिम बंगाल तक जा रही थी.

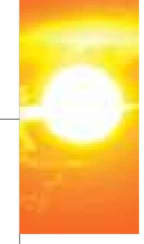

मुलाकात

नई दिल्ली में पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद अपने आवास पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से शिष्टाचार भेंट करते हुए.

समस्तीपुर में बदमाशों ने की अंधाधुंध फायरिंग

एबीवीपी के छात्र नेता सहित 3 को लगी गोली, एक की मौत

संवाददाता ।समस्तीपुर

समस्तीपुर के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के जितवारपुर वार्ड संख्या 17 में शनिवार को पंचायत भवन के पास में बाइक सवार बदमाशों ने जमीन विवाद में अंधाधुंध फायरिंग की घटना को अंजाम दिया है. अंधाधुंध हुई फायरिंग की घटना में एबीवीपी के छात्र नेता सहित तीन को गोली लग गई. घटना में एक बुजुर्ग की मौत हो गई और दो लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए.

मृतक की पहचान जितवारपुर गांव निवासी देवनारायण राय (70 वर्ष) के रूप में हुई है. वहीं, जख्मी की पहचान मृतक के पुत्र सुरेंद्र कुमार राय और एबीवीपी के छात्र नेता कोरबद्धा निवासी मुलायम सिंह यादव के रूप में हुई है.

घटना के बाद स्थानीय लोगों ने दोनों जख्मी को इलाज के लिए सदर अस्पताल ले गए. जहां मौजूद चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनों की गंभीर स्थिति देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया. घटना को लेकर बताया जाता है कि जितवारपुर पंचायत भवन के पास मकान निर्माण का काम चल रहा था. इस दौरान बाइक सवार बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग करनी शुरू कर दी.

घायल को अस्पताल में भर्ती कराते परिजन.

एक दिन पहले पंचायत भी हुई थी

अस्पताल में मौजूद मृतक की बहू ने बताया कि कारण कुछ नहीं था. दीवार जोड़ रहे थे. उसके रास्ते की नापी हो गई थी. काम के दौरान हमारे ससुर, पति व भाई को गोली मार दी. घर के दरवाजे पर ही गोलीबारी की घटना हुई है. शुक्रवार को ही इसको लेकर पंचायत भी हुआ था. इस संबंध में मुफस्सिल थानाध्यक्ष पिंकी प्रसाद ने बताया कि घटना में एक की मौत हो गई है. जबकि दो को रेफर किया गया है. घटना का कारण जमीन विवाद है. इन लोगों के बीच चल रहे जमीन विवाद की जानकारी पूर्व में पुलिस को नहीं दी गई थी. घटना की जांच की जा रही है.

चीनी नागरिक ने की जेल में आत्महत्या करने की कोशिश

पटना । मुजफ्फरपुर शहर के लक्ष्मी चौक से बिना वैध वीजा के गिरफ्तार चीन के नागरिक ली जियाकी ने शुक्रवार देर रात खुदीराम बोस केंद्रीय कारावास में आत्महत्या का प्रयास किया. उसने कारावास के अस्पताल के शौचालय में अपने चश्मे के शीशे से प्राइवेट पार्ट को काटने की कोशिश की. अत्यधिक खून बहने से बेहोश हो गया. यह जानकारी मिलते ही जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया. जेल प्रशासन ने उसे श्रीकृष्ण जुबली मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में भर्ती कराया है. यह जानकारी सेंट्रल जेल प्रशासन ने दी. ब्रह्मपुरा पुलिस चौकी के जवानों ने ली जियाकी को बस स्टैंड के पास दबोचा था. जेल प्रशासन ने जेल के हॉस्पिटल वार्ड में सजायाफ्ता बंदियों से पूछताछ की है. पुलिस के सामने समस्या भाषा को लेकर है. चीन के नागरिक की भाषा को स्थानीय प्रशासनिक अधिकारी या जेल के दूसरे बंदी नहीं समझ पा रहे हैं.

बूढ़ी गंडक में डूबने से चार वर्षीय बच्ची की मौत

पूर्वी चंपारण । जिले के मेहसी थाना क्षेत्र में बूढ़ी गंडक में डूबने से एक चार वर्षीय बच्ची की मौत हो गई है. घटना मेहसी के भीमलपुर गांव की है. घटना की सूचना पर पहुंचे परिजन जब-तक बच्ची को निकालते तब-तक उसकी मौत हो चुकी थी.मृतका की पहचान भीमलपुर गांव निवासी सुनील राय की चार वर्षीय बेटी संध्या कुमारी के रूप में हुई है. परिजन ने बताया कि घर के समीप बूढ़ी गंडक नदी गुजरती है, जिसके बांध पर लीची का पेड़ लगा है. संध्या लीची खाने के लिए अपनी सहेली मुस्कान के साथ गई थी. लीची खाने के बाद वह हाथ धोने नदी में गई, इसी बीच उसका पांव फिसल गया और वह नदी के गहरे पानी में डूबने लगी.

स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे ने कहा-

अगले चार महीने में 45 हजार पदों पर होंगी नियुक्तियां

संवाददाता ।पटना

स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग में डाक्टर, नर्स सहित 45 हजार से अधिक पदों पर नियुक्तियां की जाएंगी. जनता को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो यह प्राथमिकता है. मुख्यालय से लेकर स्वास्थ्य उप केंद्रों तक जो भी पद रिक्त हैं उन पर अगले चार महीने में नियुक्तियां की जाएंगी. जैसे एएनएम जीएनएम, स्पेशलिस्ट डॉक्टर, पारा मेडिकल स्टाफ इत्यादि की बहाली होगी. उन्होंने कहा कि एक महीने के अंदर एक करोड़ आयुष्मान कार्ड बनाने का लक्ष्य रखा गया है. राज्य में अभी दो करोड़ 90 लाख से अधिक लोगों का आयुष्मान कार्ड बन चुका है. आयुष्मान कार्डधारी देश में आयुष्मान योजना के तहत संबद्ध किसी भी अस्पताल में पांच लाख रुपये तक मुफ्त इलाज करा सकेंगे. आवश्यक दवाओं की सूची की सभी औषधियों का अनुबंध दर 31 जुलाई तक पूर्ण कर लेने का निर्देश दिया है. अगले विधानसभा में डेढ़ साल का वक्त है. जो टारगेट है उसको पूरा करना है. जनता से किए गए वादे को पूरा करना है.

प्रेम-प्रसंग में युवक की गला रेतकर हत्या

कैमूर जिले के बेलांव थाना क्षेत्र में हुई वारदात, जांच-पड़ताल जारी

संवाददाता ।पटना

कैमूर जिले के बेलांव थाना क्षेत्र के काली मंदिर के पास शनिवार की सुबह एक शव मिला. शव की पहचान बेलांव थाना क्षेत्र के सोनडीहरा गांव के सुचित राम के 21 वर्षीय पुत्र पंकज कुमार के रूप में हुई है. ग्रामीणों ने घटना की जानकारी पुलिस को दी. सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुट गई. वहीं, ग्रामीणों के अनुसार नाबालिग लड़की से प्रेम प्रसंग और शादी को लेकर उसकी हत्या हुई है. ग्रामीणों ने बताया कि पंकज छह माह पूर्व गांव के ही नाबालिग लड़की को भगाकर मुंबई ले गया. जहां मंदिर और कोर्ट में लव मैरिज शादी कर ली. पुलिस मामले की जांच शुरू कर दी है.

▪ घटना की जानकारी लेते पुलिसकर्मी

कारोबार

तिरुपुर कपड़ा उद्योग का संकट बरकरार

तमिलनाडु । अपने कपड़ा उद्योग के लिए फेमस तमिलनाडु का तिरुपुर इन दिनों संकटों से जूझ रहा है. यह संकट पैदा हुआ है हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव के कारण. खबरों की मानें तो तिरुपुर कपड़ा उद्योग अभी श्रमिकों की कमी की समस्या का सामना कर रहा है. ईटी की एक रिपोर्ट के अनुसार, तिरुपुर के कपड़ा उद्योग में काम करने वाले ज्यादातर कामगार हालिया चुनावों में वोट डालने के लिए अपन गांव गए. उसके बाद समस्या ये आई है कि वोट डालने अपने गांव गए मजदूर अब वापस नहीं लौट रहे हैं.

अडाणी पोर्ट्स को मिला संचालन का कॉन्ट्रैक्ट

नयी दिल्ली । अदाणी समूह की कंपनी अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकॉनोमिक जोन लिमिटेड ने शुक्रवार को बताया कि कंपनी को अगले पांच वर्षों के लिए कोलकाता बंदरगाह के रखरखाव और संचालन का कॉन्ट्रैक्ट मिल गया है. कंपनी ने बयान में बताया कि स्वीकृति पत्र मिलने के सात महीने के भीतर बंदरगाह पर कार्गो हैंडलिंग उपकरण तैनात कर दिए जाएंगे. कंपनी ने बयान में कहा कि एपीएसई जेड ने कोलकाता को श्यामा प्रसाद मुखर्जी बंदरगाह के पांच साल के संचालन और रखरखाव के लिए कॉन्ट्रैक्ट हासिल कर लिया है.

7000 करोड़ रुपये का होगा आईपीओ

नयी दिल्ली । बजाज फाइनेंस की सब्सिडियरी बजाज हाउसिंग फाइनेंस आईपीओ लेकर आने वाली है. कंपनी का आईपीओ लगभग 7000 करोड़ रुपये का होगा. आईपीओ लाने के लिए कंपनी ने मार्केट रेगुलेटर सेबी को दस्तावेज सौंप दिए हैं. बजाज हाउसिंग फाइनेंस द्वारा सेबी को दिए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस के अनुसार, इस आईपीओ में 4000 करोड़ रुपये के फ्रेश इक्विटी शेयर जारी किए जाएंगे. इसके अलावा कंपनी लगभग 3000 करोड़ रुपये ऑफर फॉर सेल रूट के जरिए जुटाने की कोशिश भी करेगी. आईपीओ का साइज करीब 7000 करोड़ रुपये रहने वाला है.

भारत ने मई में 722 करोड़ रुपये का सोना खरीदा

पूरी दुनिया में भारत बना तीसरा सबसे बड़ा खरीदार, स्विट्जरलैंड टॉप पर

एजेंसियां ।नयी दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक यानी आरबीआई ने मई में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा सोना खरीदार रहा. वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के मुताबिक, बीते माह भारत ने करीब 722 करोड़ रुपए का सोना खरीदा. सिर्फ स्विटजरलैंड और चीन ने भारत से ज्यादा गोल्ड खरीदा. बीते 5 वित्त वर्षों में भारत ने अपने गोल्ड रिजर्व में करीब 204 टन सोने की बढ़ोतरी की. मार्च 2019 में देश का गोल्ड रिजर्व 618.2 टन था, जो 31 मार्च 2024 को 33% बढ़कर 822.1 टन हो गया. हालांकि, इस दौरान सोने की कीमतों में करीब 70% की बढ़ोतरी हुई है.

सोने की बढ़ती कीमतों की वजह से बीते माह ग्लोबल गोल्ड मार्केट में औसत दैनिक ट्रेडिंग वॉल्यूम 18 लाख करोड़ रुपए रहा. यह अप्रैल 2024 की तुलना में 13% कम, लेकिन 2023 के औसत 13.6 लाख करोड़ रुपए रोजाना से 32.51% ज्यादा है. बता दें कि मई में लगातार तीसरे महीने सोने की कीमतें बढ़ीं. पर शुक्रवार को देश में जेवराती सोना (22 कैरेट) 773 रुपए प्रति 10 ग्राम घटकर 65,872 रुपए पर आ गया. 24 कैरेट सोना का भाव भी गुरुवार के मुकाबले 844 रुपए घटकर 71,913 रुपए प्रति 10 ग्राम रह गया.

फाइनेंशियल क्राइसिस से बाहर आया

यदि किसी देश की करेंसी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कमजोर होती है, तो सोने का भंडार उस देश की क्रय शक्ति और उसकी आर्थिक स्थिरता को बनाए रखने में मदद करता है. 1991 में जब भारत की इकोनॉमी डूब रही थी और उसके पास सामान इंपोर्ट करने के लिए डॉलर नहीं थे तो उसने सोने को गिरवी रख पैसे जुटाए थे और इस फाइनेंशियल क्राइसिस से बाहर आया था. बहुत अधिक भंडार होने का मतलब है कि देश की अर्थव्यवस्था मजबूत है. यह भी पता चलता है कि वह देश अपने धन का अच्छी तरह से प्रबंधन करता है. ऐसे में अन्य देश और ग्लोबल फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशन उस देश पर ज्यादा भरोसा करते हैं. गोल्ड रिजर्व किसी भी देश की करेंसी वैल्यू का सपोर्ट करने के लिए एक सॉलिड एसेट प्रदान करता है. इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार इस साल अब तक सोने के दाम 8,561 रुपए बढ़ चुके हैं. 1 जनवरी को सोना 63,352 रुपए पर था, जो अब 71,913 रुपए प्रति 10 ग्राम पहुंच गया है. वहीं एक किलो चांदी के दाम 73,395 रुपए से बढ़कर 90,535 रुपए पर पहुंच गए हैं.

ब्रिटेन में निवेश करने में महाराष्ट्र, कर्नाटक और दिल्ली शीर्ष पर : रिपोर्ट

लंदन । ब्रिटेन में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) करने वाले भारत के शीर्ष तीन राज्य- महाराष्ट्र, उसके बाद कर्नाटक और दिल्ली हैं. सीआईआई और ब्रिटेन में भारतीय उच्चायोग द्वारा तैयार की गई एक नई संयुक्त रिपोर्ट में यह बात कही गई है. इस सप्ताह लंदन में पेश की गई रिपोर्ट से पता चला कि महाराष्ट्र में मुख्यालय वाली कंपनियों ने 2023 में ब्रिटेन में सबसे अधिक 20 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश किया. इसके बाद कर्नाटक (12 %) और दिल्ली (8.6 प्रतिशत) का स्थान है. शीर्ष 10 राज्यों में गुजरात (7.1%), तमिलनाडु (6.7%), तेलंगाना (6.5%), उत्तर प्रदेश (5.9 %), हरियाणा (4.5 प्रतिशत), पश्चिम बंगाल (3.14 प्रतिशत) और केरल (3.05 प्रतिशत) शामिल हैं. यह भारत से ब्रिटेन में कुल एफडीआई का 78 प्रतिशत है. ब्रिटेन में भारतीय उच्चायुक्त विक्रम दोरईस्वामी ने लंदन में रिपोर्ट जारी करते हुए कहा, भारत-ब्रिटेन गलियारे की पुनर्कल्पना करने वाले हमारे कारोबार सुरक्षित और टिकाऊ भविष्य के लिए हमारे साझा दृष्टिकोण और आकांक्षाओं को साकार करेंगे. विश्लेषण में पाया गया कि कंपनियों और कर्मचारियों की संख्या के लिहाज से भारत से एफडीआई लाने वाला अग्रणी क्षेत्र आईटी और सॉफ्टवेयर है.

7,000 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए दस्तावेज दाखिल किए

एजेंसियां ।नयी दिल्ली

बजाज हाउसिंग फाइनेंस

बजाज हाउसिंग फाइनेंस ने आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के जरिए 7,000 करोड़ रुपये जुटाने के लिए पूंजी बाजार नियामक सेबी के पास आरंभिक दस्तावेज दाखिल किए हैं. भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास दाखिल दस्तावेजों के अनुसार, प्रस्तावित आईपीओ में 4,000 करोड़ रुपये तक के नए इक्विटी शेयर जारी किए जाएंगे और मूल कंपनी बजाज फाइनेंस द्वारा 3,000 करोड़ रुपये के इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल है. शेयर बिक्री भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के नियमों का पालन करने के लिए की जा रही है, जिसके अनुसार ऊपरी स्तर की गैर-बैंकिंग वित्त कंपनियों (एनबीएफसी) को सितंबर, 2025 तक शेयर बाजारों में सूचीबद्ध होना आवश्यक है. नए निर्गम से प्राप्त राशि का उपयोग कंपनी की पूंजी आधार को बढ़ाने के लिए किया जाएगा ताकि भविष्य की पूंजी जरूरतों को पूरा किया जा सके.

जीएसटीएन ने तैयार माल का ब्योरा देने वाला फॉर्म जारी किया

एजेंसियां ।नयी दिल्ली

जीएसटी नेटवर्क (जीएसटीएन) ने कर चोरी रोकने के लिए पान मसाला और तंबाकू उत्पादों के निर्माताओं के लिए एक नया फार्म जारी किया है. इस फार्म के जरिए निर्माता कच्चे माल और तैयार माल का ब्योरा कर अधिकारियों को देंगे. यह नया फॉर्म जीएसटी एसआरएम-2 है. जीएसटीएन ने इससे पहले ऐसे निर्माताओं की मशीनों के पंजीकरण के लिए जीएसटी एसआरएम-1 फॉर्म जारी किया था. जीएसटीएन ने सात जून को अपने करदाताओं को सूचित किया, फॉर्म जीएसटी एसआरएम-2 नामक दूसरा फॉर्म भी पोर्टल पर उपलब्ध है. पान मसाला और तंबाकू उत्पादों के निर्माण में शामिल करदाता अब संबंधित महीने के लिए खरीदे गए और खपत किए गए कच्चे माल और तैयार माल का विवरण बता सकते हैं.

मीडिया रिपोर्ट चंद्रबाबू नायडू परिवार की संपत्ति 5 दिन में ₹858 करोड़ बढ़ी

35.71% हिस्सेदारी वाले हेरिटेज फूड्स के शेयर 55% चढ़े

खास बातें

- नायडू की पत्नी के पास कंपनी में 24.37% हिस्सेदारी है
- बेटे और बहू के पास 10.82% और 0.46% हिस्सेदारी है

एजेंसियां ।नयी दिल्ली

चंद्रबाबू नायडू परिवार की संपत्ति पिछले पांच दिनों में ही 858 करोड़ रुपये बढ़ी है. मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार हेरिटेज फूड्स के शेयरों में इस दौरान 55% का उछाल आने से ऐसा हुआ है. हेरिटेज फूड्स के प्रमोटर पार्टी प्रमुख चंद्र बाबू नायडू के बेटे नारा लोकेश हैं. चंद्रबाबू नायडू 12 जून को आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे.

चंद्रबाबू नायडू अपने परिवार के साथ.

हेरिटेज ग्रुप की स्थापना 1992 में चंद्रबाबू नायडू ने की थी. यह कंपनी डेयरी, रिटेल और एग्री सेगमेंट में काम करती है.

हाल ही में हुए आंध्र प्रदेश विधानसभा और लोकसभा चुनावों में तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) प्रमुख चंद्रबाबू नायडू का शानदार प्रदर्शन रहा है. इससे उनकी कंपनी पर निवेशकों का भरोसा बढ़ा है. नायडू की पत्नी भुवनेश्वरी के पास कंपनी में 24.37% हिस्सेदारी है, जबकि बेटे लोकेश और बहू ब्राह्मणी के पास 10.82% और 0.46% हिस्सेदारी है. नायडू के पोते देवांश के पास इसमें 0.06% हिस्सेदारी है. यानी चंद्रबाबू नायडू के परिवार की कंपनी में कुल हिस्सेदारी 35.71% है.

शुक्रवार को 10% चढ़ा : शुक्रवार 7 जून को हेरिटेज फूड्स का शेयर 10% की तेजी के साथ 661.25 रुपए पर बंद हुआ. वहीं बीते 5 दिनों में इसमें 55% की तेजी रही है. 4 जून को हेरिटेज फूड्स का शेयर 455.45 रुपए पर था जो 7 जून को 661.25 रुपर पर पहुंच गया. वहीं हेरिटेज फूड्स का मार्केट कैप इस हफ्ते 2,400 करोड़ रुपए से ज्यादा बढ़ा है. कंपनी का मार्केट कैप 7 जून को 6,136 करोड़ रुपए हो गया. यह एक सप्ताह पहले 3,700 करोड़ रुपए था.

श्रीलंका ने ऋण पुनर्गठन के मोर्चे पर मजबूत प्रगति की : आईएमएफ

एजेंसी ।कोलंबो

श्रीलंका के वृहद आर्थिक सुधारों के नतीजे सामने आने लगे हैं और देश को जल्द ही बाहरी वाणिज्यिक ऋणदाताओं के साथ समझौते पर पहुंचने की उम्मीद है. आईएमएफ ने नकदी की कमी से जूझ रहे देश के लिए अपने 2.9 अरब अमेरिकी डॉलर के राहत कार्यक्रम की दूसरी समीक्षा से पहले यह बात कही. अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के संचार विभाग की निदेशक जूली कोजैक ने कहा कि श्रीलंका ने ऋण पुनर्गठन के मोर्चे पर मजबूत प्रगति की है.

उन्होंने कहा कि श्रीलंका का प्रदर्शन मजबूत है, दूसरी समीक्षा के लिए अधिकांश मात्रात्मक और संरचनात्मक शर्तें पूरी हुईं या देरी से लागू हुईं हैं. उन्होंने कहा कि कुछ क्षेत्रों में सुधार अभी भी जारी हैं. आईएमएफ की विस्तारित निधि सुविधा की दूसरी समीक्षा 12 जून को होनी है.

ब्रीफ खबरें

केरल में भारी बारिश होने का अनुमान

तिरुवनंतपुरम । दक्षिण-पश्चिम मानसून के लगातार आगे बढ़ने के बीच भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने शनिवार को केरल में विभिन्न स्थानों पर भारी बारिश होने और तेज हवाएं चलने की संभावना जताई. तिरुवनंतपुरम जिले में एक या दो स्थानों पर भारी बारिश के साथ ही 40 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं. उसने कहा कि कोल्लम, पथनमथिट्टा और त्रिशूर जिलों में एक या दो स्थानों पर मध्यम बारिश और 40 किमी प्रति घंटे तक की रफ्तार से तेज हवाएं चलने का अनुमान है.

सांबा में गोलीबारी में मजदूर की मौत

सांबा/जम्मू । जम्मू-कश्मीर के सांबा जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर संदिग्ध गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई. अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि 28 वर्षीय मजदूर वासुदेव के सीने में गोली लगी थी. अस्पताल लाए जाने पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया. उन्होंने बताया कि वह अंतरराष्ट्रीय सीमा पर निर्माण परियोजना पर काम कर रहा था और उसी दौरान उसे गोली लगी. बीएसएफ और पुलिस अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं.

मालदीव के राष्ट्रपति भी शपथ ग्रहण में हिस्सा लेंगे

माले । मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होना उनके लिए सम्मान की बात होगी और इस ऐतिहासिक अवसर पर भारत की उनकी यात्रा से परिलक्षित होगा कि द्विपक्षीय संबंध सकारात्मक दिशा में बढ़ रहे हैं. प्रधानमंत्री मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने का निमंत्रण स्वीकार करने के बाद मुइज्जू की यह टिप्पणी आई है. कार्यालय ने एक बयान में कहा है कि राष्ट्रपति मुइज्जू ने मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने का निमंत्रण स्वीकार कर लिया है.

पथराव मामले में 57 लोग हिरासत में

मुंबई । मुंबई के पवई इलाके में दो दिन पहले नगर निगम के अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान पथराव की घटना के सिलसिले में 200 से अधिक लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और 57 लोगों को हिरासत में लिया गया है. नगर निगम के अतिक्रमण विरोधी अभियान के दौरान पथराव में कम से कम 15 पुलिसकर्मी, निगम के पांच इंजीनियर और मजदूर घायल हो गए थे. पथराव करने के सिलसिले में 200 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और उनमें से 57 लोगों को हिरासत में लिया गया है.

कांग्रेस कार्यालय में मारपीट, मामला दर्ज

त्रिशूर । केरल की त्रिशूर लोकसभा सीट पर भाजपा की ऐतिहासिक जीत और कांग्रेस के नेता के. मुरलीधन की हार को लेकर यहां कांग्रेस के स्थानीय कार्यालय में सदस्यों के बीच झड़प हुई. पुलिस ने शनिवार को त्रिशूर जिला कांग्रेस कमेटी के सचिव सजीवन कुरियाचिरा की शिकायत पर जोस वल्लूर और पार्टी के 19 अन्य सदस्यों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की. पुलिस ने गैरकानूनी ढंग से एकत्र होने, दंगा करने, गलत तरीके से रोकने और चोट पहुंचाने के लिए भारतीय दंड संहिता की विभिन्न जमानती धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है.

देहरादून। देहरादून में शनिवार को भारतीय सैन्य अकादमी में पासिंग आउट परेड के बाद जश्न मनाते नवनियुक्त अधिकारी और अपने परिवार के साथ एक नवनियुक्त अधिकारी.

फूड प्रोसेसिंग यूनिट में लगी आग तीन श्रमिकों की मौत, छह घायल

- गैस रिसाव होने के कारण फैक्ट्री में आग लगने के बाद विस्फोट हुआ था, मची अफरा-तफरी

एजेंसी । नयी दिल्ली

दिल्ली के नरेला इंडस्ट्रियल एरिया में स्थित एक फूड प्रोसेसिंग यूनिट में शनिवार सुबह आग लग गयी. आग लगने के बाद विस्फोट होने से तीन श्रमिकों की मौत हो गयी. वहीं छह श्रमिकों के घायल होने की खबर है. मृतकों की पहचान श्याम (24), राम सिंह (30) और बीरपाल (42) के रूप में हुई है. वहीं घायलों को नरेला के एसएचआरसी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है. प्रारंभिक जांच के मुताबिक, पाइपलाइन से गैस रिसाव होने के कारण फैक्ट्री में आग लगने के बाद विस्फोट हुआ था. पुलिस मामला दर्ज कर आग लगने के कारण की जांच कर रही है.

आग लगी तो फैक्ट्री में मौजूद कर्मी फंसे

घटना के संबंध में बताया जाता है कि सूखी मूंग दाल की प्रोसेसिंग करने वाले श्याम कृपा फूड्स प्राइवेट लिमिटेड की फैक्ट्री में आग लगने के बाद जोरदार विस्फोट हुआ. इस अगलगी में फैक्ट्री के अंदर मौजूद कर्मी उसमें फंस गये. इसके बाद दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) की 14 गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया. वहीं फैक्ट्री के अंदर फंसे नौ लोगों को बाहर निकाला गया.

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर किया पोस्ट, लिखा

पीएम की नैतिक हार हुई, परिणाम हमारा मनोबल बढ़ाने वाला आया

- रमेश ने कहा– दूसरी ओर नेहरू को 1952 में 364, 1957 में 371 और 1962 में 361 सीटें मिलीं थीं, हर बार दो तिहाई बहुमत

एजेंसी । नयी दिल्ली

कांग्रेस ने शनिवार को कहा कि इस लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा की नैतिक हार हुई है वहीं पार्टी और 'इंडिया' गठबंधन के लिए परिणाम मनोबल बढ़ाने वाला है. भाजपा ने इस चुनाव में 240 सीट जीती हैं तथा उसके नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को कुल 293 सीट हासिल हुई हैं. कांग्रेस ने 99 सीट जीती हैं.

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने पार्टी की कार्य समिति और संसदीय दल की बैठकों का उल्लेख करते हुए 'एक्स' पर पोस्ट किया, 2024 का चुनाव नरेंद्र मोदी और भाजपा के लिए एक नैतिक हार है, जबकि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और 'इंडिया जनबंधन' के लिए मनोबल बढ़ाने वाला है.

कांग्रेस नेता ने एक अन्य पोस्ट में कहा, नरेंद्र मोदी के लिए ढोल पीटने वाले उनकी नैतिक, राजनीतिक और व्यक्तिगत हार वाले जनादेश में भी उम्मीद की किरण तलाश रहे हैं. उन्होंने कहा, इसे खूब प्रचारित किया जा रहा है कि जवाहरलाल नेहरू के बाद नरेंद्र मोदी लगातार तीन बार जनादेश प्राप्त करने वाले पहले व्यक्ति हैं. लेकिन किसी पार्टी को 240 सीटों तक ले जाना और एक-तिहाई प्रधानमंत्री बनना जनादेश कैसे है, इसे स्पष्ट नहीं किया जा रहा है. रमेश ने कहा , दूसरी ओर नेहरू को 1952 में 364, 1957 में 371 और 1962 में 361 सीटें मिलीं थीं हर बार दो तिहाई बहुमत. फिर भी वह पूरी तरह से लोकतांत्रिक बने रहे और अपनी निरंतर उपस्थिति से संसद को बेहद संजीदगी से आगे बढ़ाते रहे. उन्होंने कहा, नेहरू के बाद मोदी अकेले ऐसे व्यक्ति नहीं हैं जिन्होंने तीन बार शपथ ली हो-लगातार हो या न हो. अटल बिहारी वाजपेयी ने 1996, 1998 और 1999 में तीन बार शपथ ली थी और इंदिरा गांधी ने 1966, 1967, 1971 और 1980 में 4 बार. रमेश ने दावा किया कि एक तिहाई प्रधानमंत्री के लिए ढोल पीटने वाले 2024 के लोकसभा चुनाव में उनके ख़राब चुनावी प्रदर्शन को लाजवाब साबित करने के लिए कुछ भी ढूंढ लेंगे.

नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह पर बोले न्योता मिलने के बाद विचार करेगा इंडिया गठबंधन

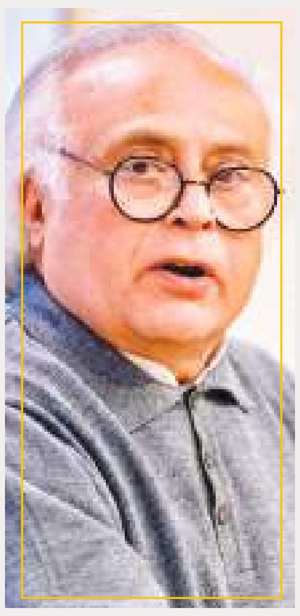

कांग्रेस ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह का निमंत्रण फिलहाल 'इंडिया' गठबंधन के नेताओं को नहीं मिला है, लेकिन न्योता मिलने के बाद इस पर विचार किया जाएगा. मोदी प्रधानमंत्री के रूप में तीसरे कार्यकाल के लिए नौ जून को शपथ ग्रहण करेंगे. उनके साथ उनके मंत्रिपरिषद के कई दूसरे सदस्य भी शपथ ले सकते हैं. पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने एक सवाल के जवाब में संवाददाताओं से कहा, कल के शपथ ग्रहण समारोह के लिए अभी सिर्फ अंतरराष्ट्रीय नेताओं को निमंत्रण गया है. अभी तक हमारे नेताओं को निमंत्रण नहीं आया है. अगर इंडिया जनबंधन के नेताओं को निमंत्रण आएगा तो उस पर हम विचार करेंगे. कांग्रेस के संगठन महसचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि शपथ ग्रहण में शामिल होने के बारे में फैसला 'इंडिया' गठबंधन करेगा. राजस्थान में अपनी सहयोगी राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के नेता हनुमान बेनीवाल की नाराजगी की खबरों को खारिज करते हुए वेणुगोपाल ने कहा कि उन्होंने खुद बेनीवाल से बात की है और अब सब ठीक है.

कांग्रेस के संगठन महसचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि शपथ ग्रहण में शामिल होने के बारे में फैसला 'इंडिया' गठबंधन करेगा.

अमेरिका के 22 शहरों में मोदी की जीत का जश्न मनाया जाएगा

वाशिंगटन । अमेरिका में ओवरसीज फ्रेंड्स ऑफ बीजेपी (ओएफबीजेपी-यूएसए) के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि नरेंद्र मोदी के समर्थक उनके तीसरे शपथ ग्रहण समारोह का जश्न मनाएंगे. उन्होंने बताया कि न्यूयॉर्क, जर्सी सिटी, वाशिंगटन, बोस्टन, टाम्पा, अटलांटा, ह्यूस्टन, डलास, शिकागो, लॉस एंजिल्स और सैन फ्रांसिस्को जैसे शहरों में मोदी के तीसरे शपथ ग्रहण समारोह का जश्न मनाया जाएगा. अध्यक्ष अदापा प्रसाद ने कहा, इस शुक्रवार से अगले रविवार तक अमेरिका के 22 शहरों में उनकी जीत का जश्न मनाया जाएगा. ओएफबीजेपी-यूएसए के सदस्यों ने चुनाव-अभियान के दौरान लोगों को जागरूक करने के लिए अमेरिका के कई शहरों में कार रैलियां निकालीं. लोकसभा में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी है और 1962 के बाद यह पहली बार है कि कोई प्रधानमंत्री लगातार तीसरी बार सत्ता में आए हैं.

जिरीबाम जिले में 200 से लोगों को राहत शिविरों में भेजा गया

एजेंसी । इंफाल

मणिपुर के जिरीबाम जिले में कथित तौर पर उग्रवादियों द्वारा एक व्यक्ति की हत्या को लेकर भड़की हिंसा के बाद मेइती समुदाय के 200 से अधिक लोगों को नए राहत शिविरों में भेजा गया है. अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी. संदिग्ध उग्रवादियों ने जिरीबाम जिले के बाहरी गांवों लामताई खुनौ, दिबोंग खुनौ, नूनखाल और बेगरा में कई घरों को जला दिया था. इन गांवों के लोग जिरी खेल परिसर में बनाए गए राहत शिविर में रह रहे थे. एक अधिकारी ने बताया कि नए शिविरों में भेजे गए अधिकतर लोग जिरीबाम शहर से करीब 30 किलोमीटर दूर स्थित गांवों में रह रहे हैं. उन्होंने कहा, क्षेत्र में और अधिक सुरक्षाकर्मियों को भेजा गया है. मणिपुर पुलिस ने राज्य पुलिस कमांडो को तत्काल जिरीबाम जाने का आदेश दिया है. पुलिस ने बताया कि जातीय संघर्ष से ग्रस्त मणिपुर के जिरीबाम जिले में गुरुवार शाम एक समुदाय के 59 वर्षीय व्यक्ति की हत्या के बाद तनाव पैदा हो गया था.

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि पीड़ित गुरुवार सुबह अपने खेत पर गया था, जहां से वह लापता हो गया. बाद में उसका शव बरामद किया गया. स्थानीय लोगों ने हत्या के बाद जिरीबाम थाने के बाहर विरोध जताया और मांग की कि चुनाव के मद्देनजर उनसे लिये गए लाइसेंसी हथियार अब उन्हें लौटा दिए जाएं.

रामोजी राव ग्रुप के संस्थापक रामोजी राव का निधन, पीएम ने श्रद्धांजलि दी

हैदराबाद । रामोजी राव ग्रुप के संस्थापक और मीडिया जगत की जानी मानी हस्ती रामोजी राव का शनिवार सुबह निधन हो गया. 88 वर्षीय रामोजी राव ने हैदराबाद के स्टार हॉस्पिटल में अंतिम सांस ली. जानकारी के अनुसार, रामोजी राव की अचानक तबीयत बिगड़ गयी थी. जिसके बाद उनको 5 जून को अस्पताल में भर्ती कराया गया था. जहां शनिवार सुबह 3:45 बजे उन्होंने दम तोड़ दिया. राव के पार्थिव शरीर को शहर के बाहरी इलाके में स्थित रामोजी फिल्म सिटी में उनके आवास पर ले जाया गया. उनके निधन से फिल्म और मीडिया इंडस्ट्री में शोक की लहर है.

पीएम ने शोक व्यक्त किया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रामोजी राव के निधन पर शोक व्यक्त किया है और उन्हें भारतीय मीडिया में क्रांति लाने वाला दूरदर्शी व्यक्ति करार दिया. मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि राव के समृद्ध योगदान ने पत्रकारिता और फिल्म जगत पर अमिट छाप छोड़ी है. इस कठिन समय में उनके परिवार, मित्रों और अनगिनत प्रशंसकों के प्रति मेरी संवेदनाएं. ओम शांति.

सांसद अफजाल अंसारी का पीएम पर तंज, कहा

केंद्र सरकार लंगड़ी है, जो बैसाखी के सहारे चलेगी

एजेंसी । गाजियाबाद

लोकसभा चुनाव 2024 का रिजल्ट का रिजल्ट 4 जून को ही आ गया था. वहीं इस बार हुए लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में बीजेपी को बड़ा झटका लगा है. वहीं गाजीपुर से नव निर्वाचित सांसद अफजाल अंसारी ने कहा कि लोकसभा चुनाव के वक्त बीजेपी वाले 80 में से 80 सीटों का दावा करते थे. लेकिन उनकी हैसियत 33 सीटों पर ही सिमट गई है. सरकार लंगड़ी है जो बैसाखी के सहारे चलेगी. जनता ने अपना रुझान दे दिया है कि वो नरेंद्र मोदी को सत्ता में नहीं देखना चाहती है. उन्होंने यह भी कहा कि लोकसभा चुनाव के साथ-साथ विधानसभा के भी उपचुनाव हुए है. हम उसमें से भी दो सीटों पर जीते है. आपको बता दें कि 2019 के लोकसभा चुनाव में भी अफजाल अंसारी ने गाजीपुर सीट से ही जीत हासिल की थी. इसके अलावा मनोज सिन्हा के करीबी होने की वजह से पारसनाथ राय को गाजीपुर से टिकट दिया गया.

कुलविंदर कौर के समर्थन में आई पंजाब किसान कांग्रेस

चंडीगढ़ । कंगना रणौत-कॉन्स्टेबल कुलविंदर कौर विवाद में पंजाब किसान कांग्रेस प्रमुख किरणजीत सिंह ने सीआईएसएफ महिला कांस्टेबल का समर्थन किया है और मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है. वहीं पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान पर भी निशाना साधा. सिंह ने कहा कि थप्पड़ मारने की घटना का कोई सीसीटीवी फुटेज न होने के बावजूद महिला कांस्टेबल के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. जब थप्पड़ मारने की कोई फुटेज नहीं है तो एफआईआर क्यों दर्ज की गई? मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए. उन्होंने कहा कि कांग्रेस के सभी सदस्य कौर और उनके परिवार के साथ एकजुटता से खड़े हैं और उन्हें पूरा समर्थन देने का वादा करते हैं.

पूर्व अंतरिक्ष यात्री विलियम एंडर्स की मौत

- एंडर्स विमान को अकेले उड़ा रहे थे और विमान वाशिंगटन के सैन जुआन द्वीप के पास पानी में गिर गया जिससे उनकी मौत हो गयी

एजेंसी । सिएटल

फाइल फोटो

सेवानिवृत्त मेजर जनरल एवं अपोलो 8 के पूर्व अंतरिक्ष यात्री विलियम एंडर्स की शुक्रवार को एक विमान दुर्घटना में मौत हो गई. वह 90 वर्ष के थे. एंडर्स विमान को अकेले उड़ा रहे थे और विमान वाशिंगटन के सैन जुआन द्वीप के पास पानी में गिर गया. उनके बेटे और वायुसेना में लेफ्टिनेंट कर्नल रहे ग्रेग एंडर्स ने एसोसिएटेड प्रेस से उनके निधन की पुष्टि की. विलियम एंडर्स ने 1968 में प्रतिष्ठित अर्थराइज तस्वीर खींची थी.

अर्थराइज पृथ्वी और चंद्रमा की सतह के एक हिस्से की तस्वीर है जो एंडर्स ने चंद्र की कक्षा से ली थी. उनके बेटे ग्रेग एंडर्स ने कहा, परिवार बहुत दुखी है. वह कुशल विमान चालक थे और हमें उनकी बहुत याद आएगी.

विलियम एंडर्स ने कहा था कि यह फोटो (अर्थराइज) अंतरिक्ष कार्यक्रम में उनका सबसे महत्वपूर्ण योगदान है. एंडर्स द्वारा अंतरिक्ष से ली गई पृथ्वी की पहली रंगीन तस्वीर आधुनिक इतिहास की सबसे महत्वपूर्ण तस्वीरों में से एक है, क्योंकि इसने इस गृह (पृथ्वी) के प्रति मनुष्य के नजरिए को बदल दिया.

मस्क ने मोदी को चुनाव में जीत की दी बधाई

न्यूयॉर्क । अरबपति एलन मस्क ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लोकसभा चुनाव में ऐतिहासिक जीत के लिए बधाई देते हुए कहा है कि वे अपनी कंपनियों द्वारा भारत में रोमांचक कार्य किए जाने को लेकर उत्साहित हैं. मोदी नौ जून को प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे. मस्क ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक चुनावों में जीत पर नरेंद्र मोदी को बधाई! भारत में मेरी कंपनियों द्वारा किए जाने वाले रोमांचक काम को लेकर उत्साहित हूं. इलेक्ट्रिक कार विनिर्माता टेस्ला और माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म एक्स के सीईओ ने इससे पहले अप्रैल में टेस्ला संबंधी भारी दायित्वों के कारण भारत की अपनी प्रस्तावित यात्रा स्थगित कर दी थी.

कर्नाटक | दवा लेने का वास्तविक 'मुहूर्त' शनिवार सुबह 7.47 बजे का था

अस्थमा की 'चमत्कारी गोली' लेने हजारों लोग उमड़े

एजेंसी । कोप्पल

कर्नाटक में कोप्पल जिले के एक गांव में शनिवार की सुबह सांस संबंधी समस्याओं, खासकर अस्थमा के इलाज के लिए जड़ी-बूटी निर्मित दवा लेने के वास्ते देश के विभिन्न हिस्सों से हजारों लोग उमड़ पड़े. इस गांव का नाम कुटागनहल्ली है. यहां पारंपरिक चिकित्सक अशोक राव कुलकर्णी द्वारा तैयार की गई 'चमत्कारी गोली' लेने के लिए कर्नाटक के कई हिस्सों, पड़ोसी महाराष्ट्र और दक्षिण भारत के सभी राज्यों से लोग पहुंचे.

कुलकर्णी के अनुसार, इस दवा को तब लिया जाता है जब चंद्रमा मृगशिरा नक्षत्र से आर्द्रा नक्षत्र में प्रवेश करता है. दवा लेने का वास्तविक 'मुहूर्त'' शनिवार सुबह 7.47 बजे का था. कुलकर्णी के परिवार ने दावा किया कि यह दवा हिंदू चंद्र कैलेंडर के 'ज्येष्ठ मास' में जब क्षेत्र में बारिश होती है तब विशेष रूप से फायदा पहुंचाती है और यही वजह है कि शनिवार को दवा लेने के लिए भारी भीड़ थी. यह दवा देते हुए कुलकर्णी के परिवार को लोगों को 100 साल पूरे हो गए हैं.

कुलकर्णी ने कुटागनहल्ली में संवाददाताओं से कहा, इससे पहले मेरे पिता व्यास राव कुलकर्णी ने 60 वर्षों तक यह दवा दी थी और उनके बाद मैंने इसे देना शुरू किया. यह दवा वितरित करते हुए मेरा 40वां वर्ष है. लोगों का इस दवा पर सदियों पुराना भरोसा है और यही कारण है कि वे मुफ्त में दवा प्राप्त करने के लिए गांव की तरफ खिंचे चले आते हैं. कुटागनहल्ली में नजारा किसी भव्य मेले जैसा था. भारी भीड़ की उम्मीद में कई विक्रेताओं ने सब्जियों, खाद्य पदार्थ और छोटी-मोटी चीजें बेचने के लिए अस्थायी दुकानें लगा रखी थीं.

कुलकर्णी बोले

इस दवा को तब लिया जाता है जब चंद्रमा मृगशिरा नक्षत्र से आर्द्रा नक्षत्र में प्रवेश करता है

हमें लोगों के फैसले को विनम्रता से स्वीकार करना चाहिए : पटनायक

भुवनेश्वर । ओडिशा के निवर्तमान मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने शनिवार को कहा कि लोगों के फैसले को विन्रमता से स्वीकार करना चाहिए, साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि वह हर संभव तरीके से ओडिशा के लोगों की सेवा करते रहेंगे. मुख्यमंत्री पटनायक नेपीटीआई से कहा कि उन्हें बीजद सरकार और पार्टी पर गर्व है. पटनायक को हाल ही में संपन्न हुए विस चुनावों में, 24 साल बाद भाजपा के हाथों सत्ता गंवानी पड़ी. उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हमने हमेशा कोशिश की है और बेहतरीन काम किया है. हमारे पास अपनी सरकार और पार्टी पर गर्व करने के लिए बहुत कुछ है. लोकतंत्र में या तो आप जीतते हैं या हारते हैं. पटनायक ने कहा, लंबे समय बाद शिकस्त मिलने पर हमें हमेशा जनता के फैसले को विनम्रता से स्वीकार करना चाहिए.

आबकारी नीति मामला

दिल्ली की अदालत से कारोबारी अमित अरोड़ा को मिली बेल

एजेंसी । नयी दिल्ली

दिल्ली की एक अदालत ने कथित आबकारी नीति घोटाले से संबंधित धनशोधन के एक मामले में गुरुग्राम स्थित 'बड्डी रिटेल प्राइवेट लिमिटेड' के निदेशक अमित अरोड़ा को दो सप्ताह की अंतरिम जमानत दे दी है. विशेष न्यायाधीश (ईडी एवं सीबीआई मामले) कावेरी बावेजा ने छह जून को जारी एक आदेश में कहा कि आरोपी की पत्नी का ऑपरेशन हुआ है और उसे उसकी देखभाल करने की जरूरत है. न्यायाधीश ने कहा कि आरोपी के वकील विकास पाहवा ने दलील दी है कि आरोपी की पत्नी के पिता पहले ही गुजर चुके हैं जबकि उनकी मां करीब 72 साल की हैं तथा पंजाब के मोहाली में रहती हैं और उनके दो भाई बेंगलुरु तथा ब्रिटेन के लंदन में हैं. न्यायाधीश ने कहा कि परिवार का कोई भी और सदस्य या चचेरा/ मौसेरा/ ममेरा भाई/बहन घर में या आसपास भी नहीं रहता है या वह बमुश्किल ही आरोपी की पत्नी एवं उसके बच्चों की देखभाल के लिए उसके घर आता-जाता है. उन्होंने कहा कि इसके अलावा दूर के रिश्तेदार पति/पिता की अनुपस्थिति को पूरा नहीं कर सकते और आवेदक के परिवार के सदस्यों की अच्छी तरह देखभाल नहीं कर सकते.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)